हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

वायनाड में काम कर रहे 4 मजदूरों की मौत 4 लापता, 7 अन्य घायल

लैंडस्लाइड ऐसा... जैसे कोई सुनामी

- मलबा ऐसा आया कि टैंकर खिलौने की तरह बहा
- चपेट में आने से चर्च और खाली मकान भी बहा

एजेंसी ▶▶ वायनाड

केरल के वायनाड में भारी बारिश के बाद हुए एक भयानक भूस्खलन (लैंडस्लाइड) ने भारी तबाही मचाई है। मेप्पाडी इलाके में पिछले 24 घंटों में 226 मिमी बारिश के बाद कल्लाडी स्थित मीनाक्षी पुल के पास यह हादसा हुआ। इस त्रासदी में सुरंग सड़क परियोजना में काम करने वाले 4 मजदूरों की मौत हो गई, 4 लापता हैं और 7 अन्य घायल हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया

केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी बताते हुए कहा कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हादसे वाली जगह पर सुरंग निर्माण के लिए खोदी गई मिट्टी का विशाल ढेर ढहने से यह हादसा हुआ।

सुरंग निर्माण के लिए खोदी गई मिट्टी का विशाल ढेर ढहने से यह हादसा हुआ

मलबे में फंसे लोगों का रेस्क्यू करती टीमें

खजुराहो में 50 मिमी से अधिक बारिश

हाईवे पर 3 फीट पानी, भोपाल राजगढ़ का वैकल्पिक मार्ग बंद

- बैरसिया नरसिंहगढ़ के बीच पार्वती नदी पर बने पुल पर जलस्तर बढ़ने से आवागमन रोका
- सेंधवा में सांदीपनि स्कूल में छत का प्लास्टर गिरा, दो छात्राएं घायल
- इंदौर के पास एक सड़क धंस गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश भर में अभी तेज से मध्यम बारिश का दौर जारी है। इस बीच मंगलवार को भोपाल सहित कई जिलों में सुबह से शाम तक तेज से मध्यम बारिश हुई। इससे कई जिलों में हालात बिगड़ गए। बड़वानी जिले के सेंधवा में सांदीपनि स्कूल में छत का प्लास्टर गिर गया, जिससे 9वीं की दो छात्राएं घायल हो गईं, वहीं इंदौर के पास एक सड़क धंस गई।

यहां सामान्य बारिश

भोपाल, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, देवास, शाजापुर, नीमच, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, मैहर, पांढुर्णा में भी सुबह से शाम तक सामान्य बारिश दर्ज हुई है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बेथ मूनी बनीं नंबर-1 टी20 की बल्लेबाज

दुबई। महिला टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी आईसीसी महिला टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। टूर्नामेंट में 238 रन बनाने वालीं मूनी ने हमवतन जॉर्जिया वोल को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया। इस सूची में लाउरा वोलवार्ट तीसरे और स्मृति मंधाना पांचवें स्थान पर हैं।

प्रमोशन में आरक्षण विवाद पर कोर्ट का सख्त रुख

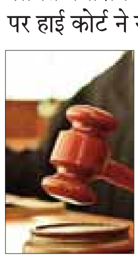

जबलपुर। मध्य प्रदेश में वर्षों से लंबित प्रमोशन में आरक्षण विवाद पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि इस मामले को अब और लंबा नहीं खींचा जाएगा और जल्द ही इसका अंतिम निराकरण होगा।

ओटीटी से हटाई दिलजीत की फिल्म 'सतलुज'?

मुंबई। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित अभिनेता दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 से हटा दिया गया। रिलीज के 48 घंटे के भीतर फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला फिल्म की बारीकी से समीक्षा करने के बाद लिया गया है।

बड़ा सवाल : क्या वरिष्ठ नेता दिग्विजय राजनीति से संन्यास की ओर बढ़ गए हैं?

दिग्विजय का बड़ा ऐलान...वे अब राजनीति नहीं, धर्म की रक्षा करेंगे

समाज और कांग्रेस पार्टी मे गंभीर आलोचनाओं में घिरे पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह खुद को एक नए मोड़ पर ले आए हैं, यह राजनीतिक है या रणनीतिक है? बाद में पता चलेगा

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को बड़ा धमाका कर दिया। उन्होंने ऐलान किया कि अब वे अंतिम सांस तक धर्म की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ेंगे। वे 2 अक्टूबर के स्थान पर विजयादशमी से उज्जैन से अयोध्या तक लगभग एक हजार किमी की पद यात्रा करेंगे। नर्मदा यात्रा भी उन्होंने दशहरे से ही प्रारंभ की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस यात्रा का राजनीति से कोई संबंध नहीं होगा और इसमें किसी राजनीतिक नेता को आमंत्रित नहीं किया जाएगा। इस दौरान उज्जैन के महाकाल से लेकर अयोध्या के राम मंदिर तक दान और चंदा चोरी को उजागर करेंगे। अब कोई राजनीति नहीं करेंगे, न राजनीतिक भाषण देंगे और न ही सोशल मीडिया में कोई पोस्ट डालेंगे। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उन्हें बहुत कुछ दिया। वे 5 बार विधायक, दो-दो बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। इसलिए पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया था कि मेरे स्थान पर किसी और को अवसर दें। दिग्विजय के इस ऐलान को राजनीति से उनके सन्यास का संकेत माना जा रहा है। दिग्विजय ने कहा कि वह सनातन धर्म को भी समझते हैं और भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी।

- दशहरे से करेंगे उज्जैन से अयोध्या तक की पदयात्रा
- न राजनीतिक भाषण देंगे, न ही डालेंगे कोई पोस्ट

महाकाल से लेकर अयोध्या के राम मंदिर तक दान और चंदा चोरी को उजागर करेंगे

80 वर्ष की उम्र में उन्हें जो जिम्मेदारियां पार्टी ने दीं, उन्हें वे निभा चुके

संघ पर सवाल उठाने वालों के हाथ और अंगुली तोड़ देंगे: पाटिल

ज्ञानेश्वर पाटिल

खंडवा से भाजपा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक सम्मानित संगठन है और इस पर बिना आधार के अंगुली उठाने वालों के हाथ और उंगली तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह लगातार भगवान राम, रामसेतु और हिंदू आस्था से जुड़े विषयों पर विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश करते हैं, जिससे खुद कांग्रेस को ही राजनीतिक नुकसान हुआ है।

कारसेवक संतोष दुबे होंगे यात्रा में मुख्य अतिथि

दिग्विजय ने कहा कि यात्रा के दौरान न तो भाषण देंगे, न प्रवचन करेंगे और न ही अपने सोशल मीडिया मंचों पर स्वयं कोई टिप्पणी लिखेंगे। उन्होंने बताया कि वह राम मंदिर आंदोलन के दौरान गोली लगने वाले कारसेवक संतोष दुबे को इस यात्रा में विशेष रूप से आमंत्रित करेंगे। दुबे उनके मुख्य अतिथि होंगे और उनके अनुभवों को भी लोग सुनेंगे।

लेकिन, मगरमच्छ को छोड़ दिया गया

दिग्विजय ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में जो हुआ, सब पहले से तय था। जवाबदेही तय नहीं की गई और इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। उन्होंने कहा कि खुद कोषाध्यक्ष कह रहे हैं कि उन्हें चेक पर हस्ताक्षर करने का अधिकार नहीं था। इसमें छोटी मछली तो पकड़ ली गईं लेकिन मगरमच्छ को छोड़ दिया गया। हम बहुत दुःखी हैं। इसलिए अपनी आखिरी सांस तक अपनी लड़ाई लड़ूंगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया गया

पीएम को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड्स की संख्या पहुंची 35... यह दुर्लभ उपलब्धि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित किया गया है। इस सम्मान के साथ अब पीएम मोदी को दुनिया भर से मिले कुल अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 35 हो गई है। 'बिंतांग आदिपूर्णा' (मेडल ऑफ ऑनर) इंडोनेशिया का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान है। यह उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया की एकता, स्थिरता और समृद्धि में असाधारण योगदान दिया हो। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने जकार्ता में इस सम्मान की घोषणा की।

मोदी की तारीफ में बोले इंडोनेशियाई राष्ट्रपति

मैंने आपके कार्यक्रमों की नकल की

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित एक भोज के दौरान भारत के विकास मॉडल की जमकर तारीफ की। हल्के- फुल्के अंदाज में प्रबोवो ने कहा कि मैंने आपके करियर को फॉलो किया है और आपके कई कार्यक्रमों की नकल की है।

भारत 3 देशों को बेचेगा ब्रह्मोस मिसाइल

इंडोनेशिया में 200 मिलियन डॉलर की रक्षा डील पक्की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अब इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम को ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात करने के लिए तैयार है। इसके अलावा, भारत ब्रह्मोस के निर्यात के लिए कम से कम आधा दर्जन अन्य देशों के साथ भी बातचीत कर रहा है। भारत, इंडोनेशिया को 200 मिलियन डॉलर की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की दो बैटरी की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। यह आपूर्ति दोनों देशों के बीच मंगलवार को हुए रक्षा समझौतों का हिस्सा है।

मैहर-रीवा हाईवे पर ट्रक में घुसी कार

पूर्व विधायक के परिवार के पांच लोगों की मौत हुई

बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे घर, तभी हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैहर

मैहर-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। नादन थाना क्षेत्र के ग्राम रीघरा के पास रात करीब एक बजे हुए इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार से चल रही एक्सयूवी कार सामने चल रहे ट्रक में जा घुसी।

ये बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के निजी सचिव हटाए गए...

उनकी टीम के दो अन्य अधिकारियों की भी छुट्टी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला है। मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के निजी सचिव (पीएस) अमर सिंह को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। उनके साथ ही उनकी टीम में कार्यरत दो अन्य अधिकारियों, आयुष शरण और शैलेश कुमार सिंह को भी ड्यूटी से रिलीव (मुक्त) कर दिया गया है।

चंपत राय का पहला बयान

जांच रिपोर्ट के बाद दूंगा मैं एक-एक आरोप का जवाब

मेरी जिंदगी खुली किताब जैसी, साझा किया पत्र

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में घिरे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा मंजूर होने के अगले दिन मंगलवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर हाथ से लिखा एक पत्र साझा कर तुलसीदास जी की चौपाई के जरिए अपना दर्द बयां करते हुए लिखा-धीरज धरम मित्र अरु नारी,आफत काल परखिए चारी।

जीतू पटवारी राजेंद्र भारती के समर्थन में, दिग्विजय सिंह राघजराने के नाम पर अड़े; 13 जुलाई तक होंगे नामांकन

दतिया उपचुनाव: कांग्रेस में उम्मीदवार को लेकर खींचतान भाजपा बनाएगी दल-बदल की घटनाओं को चुनावी मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनावी अधिसूचना जारी होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां उम्मीदवार चयन के अंतिम चरण में है, वहीं कांग्रेस में टिकट को लेकर दो वरिष्ठ नेताओं के अलग-अलग रुख ने असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और उनके समर्थक पूर्व विधायक राजेंद्र भारती को उम्मीदवार बनाए जाने के पक्ष में हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह पूर्व विधायक सुरेश राजधराने को टिकट दिलाने की पैरवी कर रहे हैं। ऐसे में प्रत्याशी चयन को लेकर कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है। उधर भाजपा ने कांग्रेस की इस स्थिति को चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी कर ली है।

भाजपा की नजर नरोत्तम मिश्रा पर

भाजपा की ओर से अभी उम्मीदवार की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पार्टी संगठन चुनावी समीकरणों का अंतिम आंकलन कर रहा है और जल्द ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा होने की संभावना है।

रीमा भारती भी संभावित विकल्प

बताया जा रहा है कि यदि किसी कारणवश राजेंद्र भारती चुनाव नहीं लड़ पाते हैं तो कांग्रेस उनकी पत्नी रीमा भारती को उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी किसी नाम पर आधिकारिक मुहर नहीं लगी है।

एकेटीयू के 24वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति के तौर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा

62537 छात्रों को डिग्री और 53 को पीएचडी की उपाधि डिजिलॉकर पर अपलोड

पढ़ाई के बीच प्रेग्नेंसी का पराक्रम मत दिखाइए उससे प्रेम है तो फिर कर लीजिए 'लव मैरिज'

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि पढ़ाई के दौरान लड़कियां प्रेग्नेंट हो जाती हैं। कइयों को बच्चा भी हो जाता है। उस बच्चे की जिम्मेदारी जानते हैं किस पर जाती है?

सरकार पर जाती है। ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए। दूर रहिए इन पराक्रमों से। मैं लव मैरिज के खिलाफ नहीं हूं, आप करिए लव मैरिज। आपको उनसे प्रेम है, उनको आपसे प्रेम है तो शादी करिए। लेकिन, शादी तभी करिए जब आत्मनिर्भर हो जाइए।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल पीएचडी की उपाधि देती हुईं

राज्यपाल ने गिनाई ये खामियां

1. **टंकी में बंदर नहाते हैं**
   गर्ल्स हॉस्टल में भी कमी दिखी। अंदर कोई खिड़की नहीं। बुक्स रखने के लिए कोई जगह नहीं थी। जब खोला तो अंदर से चूहा निकला। तीसरी मंजिल में टंकी रहती है, जिस पर कोई ढक्कन नहीं है। बंदर उसमें नहाते हैं।
2. **मेस की निगरानी जरूरी**
   मेस में देखते रहिए कि मसाला कौन-सा आता है? एक्सपायरी डेट वाला तो नहीं आता? नॉनवेज वाला तो नहीं आता? कंडीशन यहां तक कि छत पर एक-एक फुट के पौधे जम गए। मैंने अपने पीएसओ से कहा कि इनको उखाड़ो।
3. **पंखे से सिर टकराता है**
   हॉस्टल के टॉप फ्लोर में जो पंखा लगा, उसमें सिर लड़ रहा है। लगाने वाले को नहीं दिखा, पर आप लोगों को देखना चाहिए। यूनिवर्सिटी में जब जाती हूं, आंगनबाड़ी में जाती हूं तो बहुत निराशा होती है। कमरे में स्विच बोर्ड गलत जगह होते हैं।

मुंबई, दहिवली, दादर और ठाणे में आंधी और बारिश का कहर बरपा

देश के कई राज्यों में भारी बारिश बनी आफत

◆ रत्नागिरी में भूस्खलन से कई मकान गिरे, कई लोगों को मलबे से बाहर सुरक्षित निकाला, अभी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बड़ा भूस्खलन हो गया। इसमें 5 मकान मलबे में दब गए और कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है।

यह घटना सोमवार रात खेड़ तहसील के दहिवली इलाके में हुई। हादसे के बाद 75 वर्षीय कल्पना शेलार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

लोगों को मलबे से निकाला जा रहा

शांताराम शेलार और सतीश शेलार समेत अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य राहत एवं बचाव एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री उदय सामंत ने मंगलवार सुबह घटनास्थल का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली।

दो लेन बंद करना पड़ा, हजारों वाहन जाम में फंसे

गुरुग्राम। मंगलवार को तेज बारिश के बीच दिल्ली-जयपुर हाईवे पर नर्सिंहपुर के पास सड़क का एक हिस्सा धंस जाने से दो लेन को तत्काल बंद करना पड़ा। इससे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया और हीरो होंडा चौक से खेड़की दौला टोल प्लाजा तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। शाम तक हजारों वाहन जाम में फंसे रहे। नर्सिंहपुर में हाईवे के दोनों ओर बनी खुली ड्रेन को जोड़ने के लिए ट्रेंचलेस बैरल (पाइप जैकिंग) तकनीक से पाइप डालने का कार्य चल रहा है।

नोएडा, गाजियाबाद में दिन में ही छाया अंधेरा

दिल्ली एनसीआर में मंगलवार को कई इलाकों में झमाझम बारिश देखने को मिली। नोएडा, गाजियाबाद समेत दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। आसमान में काले बादलों से दिन में ही अंधेरा छा गया। दिल्ली में मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था।

महाराष्ट्र में अब तक 13 की मौत, कई घायल

शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। आम जनजीवन ठप हो गया है। अब महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला किया है। मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राज्य में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। करीब 100 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं । बाढ़ के कारण सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं।

10 फीट गहरे गड्ढों में समाईं सड़कें, कार धंसी

जयपुर। यहां शहर के कई हिस्सों में सड़कें धंस गईं और 8-10 फीट तक गहरे गड्ढे बन गए। गोपालपुरा बाइपास पर इनोवा गड्ढे में जा गिरी। मानसरोवर में सड़क का करीब 20 फीट चौड़ा हिस्सा जमीन में समा गया। द्रव्यवती नदी के किनारे दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क धंस गई। एक जगह सड़क का 20 फीट चौड़ा हिस्सा अचानक जमीन में समा गया

खबर संक्षेप

सीजेपी के एक्स पर बैन हटेगा: उच्च न्यायालय

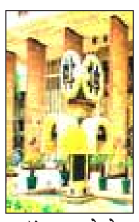

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर शुरू हुई मुहिम 'कॉकरोच जनता पार्टी' के एक्स हैंडल को बहाल करने का आदेश दिया है। मंगलवार को पारित अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र के अकाउंट ब्लॉक करने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने अवरोधक आदेश के खिलाफ सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके की याचिका पर यह फैसला दिया।

1.55 लाख करोड़ रुपए के ऋण को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को बताया कि इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) 5.0 के तहत लॉन्च होने के बाद से अब तक 4,11,497 गारंटी जारी की जा चुकी हैं और इसके तहत कुल 1,55,229 करोड़ की गारंटी दी गई है, जो यह दर्शाता है कि बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली ने इस योजना को तेजी से अपनाया है। प्रभावित कारोबारों को बढ़ाएंगे।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज़ है। अटकलें हैं कि शरद पवार की एनसीपी (शरद पवार) नया राजनीतिक रास्ता तलाश रही है। चर्चा है कि कांग्रेस में विलय की संभावना कमजोर पड़ने के बाद पार्टी अब सत्ता पक्ष(एनडीए) के साथ जाने के विकल्प पर मंथन कर रही है। हालांकि पार्टी दावों को सिरे से खारिज कर रही है। भाजपा भी नकार रही है।

सपा ने दुबे को मानहानि का नोटिस भेजा

लखनऊ। सपा ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। यह कार्रवाई अयोध्या के कथित चढ़ावा गड़बड़ी मामले के आरोपी टिन्नू यादव को लेकर सोशल मीडिया पर किए गए दावों और पोस्ट के बाद की गई है। इअध्यक्ष अखिलेश यादव ने दुबे को पोस्ट हटाने के लिए चेतावनी दी थी।एक्स पर लिखा था सांसदों को समान अधिकार प्राप्त हैं।

इस्कॉन की रथ यात्रा रोकने सरकार को पत्र

नई दिल्ली। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि इस्कॉन की ओर से दुनियाभर में भगवान जगन्नाथ की समय से पहले निकाली जा रही 'स्नान यात्रा' और 'रथ यात्रा' को रोकने के लिए हस्तक्षेप करें।

गलतफहमी दूर करने की मिली जिम्मेदारी, चन्नी और रंधावा नहीं पहुंचे

बाजवा के साथ बघेल ने की 45 मिनट बात

बाजवा करेंगे मध्यस्थता, समझाइश देंगे अनुशासनहीनता पर नेताओं को नोटिस

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़/नई दिल्ली

चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस दोफाड़ न हो, इसके लिए नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा मध्यस्थता करते हुए प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल के साथ विवाद को शांत करवाने का प्रयास करेंगे। बघेल ने मध्यस्थता की अहम जिम्मेदारी बाजवा को सौंपी हैं। इसी प्रकरण में अनुशासनहीनता पर घनौर के पूर्व विधायक को पंजाब कांग्रेस की अनुशासन कमेटी ने नोटिस जारी कर दिया है।

■ चुनाव के पहले कांग्रेस में दो फाड़ रोकने की कवायद शुरू

चंडीगढ़ पहुंचते ही बघेल कांग्रेस भवन जाने के बजाय सीधे नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के घर पहुंचे।

यहां उन्होंने बाजवा के साथ 45 मिनट बातचीत की। बघेल ने इस दौरान बाजवा को सभी नाराज नेताओं की उनसे बैठक करवाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसकी पुष्टि करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि पार्टी एकजुट रहे, वरिष्ठ नेता होने के नाते यह उनकी भी जिम्मेदारी है। जिन नेताओं के मतभेद है, वे सभी उनके संपर्क में हैं।

कांग्रेस में बगावत के सुर तेज

प्रताप सिंह बाजवा

भूपेश बघेल

5 दिन में नेताओं से करेंगे बातचीत

आने वाले पांच दिन में वे और प्रभारी बघेल सभी नेताओं से बात करेंगे। बाजवा के अनुसार बघेल ने आश्वस्त किया है कि वे सभी नेताओं के मनमुटाव दूर करेंगे, किसी को विधानसभा हलकों के संदर्भ में यदि कोई गलतफहमी है तो बघेल उसे भी स्पष्ट करेंगे। बाजवा ने कहा, उन्हें पूरी उम्मीद है कि सारे मसले इस हफ्ते निपट जाएंगे। यदि कोई बात रह जाती है तो निश्चित तौर पर नेताओं को हाईकमान से भी मिलवाया जाएगा।

केंद्रीय टीम की बघेल से चर्चा

मसले को शांत रखने और कुछ वरिष्ठ नेताओं से मिलने के लिए प्रियंका गांधी की ओर से भेजी गई दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं की टीम ने भी प्रदेश भारी भूपेश बघेल से बैठक कर उनसे इस विवाद के मौजूदा हालात व फीडबैक पर चर्चा की। उसके टीम दिल्ली लौट गई। यह टीम हाईकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। बघेल भी इस विवाद को सुलझाने में केंद्रीय टीम के इनपुट व फीडबैक का इस्तेमाल करेंगे। दिल्ली लौटकर बघेल को भी अपनी रिपोर्ट हाईकमान को देनी है।

विधायक से मांगा जवाब

प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने साफ कर दिया है कि इस प्रकरण में कोई भी नेता ऐसी टिप्पणी न करे जो अनुशासनहीनता के दायरे में आए। इसी कड़ी में पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के चेयरमैन अवतार हेनरी ने घनौर के पूर्व विधायक मदन लाल जलालपुर को नोटिस जारी कर दिया है। उन्हें जारी नोटिस में कहा गया है कि उन्होंने पार्टी हाईकमान, वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल और भूपेश बघेल के विरुद्ध आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। इन पार्टी विरोधी गतिविधियों से कांग्रेस के पदाधिकारियों और समस्त कार्यकर्ताओं में रोष है।

चन्नी ने एकता पर दिया जोर

बगावत के झंडाबरदार पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने भूपेश बघेल के आने से पहले सोशल मीडिया में अपने खेमे के नेताओं का फोटो वायरल कर लिखा-एकता में बल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोरिंडा आवास पर जो बैठक नाराज कांग्रेसियों की हुई थी, यह उसी कड़ी का अगला हिस्सा है। और सुखजिंदर सिंह रंधावा के बैठक में शामिल नहीं होने के सवाल पर वड़िंग ने कहा कि दोनों नेताओं से भूपेश बघेल की फोन पर बातचीत हो चुकी है।

बाजवा और भूपेश ने अलग-अलग बैठक की

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी का मंथन लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। कांग्रेस में गुटबाजी के बीच विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश प्रभारी भूपेश लगातार कांग्रेस नेताओं से मिले। पंजाब कांग्रेस भवन में पार्टी के प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल ने नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। बैठकों का सिलसिला दोपहर बाद तक चलता रहा।

चुनावी रणनीति पर चर्चा तेज

बैठक में पंजाब कांग्रेस के तीनों वर्किंग प्रेसिडेंट, महासचिवों और संगठन के अन्य पदाधिकारियों से अलग-अलग बातचीत की गई। दोपहर बाद जिला कांग्रेस अध्यक्षों के साथ भी बैठक प्रस्तावित रही, जिसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई।

दिल्ली में मिशन 70 लाख पौधरोपण

शाह ने सेंट्रल रिज में लगाया बड़ का पौधा, हरी रहे दिल्ली

300 बसों की शुरुआत की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सेंट्रल रिज पर प्रेसिडेंट बॉडीगार्ड कैंपस में बरगद का पौधा लगाकर दिल्ली सरकार के पौधरोपण अभियान की शुरुआत की। उनके साथ केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, सीएम रेखा गुप्ता, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे।

इन सभी ने भी एक एक पौधा लगाया और उसमें पानी दिया। गुप्ता ने बेल पत्र जबकि अन्य ने बड़ का पौधा लगाया। शाह ने सभी दिल्लीवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे ग्रीन ड्राइव पोर्टल पर जाकर पौध रोपण के लिए अपना स्लॉट बुक करें और अपने आसपास के स्कूलों, कॉलोनियों, मंदिरों, सोसाइटियों में, जहां भी भूमि उपलब्ध हो वहां पौधा लगाकर हरी-भरी दिल्ली का संकल्प साकार करें।

'एक पेड़ मां के नाम' का संदेश दिया

मोदी जी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू कर पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाया और एक पेड़ अपनी मां और पृथ्वी मां के नाम लगाने का संदेश दिया। दिल्ली सरकार का वर्किंग प्लान डॉक्यूमेंट (2026–36), असोला भाटी अभयारण्य प्रबंधन योजना और बायो-डायवर्सिटी एटलस पूरे ग्रीन ईको-सिस्टम को पुनर्जीवित करने का व्यापक प्रयास है दिल्ली की पिछली सरकार के समय हर रोज 1,500 मीट्रिक टन गोबर यमुना जी में डाला जाता था।

विशिष्ट अतिथियों ने भी लगाए पौधे

इसके बाद विशिष्ट अतिथियों का यह काफिला नानकपुरा रिज पर पहुंचा। डीडीए द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भी यहां सभी ने पौधा रोपा। यहां से गृह मंत्री सहित अन्य सभी का काफिला आरके पुरम के सेक्टर 12 में सेंट्रल पार्क के लिए रवाना हुआ। यहां भी पहले पौधरोपण किया फिर 300 ई-बसों को हरी झंडी दिखाई जाएगी। यहां पर गृह मंत्री सहित अन्य अतिथियों को संबोधित भी कियाहोगा। मालूम हो कि दिल्ली में साल 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट में डीएमके की अर्जी रद्द

हम सीएम के काम तय नहीं कर सकते, कोर्ट 'जंग' का मंच नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु के करूर में हुए हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। डीएमके ने मौजूदा टीवीके सरकार के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। मुख्यमंत्री विजय हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें मुआवजा और नौकरी देने वाले हैं, डीएमके का कहना था कि सीएम विजय को रोकना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी मुख्यमंत्री की गतिविधियों को तय नहीं करेंगे। जजों ने डीएमके के वकील से कहा कि वह कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं।

अगर सत्ताधारी टीवीके के नेता हादसे को लेकर बयान दे रहे हैं, तो डीएमके भी उसके जवाब में बयान दे सकती है। यह लड़ाई कोर्ट के बाहर लड़ी जानी चाहिए। डीएमके ने कहा था कि विजय पीड़ितों को 10-10 लाख मुआवजा और सरकारी नौकरी देने के लिए करूर जाने वाले हैं।

आईआईएम नागपुर का बड़ा प्लान

पुणे में बनेगा आधुनिक कैंपस और विश्व के टॉप 100 में होगा शामिल

एजेंसी ▶▶ नागपुर

देश के प्रमुख मैनेजमेंट संस्थानों में शामिल आईआईएम नागपुर अब अपने विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। संस्थान ने अगले 5 सालों के लिए नई रणनीति तैयार की है, जिसके तहत भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मौजूदगी मजबूत करने की योजना है। इसी रणनीति का पहला बड़ा कदम पुणे में 70 एकड़ में नया कैंपस स्थापित करना होगा। निदेशक डॉ. भीमराया मेत्री, जिन्हें दोबारा नियुक्त किया गया है, ने संस्थान का स्ट्रैटेजिक रोडमैप

2026-31 पेश किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में संस्थान का लक्ष्य भारत से दुनिया तक अपनी पहचान बनाना है। पुणे के मोशी इलाके में आईआईएम नागपुर को 70 एकड़ जमीन केवल 1 रुपए की सांकेतिक लीज पर आवंटित की है। इस जमीन की बाजार कीमत 180 करोड़ से अधिक है।

अंतरिम भरण-पोषण के आदेश को चुनौती की अर्जी खारिज

उत्तराखंड हाई कोर्ट का अहम फैसला

पति की आर्थिक क्षमता के अनुसार पत्नी को जीवन का आनंद लेने का अधिकार

एजेंसी ▶▶ नैनीताल

हाई कोर्ट ने पति की ओर से अंतरिम भरण-पोषण के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका निरस्त करते हुए टिप्पणी की कि पत्नी को गरिमा के साथ जीने और अपने पति की आर्थिक क्षमता के अनुसार जीवन का आनंद लेने का अधिकार है।

पत्नी को आर्थिक रूप से सहारा देने का विधिक दायित्व पति पर है। मामला हल्द्वानी निवासी भारतीय सेना के एक सिपाही से संबंधित है। जवान की ओर से परिवार न्यायालय हल्द्वानी के आदेश को आर्थिक

आधार पर चुनौती दी गई थी।जिसमें अलग रह रही पत्नी को भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। परिवार न्यायालय ने प्रति माह 10 हजार रुपए देने का आदेश दिया था।

परिवार न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा

याचिकाकर्ता के अनुसार वह हाई-रिस्क वाले क्षेत्र में तैनात है और वेतन प्रति माह 92,000 रुपए है। कटौती के बाद मिलने वाले वेतन में उनके पास सीमित आर्थिक संसाधन बचते हैं। कटौतियों में प्रोविडेंट फंड और बीमा के साथ-साथ ऋण की किस्तें भी हैं। हाई-रिस्क पोस्टिंग से स्थानांतरण के बाद मासिक वेतन करीब 72 हजार रुपए होगा।

20 हजार ग्रामीण युवाओं को कृषि-उद्यमी बनाने का लक्ष्य

शिवराज ने बड़ी योजना लांच की

चौहान ने 'प्रगति' को बदलाव का अहम संकल्प बताया विकसित भारत के बिना कृषि और समृद्ध गांव संभव नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को 'प्रगति' नामक एक राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य 20 हजार ग्रामीण युवाओं को कृषि-उद्यमी बनाकर देशभर के 20 लाख छोटे और सीमांत किसानों की आय, उत्पादकता और आजीविका में व्यापक सुधार लाना है।

यह पहल भारत में समावेशी, टिकाऊ और जलवायु-संवेदनशील कृषि परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। चौहान ने कहा

कि विकसित भारत का सपना विकसित कृषि और समृद्ध गांवों के बिना संभव नहीं है। सरकार का फोकस लागत घटाकर किसानों की आय बढ़ाना, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और कृषि को लाभकारी बनाना है।

कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा

छोटे जोत वाले किसानों के लिए पारंपरिक खेती पर्याप्त नहीं है, इसलिए वैल्यू एडिशन, प्रोसेसिंग और कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि 'प्रगति' इसी सोच का विस्तार है जो किसानों को तकनीक, मशीनीकरण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और बाजार से जोड़कर उनकी वास्तविक आय बढ़ाने का रास्ता तैयार करेगा।

मप्र, यूपी समेत कई राज्यों में होगी लागू

यह पहल देश के प्रमुख कृषि राज्यों- मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम और झारखंड में लागू की जाएगी। कृषि-उद्यमी गांव स्तर पर सलाह, मिट्टी परीक्षण, मशीन सेवाएं, वित्तीय लिंक, बाजार कनेक्ट और वैकल्पिक आय के अवसर उपलब्ध कराएंगे। चौहान ने कहा कि केवल खेती करने से काम नहीं चलेगा, हमें वैल्यू एडिशन और विविधीकरण की ओर बढ़ना होगा- बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन जैसे क्षेत्रों से किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि संभव है।

'कृषि सखी' और महिला उद्यमी बदलाव की धुरी बनेंगी

महिला भागीदारी को विशेष महत्व देते हुए चौहान ने कहा कि बड़ी संख्या में 'कृषि सखी' और महिला उद्यमी इस बदलाव की धुरी बनेंगी और एक-एक उद्यमी पूरे गांव की तस्वीर बदल सकता है। 'प्रगति' केवल एक योजना नहीं, बल्कि परिवर्तन का संकल्प है। यह गांवों को आत्मनिर्भर, रोजगारयुक्त और सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी।

नड्डा ने की वर्चुअल समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य योजनाओं और जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों को परखा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र और राज्यों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम पहल के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को केरल के स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य में चल रही प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं और जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत आकलन किया।बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने, आवश्यक दवाओं और जांच सुविधाओं तक लोगों की पहुंच आसान बनाने, स्वास्थ्य अवसंरचना और मानव संसाधन को सुदृढ़ करने, चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने, दवाओं और ब्लड बैंकों की नियामकीय व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा खाद्य सुरक्षा प्रणाली को सशक्त करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य मानव संसाधन, चिकित्सा शिक्षा पर चर्चा हुई।

डोडा में फ्लैश फ्लड का कहर, संपत्तियों को पहुंचा नुकसान, राहत: लोग सुरक्षित

आधी रात आई तबाही सुबह दिखा बर्बादी का भयावह मंजर

डोडा जिले के ठठरी में तबाही

पहाड़ियों से मलबा, बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें तेज बहाव के साथ नीचे आए, जिसने रास्ते में आने वाले कई मकानों, दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया

राहत और बचाव कार्य जारी

मलबा हटाकर सड़क खोली

यातायात फिर से शुरू किया

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के ठठरी कस्बे में मंगलवार तड़के भारी बारिश के बाद अचानक आए फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचाई। रात के अंधेरे में आई इस आपदा ने लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। पहाड़ियों से मलबा, बड़े-बड़े पत्थर और चट्टानें तेज बहाव के साथ नीचे आए, जिसने रास्ते में आने वाले कई मकानों, दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया।

सुबह जब लोगों की आंख खुली तो चारों ओर तबाही का मंजर था। सड़कों पर मलबा फैला हुआ था, कई वाहन मिट्टी और पत्थरों के नीचे दबे पड़े थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ वाहन तेज बहाव में बहकर चिनाब नदी तक पहुंच गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

फ्लैश फ्लड के कारण डोडा-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग भी ठठरी के पास बंद हो गया, जिससे दोनों जिलों के बीच यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाकर सड़क को खोलने का काम शुरू किया। डिप्टी कमिश्नर डोडा कृष्ण लाल ने बताया कि जिले में भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पहाड़ियों से मलबा और पत्थर सड़क पर आ गए थे। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभावित सड़कों को साफ कराया और यातायात बहाल किया।

बादल नहीं फटा

उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा कि यह घटना क्लाउडबर्स्ट (बादल फटने) की नहीं, बल्कि भारी बारिश के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

एसएसबी कैंप क्षतिग्रस्त

फ्लैश फ्लड से एसएसबी कैंप की इमारत को आंशिक नुकसान पहुंचा। घटना में सभी सुरक्षा कर्मी सुरक्षित हैं और एसएसबी ने स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक एहतियाती कदम उठाए हैं।

दो दिन में यह तीसरी घटना

पिछले दो दिनों में डोडा और किश्तवाड़ जिलों में यह तीसरी फ्लैश फ्लड की घटना है। लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और मलबा आने का खतरा बना हुआ है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

प्रभावितों को तुरंत राहत दें एलजी सिन्हा के निर्देश

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने डोडा के उपायुक्त से स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत व सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षतिग्रस्त इलाकों में राहत कार्य तेज करने के साथ-साथ प्रभावित राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-244 को जल्द बहाल करने के निर्देश भी दिए। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन और पुनर्स्थापना कार्य जारी है।

खबर संक्षेप

दमिश्क में हुए विस्फोट राष्ट्रपति मैक्रों सुरक्षित

दमिश्क। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सीरिया यात्रा के दौरान मंगलवार को राजधानी दमिश्क में कई विस्फोट हुए। मैक्रों जब सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे, तभी 'फोर सीजन्स होटल' के निकट विस्फोट हुए। मैक्रों इसी 'फोर सीजन्स' होटल में ठहरे हुए हैं। वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति के कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनका सीरिया दौरा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। घटनास्थल से धुएं का बड़ा गुबार भी उठता दिखाई दिया।

होर्मुज में टैंकर पर मिसाइल से हमला, आग लगी

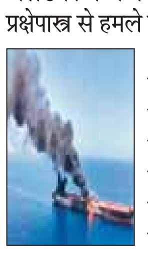

दुबई। ओमान तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार तड़के प्रक्षेपास्त्र से हमले में एक टैंकर में आग लग गई। ब्रिटेन की सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि जब जहाज जलडमरूमध्य से दक्षिण की ओर ओमान की खाड़ी की तरफ जा रहा था तब एक प्रक्षेपास्त्र जहाज के बाईं ओर आकर लगा। इस हमले से पर्यावरण पर कोई असर नहीं पड़ा है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है। संदेह जताया गया है कि ये हमले ईरान ने किए हैं। हांलाकि अभी पुष्टि नहीं की गई है।

पाक में आतंकी हमला 9 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक बांध परियोजना के चेकपोस्ट पर हमला हुआ। बंदूकधारियों ने नौ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी और कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ जिला अधिकारी अब्दुल कुदूस ने बताया कि मंगी बांध परियोजना की रखवाली कर रहे एक चेकपोस्ट पर हमले के बाद नौ पुलिसकर्मी मारे गए हैं और कई लापता हैं। उन्होंने बताया कि कई पुलिस थानों के वरिष्ठ अधिकारी मृतकों में शामिल हैं।

पीएम मोदी ने इंडोनेशिया को याद दिलाए रामायण काल के रिश्ते

भारत की नीति विस्तारवाद नहीं, विकासवाद दोनों आपसी सहयोग, विकास से आगे बढ़ेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इंडोनेशिया तीसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की तरह इंडोनेशिया में भी सैकड़ों भाषाएं और परंपरा हैं। हम दोनों ने अपने लोकतंत्र में इस विविधता को अपनी एकता की नींव बना लिया है

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ संसद में पीएम मोदी

लोकतंत्र और साझा संस्कृति मजबूत रिश्तों का प्रतीक

एजेंसी ▶▶ जकार्ता

पीएम मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित किया और दोनों देशों की साझा संस्कृति और विरासत पर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका जिस तरह से स्वागत किया, उसे वे कभी भूल नहीं सकते। यह दोनों देशों की लोकतांत्रिक विरासत, साझा संस्कृति और दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों का प्रतीक है।

आज भारत और इंडोनेशिया इतिहास के अहम मोड़ पर खड़े हैं। आने वाले 25 साल दोनों देशों के लिए अहम हैं। आज इंडोनेशिया की महान धरती से मैं आपके सामने दोनों देशों के साझा विकास का विश्वास लेकर आया हूं। मैं संकल्प लेकर आया हूं कि भारत और इंडोनेशिया पूरी दुनिया को नई ऊर्जा से भर देंगे।

संबंधों को नई ऊंचाई देने की अपील

पीएम ने कहा कि भारत, दुनिया का वो देश है, जो विस्तारवाद नहीं विकासवाद की नीति पर चलता है। इसलिए हम भारत में कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। आज मैं यही मंत्र, यही भावना लेकर इंडोनेशिया के आप सभी सांसद सदस्यों के बीच आया हूं। दोनों देशों के बीच समुद्र दूरी का नहीं, बल्कि सेतु का प्रतीक है। ये हमारे साझा भविष्य का केंद्र है। मैं आपसे भारत-इंडोनेशिया के संबंधों को नई ऊंचाई देने की अपील करता हूं।

दोनों देशों के बीच रक्त और संस्कृति के संबंध

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों का संबंध रामायण-महाभारत काल से है। हमारा संबंध नालंदा के ज्ञान से, संगीत और नृत्य से है। सदियों से पहले गुजरात से कुछ व्यापारी और सूफी संत समुद्र के रास्ते ही इंडोनेशिया आए थे। वे अपने साथ इस्लाम के विचार और इस्लाम के जीवन मूल्य भी लेकर आए। आज भी इंडोनेशिया की कला में उनकी छाप दिखाई देती है। इसलिए राष्ट्रपति सुकर्णो ने भी कहा था भारत और इंडोनेशिया के लोग रक्त और संस्कृति के संबंधों से जुड़े हैं।

गणतंत्र दिवस के पहले मुख्य अतिथि थे राष्ट्रपति सुकर्णो

पीएम मोदी ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं और इंडोनेशिया तीसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की तरह इंडोनेशिया में भी सैंकड़ों भाषाएं और परंपरा हैं। हम दोनों ने अपने लोकतंत्र में इस विविधता को अपनी एकता की नींव बना लिया है। 1950 में जब भारत ने पहला गणतंत्र दिवस मनाया था, उसमें पहले मुख्य अतिथि राष्ट्रपति सुकर्णो ही थे। राष्ट्रपति सुकर्णो और पंडित नेहरू ने कहा था कि आजाद देशों को अपने फैसले खुद लेने का अधिकार है।

द्विपक्षीय व्यापार 25 अरब डॉलर

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 25 अरब डॉलर पहुंचा है। भारत की 100 कंपनियां इंडोनेशिया में काम कर रही हैं। हालांकि आगे असीमित संभावनाएं हमारा इंतजार कर रही हैं। हम दोनों बड़ी समुद्री ताकत हैं और हम वैश्विक दक्षिण की आवाज भी हैं। भारत और इंडोनेशिया के बीच अनंत आकाश छूने का सामर्थ्य है। स्पेस टेक्नोलॉजी, क्षमता निर्माण, सैटेलाइन निर्माण में साथ काम कर सकते हैं।

पहलगाम हमले के समय इंडोनेशिया ने दिया साथ

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद जैसे विषयों पर भारत और इंडोनेशिया की एक राय रही है। पहलगाम हमले के वक्त इंडोनेशिया ने भारत का समर्थन किया। भारत और इंडोनेशिया का मानना है कि सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार जरूरी हैं और अब इन्हें टाला नहीं जा सकता। भारत मुक्त, समावेशी हिंद प्रशांत महासागर का समर्थक है और यहां नौवहन की आजादी का समर्थन है। हमारी एक्ट ईस्ट नीति भी आसियान पर केंद्रित है। भारत और इंडोनेशिया इस दिशा में निरंतर काम करते रहें।

पीएम मोदी ने सुबियांतो के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

दोनों देशों के बीच 14 एमओयू, खुलेगा आईआईएम का परिसर, यूपीआई शुरू

एजेंसी ▶▶

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने ऊर्जा, व्यापार, रक्षा, समुद्री सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने पर चर्चा की। पीएम मोदी ने बताया कि भारत और इंडोनेशिया ने मंगलवार को स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में 14 समझौते किए हैं। इनमें दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) बैंगलोर का विदेशी परिसर खोलने के लिए भी एक समझौता शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इंडोनेशिया के पेमेंट सिस्टम से जुड़ेगा। इससे भारतीय यात्रियों के लिए स्थानीय पेमेंट ऐप का इस्तेमाल करके इंडोनेशिया में भुगतान करना आसान हो जाएगा। पीएम मोदी ने बताया कि इसरो शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाहरी अंतरिक्ष की खोज और इंडोनेशिया के अंतरिक्ष क्षेत्र की क्षमता बढ़ाएगा।

चिकित्सा और संस्कृति क्षेत्र में एमओयू

स्वास्थ्य क्षेत्र में, भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और इंडोनेशिया की नेशनल एजेंसी ऑफ ड्रग एंड फूड कंट्रोल ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद मेडिकल उत्पादों के नियमन में सहयोग करना, वैश्विक नियामक मानकों पर जानकारी का आदान-प्रदान करना और इंडोनेशिया में भारतीय मेडिकल उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाना है। दोनों देशों ने स्वास्थ्य कार्यबल सहयोग पर एक कार्यान्वयन समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिससे स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए फेलोशिप कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा और योग्य स्वास्थ्य कर्मियों की आवाजाही आसान होगी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर के संरक्षण प्रोजेक्ट की शुरुआत करेंगे, जो दोनों देशों की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

प्रमुख समझौते और सहयोग

इंडोनेशिया ने भारत में विकसित अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का फैसला किया। भारत, इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की अतिरिक्त बैटरियां उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत, इंडोनेशिया की जरूरतों के अनुसार विशेष ईवीएम विकसित करने में मदद करेगा। भारत, इंडोनेशिया में स्टील, निकेल और रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट के विनिर्माण में निवेश करेगा। दोनों देश सबांग पोर्ट को संयुक्त रूप से विकसित करेंगे, जिससे समुद्री संपर्क और रणनीतिक सहयोग बढ़ेगा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और समुद्री संपर्क को मजबूत करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया।

अमेरिका ने जताई गहरी चिंता

चीन ने अंतरमहाद्वीपीय दूरी वाली मिसाइल का किया सफल परीक्षण

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका ने चीन द्वारा परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल के परीक्षण पर चिंता व्यक्त की और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट नें चीन से यह भी आग्रह किया कि वह हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल हो तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (पी-5) द्वारा किए गए वादों के अनुरूप अंतरमहाद्वीपीय दूरी (आईसीबीएम) की बैलिस्टिक मिसाइलों और अंतरिक्ष प्रक्षेपणों की

जानकारी देने की व्यवस्था अपनाए। चीन पी-5 का सदस्य है। चीन ने सोमवार को प्रशांत महासागर में अपनी एक परमाणु-संचालित पनडुब्बी से 'डमी' हथियार से लैस लंबी दूरी की रणनीतिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। चीन ने कहा कि यह परीक्षण पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नौसेना के वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का नियमित हिस्सा है।

गर्मजोशी से किया स्वागत

भारत पहुंचे अफगानिस्तान के मंत्री आपसी हितों के मुद्दों पर होगी चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान से तनातनी के बीच अफगानिस्तान के एक मंत्री अचानक भारत पहुंच गए हैं। भारत हमेशा से अफगानिस्तान का मददगार रहा है। अफगानिस्तान के मंत्री की गर्मजोशी के साथ स्वागत की विदेश मंत्रालय ने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अफगान मंत्री के दौरे की जानकारी दी। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखा कि अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुपालन मंत्री मौलवी अताउल्लाह ओमारी के नई दिल्ली पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने लिखा कि आपसी हितों के मुद्दों पर सार्थक चर्चा की उम्मीद है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हवाई हमले किए थे जिनकी भारत ने निंदा की थी और निर्दोष लोगों पर हुए हमलों के लिए मानवाधिकार संस्थाओं से पाकिस्तान को न्याय के कठघरे में खड़ा करने की अपील की थी।

मौलवी अताउल्लाह ओमारी

खाड़ी देशों के दौरे के दौरान बहरीन पहुंच विदेश मंत्री जयशंकर

राजा खलीफा और क्राउन प्रिंस से की मुलाकात द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी ▶▶ मनामा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा से मुलाकात कर भारत-बहरीन द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से भी भेंट की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तथा पीएम नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं पहुंचाईं।

जयशंकर ने बहरीन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए राजा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत-बहरीन संबंधों को आगे बढ़ाने में राजा का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आपसी हितों के मुद्दों पर की चर्चा

राजा हमद खलीफा के साथ जयशंकर

इससे पहले विदेश मंत्री ने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायदानी से मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हितों के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने बहरीन में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी संवाद किया और उन्हें दोनों देशों के बीच जीवंत सेतु बताया। बता दें, डॉ. जयशंकर 5 से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान की यात्रा पर हैं। यात्रा के दूसरे चरण में कतर से बहरीन पहुंचे। इस दौरान वह क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात कर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

बुरहान की बरसी पर आतंक के आकाओं का जमावड़ा

भारत के खिलाफ साजिश के लिए कराची में की बैठक, घाटी में 'सुरक्षा' के पुख्ता इंतजाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी रहे बुरहान वानी की 10वीं बरसी पर कराची में आतंकियों के बड़े-बड़े आकाओं की एक गुप्त बैठक हुई। यह बैठक 5 जुलाई को लश्कर-ए-ताइबा के राजनीतिक संगठन पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के मुख्यालय में हुई।

बैठक में जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी गुटों से संबंधित 14 बड़े आतंकियों और आईएसआई से ताल्लुक रखने वालों ने शिरकत की। बैठक में बुरहान वानी की बरसी पर भारत विरोधी साजिश रची गई। इसमें कश्मीर घाटी के हिस्सों में बड़ी वारदातों को अंजाम देने के लिए युवाओं को हथियार पहुंचाने का टास्क सौंपा गया।

बैठक में शामिल आतंकी

नापाक हरकत नहीं होने देंगे

बुरहान वानी के नाम पर घाटी में माहौल बिगाड़े जाने की साजिश का खुफिया इनपुट केंद्र सरकार से साझा किया जा चुका है। इसके साथ कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों को भी इसकी जानकारी साझा की गई है। इसके मद्देनजर समूची कश्मीर घाटी में सुरक्षा के इंतजाम चाकचौबंद हैं। सुरक्षा एजेंसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किसी तरीके की कोई भी नापाक हरकत पाकिस्तान की ओर से नहीं होने दी जाएगी। सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियों की मुस्तैदी घाटी में लगातार बनी हुई है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाई कोर्ट का फैसला

38 दोषियों को सजा-ए-मौत और 11 को उम्रकैद बरकरार

राज्य सरकार पीड़ितों को मुआवजा दे

भुगतान 31 मार्च, 2027 तक हो जाए

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने मंगलवार को 2008 के सीरियल ब्लास्ट मामले में विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखा। इस मामले में 56 लोग मारे गए थे और 246 घायल हुए थे। उच्च न्यायालय ने 38 दोषियों की मौत की सजा और 11 अन्य को आजीवन कारावास की सजा में राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने राज्य सरकार को पीड़ितों को मुआवजा देने का भी आदेश दिया।यह भुगतान 31 मार्च, 2027 तक किया जाना अनिवार्य है। बता दें, 26 जुलाई, 2008 को अहमदाबाद शहर में कई ब्लास्ट हुए थे। इसके दो दिन बाद सूरत में भी बम मिले थे। शहर की क्राइम ब्रांच की जांच में 100 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया था। कुल 78 लोगों पर मुकदमा चलाया गया।

गुजरात हाई कोर्ट

मामले की सुनवाई मार्च 2027 से प्रतिदिन हो रही

गुजरात हाई कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को सरकारी वकील ने कहा कि इस मामले की सुनवाई मार्च 2025 से रोजाना हो रही थी। आज गुजरात हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने अपना फैसला सुनाया। ये स्पष्ट है कि गुजरात हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा 38 दोषियों को सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने उन 11 दोषियों की अपील भी खारिज कर दी है, जिन्हें मौत की सजा के बजाय उम्रकैद (जब तक वे जीवित रहेंगे, तब तक जेल में रहेंगे) की सजा सुनाई गई थी।

1, 5 और 10 लाख रुपए का मुआवजा

सरकारी वकील ने बताया कि गुजरात हाई कोर्ट ने आतंकवाद की घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल लोगों को 5 लाख रुपए और मामूली रूप से घायल लोगों को 1 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

विशेष अदालत ने 49 लोगों को दोषी पाया था

फरवरी 2022 में, एक विशेष अदालत ने 49 लोगों को दोषी पाया था। वहीं, 28 अन्य को बरी कर दिया गया था। बरी किए गए लोगों में मुबीन शेख और मंसूर पीरभॉय शामिल थे। इन पर साजिश रचने और धमकी भरे ईमेल भेजने का आरोप था। उन्होंने आतंकी हमले की जिम्मेदारी भी ली थी। ट्रायल कोर्ट ने एक अप्रूवर को माफ कर दिया था। चार अन्य अप्रूवर, जिन्होंने बाद में अपने बयान वापस ले लिए थे, उन्हें दोषी ठहराया गया।

कुवैत की मत्स्य कंपनी ने किया 7,430 करोड़ रुपए का अनुबंध, मत्स्योद्योग नीति को मिलेगा फायदा

मत्स्य पालन, मछुआ कल्याण के क्षेत्र में प्रदेश रचेगा नया इतिहास, कुवैत के साथ एग्रीमेंटः सीएम डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाता की समृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं विकसित हो रही हैं। प्रदेश के मछुआरा समुदाय के लोग मछली पालन के जरिए ही अपनी आजीविका चलाते हैं। इन सबकी बेहतरी के लिए मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अंतर्गत गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय विस्तार दिया जा रहा है। आज कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच हुआ एग्रीमेंट प्रदेश में मत्स्य पालन और मछुआ कल्याण के क्षेत्र में नया इतिहास रचेगा। डॉ यादव कुवैत की अग्रणी मत्स्य कंपनी-ज़बेदी अल कुवैत फिशरीज कंपनी और कामदार्स केयर इंदौर के बीच, प्रदेश में 7 हजार 430 करोड़ रुपए के निवेश और बाय बैक एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के बाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। प्रदेश में हो रही इस नई पहल से 15 हजार प्रत्यक्ष और 20 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश से लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य है।

प्रदेश में मत्स्य पालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं

प्रदेश से लगभग 6 हजार करोड़ रुपए के मत्स्य निर्यात का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन विकास के लिए पर्याप्त जलसंरचनाओं के भंडार हैं। इससे देश की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ-साथ निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा। कृषि और खाद्यान्न के विकास को लेकर मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। कुवैत हमारा मित्र देश है, प्रदेश में विदेशी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार पूर्ण समर्पण के साथ तेजी से कार्य कर रही है, अब इसके सुखद परिणाम भी लगातार सामने आ रहे हैं। भविष्य में मध्यप्रदेश मत्स्य पालन के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाएगा।

मत्स्य निवेश और निर्यात केंद्र बनाएगा यह अनुबंध

यह अनुबंध मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी मत्स्य निवेश और निर्यात केन्द्र बनाने की दिशा में एक प्रयास है। जबैदी अल-कुवैत फिशरीज कंपनी का 10 से अधिक देशों में प्रीमियम क्वालिटी फूड, डिब्बाबंद खाद्य उत्पाद, मसाले आदि में व्यापारिक नेटवर्क है। कामदार्स केयर, इंदौर एक क्लस्टर-बेस्ट व्यापारिक संगठन है। यह समूह किसान उत्पाद संगठनों के गठन और उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करता है। एग्रीमेंट के दौरान जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के अंतर्गत राज्य में आधुनिक निर्यातोन्मुखी एवं मूल्य संवर्धन मत्स्य उद्योग के विकास के लिए निजी एवं विदेशी निवेश आकर्षित करने का प्रावधान है।

4 लाख टन का अतिरिक्त मत्स्य उत्पादन

अनुबंध के अंतर्गत 7 हजार 430 करोड़ रूपए के अनुमानित निवेश से इंदिरा सागर, बरगी, बाणसागर और बारना जलाशय में केज कल्चर सहित बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। केज कल्चर के जरिए लगभग 4 लाख टन का अतिरिक्त मत्स्य उत्पादन अपेक्षित है। इसके साथ ही एक्वापोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स, ग्रीन हाउस से 1 लाख 23 हजार टन वेजिटेबल्स आदि का भी उत्पादन होगा। राज्य सरकार की इस पहल से प्रदेश के मछुआरे विशेष रूप से लाभान्वित होंगे।

डॉ मुखर्जी की जयंती पर 15 दिवसीय जनकल्याण पखवाड़े की हो रही शुरुआत

राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से अग्रसरः सीएम

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जनसंघ के संस्थापक और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पौधरोपण किया। उन्होंने डॉ मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद जी की 125वीं जयंती पूरे सम्मान के साथ मनाई जा रही है। डॉ मुखर्जी के 'एक देश-एक विधान-एक निशान-एक प्रधान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार इसी माह समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में अग्रसर है।

रक्षा क्षेत्र के बनेंगे उपकरण, मिसाइल और हथियार

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने रक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। अब रक्षा क्षेत्र के कई उपकरण, मिसाइल और हथियार मध्यप्रदेश की धरती पर बनेंगे। चंबल की धरती सालों से मां भारती की सेवा करने वाले वीर सैनिकों की भूमि रही है। अब यहां आधुनिक हथियार भी तैयार किए जाएंगे।

मकान मालिक ने पुलिस को दी सूचना

शिक्षक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी संदिग्ध हालात में फंदे पर मिला शव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ कांकेर

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक शिक्षक ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना मंगलवार सुबह हुई। घर मालिक ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शिक्षक के परिजनों को भी बुलाया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना प्रभारी जितेंद्र साहू ने बताया कि धमतरी जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र के निवासी यश कुमार साहू (28 वर्ष) कुछ वर्षों से कांकेर जिले के ग्राम ढेकना में किराए के मकान में रह रहे थे। वह गांव के ही एक स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। बीती रात उन्होंने खाना खाया और सो गए। सुबह जब दरवाजा नहीं खुला तो मकान मालिक ने खिड़की से देखा। यश कुमार साहू फंदे से लटके हुए थे। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए ले गई। परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि यश विवाहित थे और उनका किसी से कोई विवाद नहीं था। घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस फिलहाल मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

8 जुलाई को आयोजित की जाएगी सीएम की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार, 8 जुलाई को आयोजित की जाएगी। बैठक शाम 4 बजे नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में होगी। बैठक में राज्य सरकार विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों और नीतिगत निर्णयों पर चर्चा कर सकती है।

इसके अलावा प्रदेश के विकास कार्यों, प्रशासनिक मामलों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी मंत्रिपरिषद की मुहर लगने की संभावना है।

सभी विभागों को बैकलॉग के रिक्त पदों पर भर्ती जल्द शुरू करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छग के मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के सभी विभागों के सचिवों की उच्चस्तरीय बैठक लेकर विभागीय योजनाओं और महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को बैकलॉग के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही सचिवों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों की योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर आम लोगों तक पहुंच सके। बैठक में ई-ऑफिस, लोक सेवा गारंटी, नियद नेल्लानार डैशबोर्ड, सुघ्घर छत्तीसगढ़, पीएम प्रगति पोर्टल, ई-प्रगति सीजी स्टेट पोर्टल, डी-रेगुलेशन ई-गजट, सेवा सेतु, ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं और पीएम सूर्य घर बिजली योजना सहित कई प्रमुख योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

13 रिक्त पदों के लिए 39 अधिकारियों के नामों पर होगा विचार

13 राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को मिलेगा आईएएस अवॉर्ड, डीपीसी के लिए प्रस्ताव तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश के राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) अधिकारियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित आईएएस पदोन्नति प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) ने 13 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में पदोन्नति देने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। यह प्रस्ताव इसी सप्ताह संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेजा जाएगा। प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद यूपीएससी डीपीसी की तिथि तय करेगा, जिसके बाद चयनित अधिकारियों को आईएएस अवॉर्ड देने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सामान्य प्रशासन विभाग के सूत्रों के अनुसार इस बार 13 रिक्त पदों के लिए कुल 39 अधिकारियों के नामों पर विचार किया जाएगा। इनमें मुख्य रूप से वर्ष 2007 और 2008 बैच के राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी डीपीसी के समक्ष रखे जाएंगे।

डीपीसी में इन अधिकारियों के नाम

डीपीसी में जिन अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं, उनमें मीनिया पांडे, ईला तिवारी, नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, रानी पासी, रंजना देवड़ा, माधवी नागेंद्र, वर्षा सोलंकी, प्रियंका गोयल, अभिषेक दुबे, नरोत्तम प्रसाद भार्गव, निधि सिंह राजपूत, निमिषा जायसवाल और संदीप सोनी सहित कुल 39 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। हालांकि सभी अधिकारियों के मामलों में एक साथ निर्णय होना संभव नहीं है। विभागीय जांच लंबित होने के कारण सपन लोवंशी के मामले पर फिलहाल निर्णय टल सकता है। वहीं कमल नागर का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण उनके संबंध में भी अंतिम फैसला न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही लिया जाएगा। इसके अलावा वर्ष 1999 बैच के अधिकारियों में जयेंद्र विजयवत और मनोज मालवीय आयु सीमा के कारण फिटनेस मानकों से बाहर हो गए हैं, जिसके चलते उनके नाम इस डीपीसी में शामिल नहीं किए गए हैं।

काफी समय से था पदोन्नति का इंतजार

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को पिछले काफी समय से आईएएस पदोन्नति का इंतजार था। अब प्रस्ताव तैयार होने के बाद प्रक्रिया में तेजी आ गई है। यदि यूपीएससी समय पर डीपीसी आयोजित करता है तो इसी माह 13 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। इससे राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लंबे समय से लंबित प्रमोशन का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा होने की उम्मीद है।

गांव, स्कूल-कॉलेजों तक पहुंचेगा अभियान

15 जुलाई से शुरू होगा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान

नशामुक्त मध्यप्रदेश के लिए पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत समेत सभी विभागों की संयुक्त रणनीति तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा 15 से 30 जुलाई तक चलाए जाने वाले राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' को जनआंदोलन का स्वरूप देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। अभियान की रणनीति तय करने के लिए सोमवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि यह केवल पुलिस विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को नशामुक्त बनाने का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में रायपुर में आयोजित डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने नारकोटिक्स के खिलाफ कठोर कार्रवाई, जनजागरूकता, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और नशा छोड़ चुके लोगों की प्रेरक कहानियों को समाज तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया था। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष अभियान को और अधिक व्यापक बनाया गया है।

15 दिन तक प्रदेशभर में आयोजित होंगे कार्यक्रम

उन्होंने बताया कि अभियान का शुभारंभ 15 जुलाई को भोपाल के रवीन्द्र भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इसके बाद 15 दिनों तक प्रदेशभर में स्कूलों, महाविद्यालयों, छात्रावासों, खेल संस्थानों, ग्राम पंचायतों, नगरीय क्षेत्रों, औद्योगिक इकाइयों और सार्वजनिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डीजीपी ने कहा कि पिछले वर्ष इस अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली थी और इस बार सभी विभागों की भागीदारी से इसे और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

शपथ, रैलियां, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, लघु फिल्मों का होगा प्रदर्शन

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) डी. श्रीनिवास वर्मा ने अभियान की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस बार 'होल ऑफ गवर्नमेंट एप्रोच' के तहत सभी विभागों को एक मंच पर लाकर अभियान संचालित किया जाएगा। इसके लिए 15 दिनों का गतिविधि कैलेंडर तैयार किया गया है।

2025 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से बोले- जिज्ञासाओं का किया समाधान

डीजीपी मकवाना ने 9 आईपीएस को बताई अपनी सफलता की कुंजी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा ही युवा अधिकारियों की सबसे बड़ी पूंजी

'साहबगिरी' नहीं, जनसेवा का भाव रखें; साइबर अपराध और नशामुक्ति को बताया बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि ईमानदारी और सत्यनिष्ठा ही किसी युवा प्रशासनिक अधिकारी की सबसे बड़ी पूंजी है। सोमवार को पुलिस मुख्यालय में मध्यप्रदेश संवर्ग के 2025 बैच के आठ परिवीक्षाधीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों ने डीजीपी कैलाश मकवाणा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डीजीपी ने अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और प्रशासनिक सेवा के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। डीजीपी ने कहा कि प्रशासनिक सेवा केवल एक पद नहीं, बल्कि जनता की सेवा का दायित्व है। प्रशिक्षण अवधि सीखने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर होती है, इसलिए अधिकारी अपने वरिष्ठों के साथ-साथ अधीनस्थ कर्मचारियों से भी सीखने में संकोच न करें। उन्होंने कहा कि बदलते समय में नए आपराधिक कानून, साइबर सुरक्षा, साइबर फ्रॉड, नारकोटिक्स और नशामुक्ति जैसे विषय प्रशासनिक अधिकारियों के लिए जरूरी हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सीखना और तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है।

112 सेवा और नक्सलमुक्त प्रदेश का किया जिक्र

डीजीपी ने कहा कि डायल-100 को 112 आपातकालीन सेवा में बदलना आसान नहीं था। लगभग छह-सात महीने के लगातार प्रयास, टीमवर्क और समर्पण से इस व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े बदलाव के लिए धैर्य और निरंतर प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश नक्सल समस्या से मुक्त हुआ, जो सुरक्षा बलों, प्रशासन और जनता के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

'साहबगिरी' नहीं, जनसेवा का भाव रखें

डीजीपी ने अधिकारियों से कहा कि चयन के बाद कभी भी 'साहबगिरी' को अपने ऊपर हावी न होने दें। सकारात्मक सोच रखें, और अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा कैडर है, जहां वरिष्ठ अधिकारियों से सीखने का अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों से भ्रष्टाचार, भौतिकवादी सोच और व्यक्तिगत स्वार्थ से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि हर नागरिक की समस्या को अपनी समस्या समझकर उसका समाधान करने का प्रयास करें। इस अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी की कोर्स एसोसिएट डायरेक्टर प्रिया शर्मा सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और 2025 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी उपस्थित रहे।

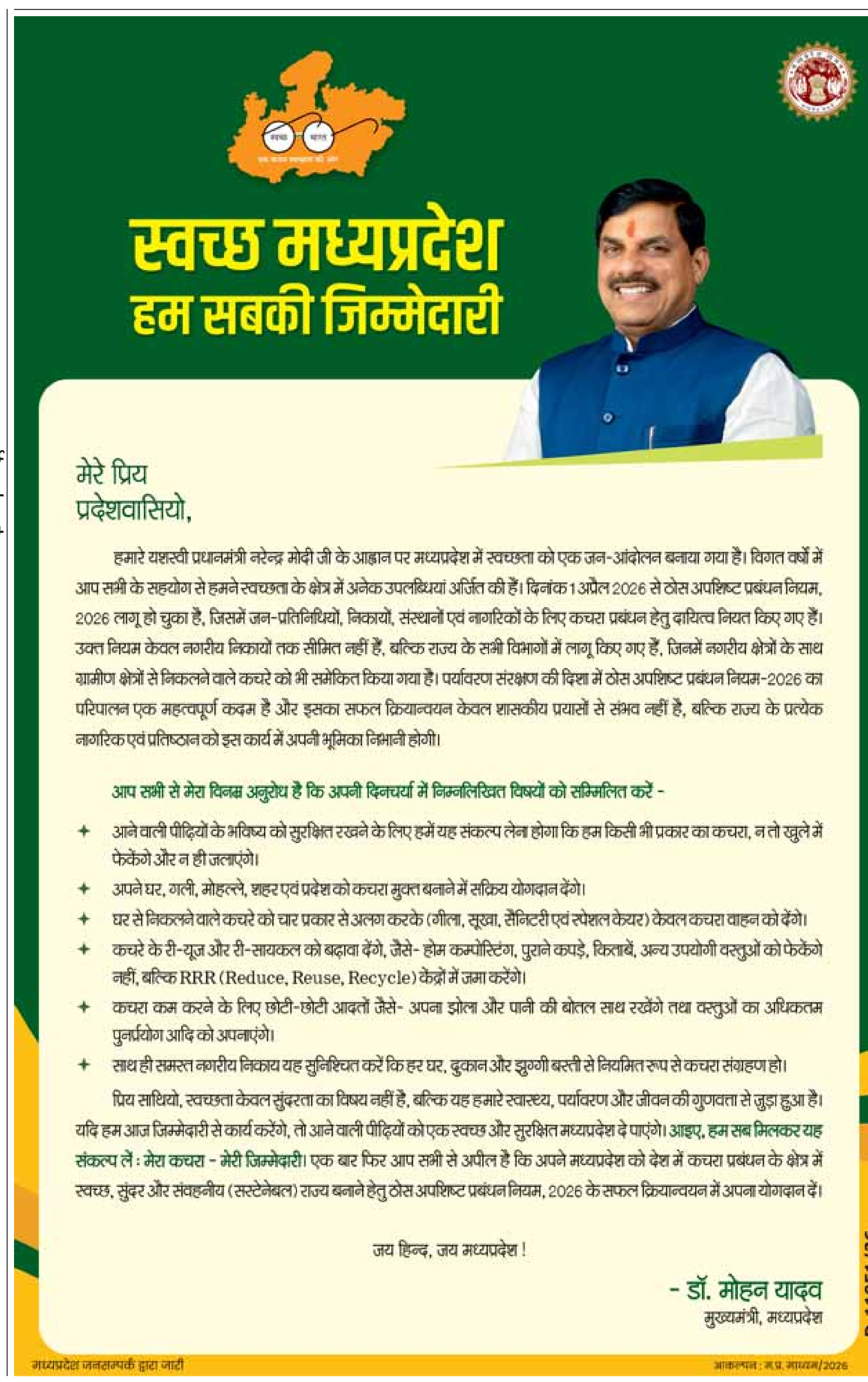

बड़ा फुहारा में पांच मंजिला इमारत ढही

नगर निगम की निगरानी पर बड़ा सवाल, बंद दुकानों ने बचाई जानें

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के सबसे व्यस्त कारोबारी इलाकों में शामिल बड़ा फुहारा में मंगलवार को आदर्श जैन की करीब 30 वर्ष पुरानी पांच मंजिला इमारत के भरभराकर ढह जाने से नगर निगम की जर्जर भवनों को लेकर बरती जा रही कथित लापरवाही एक बार फिर कटघरे में खड़ी हो गई है। तेज बारिश के बीच हुए इस हादसे ने पूरे बाजार क्षेत्र में दहशत फैला दी। राहत केवल इतनी रही कि हादसे के वक्त इमारत खाली थी और आसपास की अधिकांश दुकानें बंद थीं। यदि बाजार सामान्य दिनों की तरह खुला होता, तो मलबे के नीचे कई लोगों के दबने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

आवाज सुनकर भागे व्यापारी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लगातार बारिश के बीच अचानक जोरदार आवाज हुई और कुछ ही पलों में पांच मंजिला इमारत मलबे के ढेर में बदल गई। इमारत गिरते ही आसपास धूल का घना गुबार फैल गया। लोग घबराकर दुकानों, गलियों और सड़कों से भागते नजर आए। व्यस्त बाजार में हुई इस घटना ने उन व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भी भयभीत कर दिया है, जिनकी दुकानें और मकान पुरानी तथा कमजोर इमारतों के आसपास स्थित हैं।

पुलिस, फायर ब्रिगेड समेत पहुंचा रेस्क्यू दल

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड, नगर निगम और रेस्क्यू दल मौके पर पहुंचा। प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से आसपास की दुकानों और इमारतों को खाली कराते हुए क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। मलबे की जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई व्यक्ति भीतर फंसा तो नहीं है। हालांकि सवाल यह है कि जब इमारत की हालत इतनी खराब थी कि वह बारिश का दबाव भी नहीं झेल सकी, तब नगर निगम के जिम्मेदार अमले ने पहले इसकी स्थिति का आकलन क्यों नहीं किया?

कार्रवाई का तंत्र कागजों तक सीमित

बड़ा फुहारा क्षेत्र पुरानी, संकरी और घनी आबादी वाली व्यावसायिक इमारतों के लिए जाना जाता है। यहां रोजाना हजारों ग्राहक, व्यापारी, कर्मचारी और राहगीर आते-जाते हैं। ऐसे संवेदनशील इलाके में जर्जर भवनों का सर्वे, संरचनात्मक जांच और समय रहते नोटिस या कार्रवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनसुरक्षा की अनिवार्य जिम्मेदारी है। लेकिन इमारत के ढहने की घटना ने यह आशंका मजबूत कर दी है कि शहर में खतरनाक भवनों की पहचान और उनके विरुद्ध कार्रवाई का तंत्र कागजों तक सीमित तो नहीं रह गया है।

कई भवन वर्षों से कमजोर

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पुराने बाजार क्षेत्रों में कई भवन वर्षों से कमजोर हालत में खड़े हैं। बारिश के मौसम में दीवारों में सीलन, छतों से पानी रिसना और प्लास्टर गिरना आम बात है। इसके बावजूद समय रहते तकनीकी निरीक्षण, भवन स्वामियों को स्पष्ट चेतावनी और आवश्यक होने पर भवन खाली कराने जैसी ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं देती। मंगलवार की घटना ने इस उपेक्षा को भयावह रूप में सामने ला दिया है।

निगम अधिकारियों ने फिर कहा होगी जांच

नगर निगम अधिकारियों ने इमारत गिरने के कारणों की जांच शुरू करने की बात कही है। प्रारंभिक तौर पर भवन को जर्जर बताया जा रहा है और लगातार बारिश से उसकी संरचना कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन केवल जांच की घोषणा से सवाल खत्म नहीं होते। जांच में यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि इमारत को पहले कभी खतरनाक घोषित किया गया था या नहीं, क्या भवन का निरीक्षण हुआ था, क्या मालिक को नोटिस दिया गया था और यदि दिया गया था तो उसके पालन के लिए क्या कार्रवाई की गई।

गनीमत रही नहीं तो हो जाता बड़ा हादसा

यह हादसा किसी एक इमारत के ढहने तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर निगम की आपदा-पूर्व तैयारी और शहर के पुराने बाजारों में भवन सुरक्षा व्यवस्था की परीक्षा है। बंद दुकानों और खाली इमारत ने इस बार जानें बचा लीं, लेकिन हर बार किस्मत इतनी मेहरबान नहीं होगी। नगर निगम को अब केवल मलबा हटाने और जांच कराने के बजाय बड़ा फुहारा सहित शहर के सभी पुराने व्यावसायिक क्षेत्रों में तत्काल सर्वे कराना चाहिए। खतरनाक भवनों की सूची सार्वजनिक कर, जिम्मेदार मालिकों और लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय करना जरूरी है।

लापरवाही कई जिंदगियों पर पड़ सकती हैं भारी

फिलहाल मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अमला तैनात है। क्षेत्र में आवाजाही नियंत्रित कर दी गई है और आसपास की इमारतों की सुरक्षा जांच की जा रही है। बड़ा फुहारा हादसा चेतावनी है कि जर्जर भवनों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो अगली बार मलबे के साथ प्रशासनिक लापरवाही भी कई जिंदगियों पर भारी पड़ सकती है।

बड़ा फुहारा हादसा : जर्जर नहीं था मकान, पड़ोसी के मकान तोड़ने से गिरा हिस्सा

ननि ने तेज किया सुरक्षा अभियान

शहर के व्यस्ततम बड़ा फुहारा क्षेत्र में मकान का हिस्सा गिरने की घटना में बड़ा हादसा टल गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मकान जर्जर श्रेणी में नहीं था, बल्कि पड़ोसी द्वारा नए निर्माण के लिए की जा रही तोड़फोड़ के कारण मुख्य मकान के पिलर कमजोर हुए और सामने का हिस्सा भरभराकर गिर गया। घटना के बाद महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर निगम अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। महापौर और निगमायुक्त के निर्देश पर नगर निगम ने शहर में सुरक्षा अभियान तेज कर दिया है। मानसून को देखते हुए खतरनाक और वास्तविक रूप से जर्जर भवनों को चिन्हित कर भवन मालिकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि आसपास किसी जर्जर या जोखिमपूर्ण भवन की जानकारी संबंधित संभागीय कार्यालय या नगर निगम को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बादलों और रिमझिम से ठण्डक घुली

यूपी और बंगाल का चक्रवात कराएगा बारिश

जबलपुर। पूर्वी उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल में हवा के कम दबाव का क्षेत्र व चक्रवात बनने से मध्यप्रदेश में अच्छी बारिश के आसार बन गए हैं। पानी की रिमझिम फुरफुराहट और आसमान पर छाए बादलों की वजह से तापमान में गिरावट आई है और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। हवा में नमी बढ़ जाने से बारिश के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि आषाढ़ के महीने में बादल के उम्मीद के मुताबिक राहत नहीं दे पाए। मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल भारी बारिश हो सकती है। उसके बाद फिर छुटपुट वर्षा का दौर जारी रहेगा। मंगलवार को सुबह से ही आसमान पर बादल छाये रहे। बादलों ने दोपहर बाद सूर्यदेव को पूरी तरह से ढक लिया था। ऐसी उम्मीद बनी थी कि जमकर बारिश होगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। शाम को हल्की बारिश के बाद बादल शांत पड़ गए। मौसम में आए बदलाव से शीतल बयारें राहत दे रहीं थीं। मौसम कार्यालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2 डिग्री कम व न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया है। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री दर्ज किया गया था। हवा में नमी

प्रातःकाल 97 प्रतिशत और सायंकाल 74 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय प्रातः 5.31 बजे और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। मंगलवार की शाम 2.6 मिमी बारिश दर्ज की जा सकी। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 150.5 मिली मीटर (लगभग 6 इंच) दर्ज की जा चुकी है जबकि गत वर्ष आज के दिन तक कुल वर्षा 391.1 मिली मीटर दर्ज की गई थी।

इंदौर की मतगणना पूरी, भदौरिया सबसे आगे, अब जबलपुर पर नजर

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव-2026 की मतगणना रोमांचक दौर में पहुंच गई है। मंगलवार को इंदौर जिले की सभी मतपेटियों की गिनती पूरी हो गई। अब तक के रुझानों में राकेश सिंह भदौरिया बढ़त बनाकर सबसे आगे चल रहे हैं। उनके बाद विवेक सिंह, हितोशी जय हार्डिया, नरेन्द्र कुमार जैन और गौरव मिश्रा प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। अंतिम परिणाम आने तक मुकाबला पूरी तरह खुला हुआ है। महिला प्रत्याशियों में भी दिलचस्प प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। अब तक के रुझानों में प्रतीका पाठक सबसे आगे हैं। उनके बाद प्रतिभा वालिया, अन्नु पटेल, प्रीति राजेन्द्र तिवारी और राजकुमारी शर्मा बढ़त बनाए हुए हैं। इससे बार काउंसिल की राजनीति में महिला नेतृत्व की मजबूत मौजूदगी भी दिखाई दे रही है।मतगणना अभ्यर्थियों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से कराई जा रही है। प्रत्येक चरण की लाइव स्ट्रीमिंग यूट्यूब पर की जा रही है, जबकि अद्यतन जानकारी परिषद की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जा रही है।

गोहलपुर पुलिस की सख्त कार्रवाई, इटारसी से लेकर जबलपुर तक दबिश, सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से अपराधियों तक पहुंची टीम

13 लाख के जेवर बरामद, चार शातिर चोर और पांच हजार का इनामी लुटेरा गिरफ्तार

तीन नकबजनियों का पर्दाफाश...

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में सूने मकानों को निशाना बनाकर लाखों के सोने-चांदी के जेवर उड़ाने वाले चार नकबजनों को गोहलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर तीन नकबजनी की वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में एएसपी सिटी आयुष जाखड़ ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर करीब 13 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। वहीं लूट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे पांच हजार रुपये के उद्घोषित इनामी आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

फुटेज से मिला अहम सुराग

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश पर एएसपी आयुष जाखड़, सीएसपी उदयभान बागरी और टीआई रितेश पांडे के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के आधार पर कार्रवाई को अंजाम दिया।

सूने मकानों को बनाते थे निशाना

एएसपी जाखड़ ने बताया कि समता कॉलोनी में सूने मकान का ताला तोड़कर जेवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने इटारसी से रीनू जाटव उर्फ राहुल अंडा और गोपी किशन धुर्वे को गिरफ्तार किया। दोनों की निशानदेही पर करीब 8 लाख रुपये के जेवर बरामद किए गए। रीनू के खिलाफ 28 और गोपी किशन के खिलाफ 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। वहीं अमखेरा-कुदवारी स्थित लक्ष्मीनारायण परिसर में डॉक्टर के सूने मकान में चोरी के मामले में सूरज चौधरी और शक्ति उर्फ राहुल चौधरी को गिरफ्तार कर करीब 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर जब्त किए गए। आरोपी सूने मकानों को अपना निशाना बनाते थे और वारदात को अंजाम देते थे।

इनामी बदमाश ने मारपीट के बाद वसूली रकम

इसके अलावा फरवरी में कार सवार युवकों के साथ मारपीट, बंधक बनाकर ऑनलाइन रकम वसूलने और सोने की अंगूठी लूटने के मामले में फरार पांच हजार के इनामी बदमाश संकेत राठौर को अमखेरा से घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा और मोबाइल जब्त किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में टीआई रितेश पांडे, एसआई अंबुज पांडे, रवि सिंह परिहार, एएसआई संजय मिश्रा सहित गोहलपुर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छह घंटे में मिली 11 वर्षीय खुशी सुरक्षित बाल निकेतन पहुंची

रक्षाबंधन का वचन निभाया...

सीसीटीवी फुटेज और संभावित ठिकानों पर चौकी बस स्टैंड पुलिस का सघन अभियान, सुरक्षित दस्तयाब कर किया सुपुर्द

हरिभूमि, जबलपुर।

रक्षाबंधन के अवसर पर बालिकाओं की सुरक्षा का संकल्प लेने वाली जबलपुर पुलिस ने अपने वचन को त्वरित कार्रवाई से सार्थक कर दिखाया। थाना मदनमहल अंतर्गत चौकी बस स्टैंड पुलिस ने स्कूल से लापता हुई 11 वर्षीय बालिका खुशी दाहिया को महज 6 घंटे के भीतर सुरक्षित तलाश कर राजकुमारी बाई बाल निकेतन की अधीक्षिका के सुपुर्द कर दिया।

राजकुमारी बाई बाल निकेतन की अधीक्षिका अभिलाषा वर्मा ने सोमवार शाम थाना मदनमहल पहुंचकर सूचना दी कि बाल निकेतन में रहकर एमएलबी स्कूल, राइट टाउन में अध्ययनरत खुशी दाहिया दोपहर करीब 3 बजे से स्कूल से गायब है। बालिका की तलाश के बावजूद कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध क्रमांक 250/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया।

सूचना मिलते ही सक्रिय हुई टीम

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चौकी बस स्टैंड प्रभारी एसआई जगन्नाथ यादव तत्काल टीम के साथ

मैदान में उतर गए। बालिका के फोटो, हुलिए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बस स्टैंड, राइट टाउन, नेपियर टाउन, मदनमहल रेलवे स्टेशन, मुख्य रेलवे स्टेशन, ग्वारीघाट सहित अनेक संभावित स्थानों पर सघन सर्च अभियान चलाया गया।

9.40 पर सुरक्षित दस्तयाब

तलाशी अभियान में प्रधान आरक्षक दीपक बकोडे और आरक्षक लक्ष्मीनारायण गोल्हानी ने भी लगातार सक्रियता दिखाते हुए महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। टीम की सतर्कता, तकनीकी जांच और तेज समन्वय के चलते पुलिस ने शाम 9:40 बजे खुशी को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया।

खुशी लौटते ही ली राहत की सांस

आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद बालिका को बाल निकेतन की अधीक्षिका अभिलाषा वर्मा के सुपुर्द कर दिया गया। खुशी की सकुशल वापसी से बाल निकेतन परिवार की चिंता राहत में बदल गई। पुलिस ने एक बार फिर साबित किया कि संवेदनशील मामलों में समय पर सक्रियता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा सहित 59 नामांकन दाखिल

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ के 20 जुलाई को होने वाले चुनाव के लिए चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न पदों के लिए कुल 59 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। इनमें वर्तमान अध्यक्ष अधिवक्ता मनीष मिश्रा ने भी अध्यक्ष पद के लिए पर्चा भरकर मुकाबले को और रोचक बना दिया।

> जिला बार चुनाव में मुकाबले की तस्वीर साफ होने लगी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता जी.एस. ठाकुर ने बताया कि दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए 5, उपाध्यक्ष के लिए पांच, महिला उपाध्यक्ष के लिए एक, सचिव के लिए चार, सह सचिव के लिए तीन, कोषाध्यक्ष के लिए तीन, पुस्तकालय सचिव के लिए चार व कार्यकारिणी सदस्य के 34 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। 20 जुलाई को होने वाले मतदान को लेकर अधिवक्ताओं के बीच चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। नामांकन के बाद अब दावेदार समर्थन जुटाने में सक्रिय हो गए हैं। नाम वापसी और अंतिम सूची जारी होने के बाद विभिन्न पदों पर सीधा चुनावी मुकाबला और स्पष्ट हो जाएगा।

पुलिस बोली... आरोपी सुरक्षित थाने से बाहर गया था

गोरखपुर में कथित मारपीट विवाद...

हरिभूमि, जबलपुर।

गोरखपुर थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर मारपीट के लगाए गए आरोपों को लेकर पुलिस ने अपना आधिकारिक पक्ष सामने रखा है। टीआई नितिन कमल के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावे भ्रामक हैं। जिस व्यक्ति ने पुलिस पर आरोप लगाए हैं। उसकी पहचान 40 वर्षीय सतीश सोनकर पिता अर्जुन सोनकर के रूप में हुई है, जिसके विरुद्ध पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज बताए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वायरल सामग्री की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बरामद किए थे 21 पाव शराब

पुलिस के मुताबिक 5 जुलाई को महर्षि स्कूल के सामने पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली थी कि सतीश सोनकर अवैध शराब के साथ खड़ा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर उसके कब्जे से 21 पाव मूनलाइट/देशी शराब बरामद की। शराब जब्त कर उसके खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

अपने पैरों पर चलकर गया बाहर

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रकरण जमानती होने के कारण आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को थाने से छोड़ दिया गया। पुलिस का दावा है कि वह पूरी तरह सुरक्षित अवस्था में अपने पैरों पर चलकर थाने से बाहर गया था। इसके समर्थन में सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें भी उपलब्ध कराई गई हैं।

दो दशकों से कर रहा अपराध

पुलिस के अनुसार कुछ समय बाद आरोपी वापस आया और मारपीट के आरोप लगाने लगा। निष्पक्षता के आधार पर उसका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया, जिसमें चोट या मारपीट की पुष्टि नहीं हुई। पुलिस ने थाना रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2006 से 2026 के बीच विभिन्न अपराध दर्ज हैं तथा उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी हो चुकी है।

सिहोरा हाईवे पर किसानों का जाम मंडी गेट पर ताला जड़ा

उपज की खरीदी नहीं होने से भड़का आक्रोश

जबलपुर। सिहोरा कृषि उपज मंडी में फसल बेचने पहुंचे किसानों का मंगलवार को गुस्सा फूट पड़ा। व्यापारियों की कथित मनमानी और मंडी प्रबंधन की उदासीनता से नाराज किसानों ने सिहोरा हाईवे पर पहुंचकर जाम लगा दिया। अचानक हुए प्रदर्शन से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे। किसानों का कहना था कि वे दूर-दराज के गांवों से अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे हैं, लेकिन पिछले दो दिनों से उनकी फसल की खरीदी नहीं हो पा रही है।

मंडी में खरीदी ठप

किसानों के अनुसार मंडी परिसर में बड़ी मात्रा में अनाज पड़ा हुआ है। व्यापारियों के नहीं पहुंचने से किसान परेशान हैं और उन्हें अपनी उपज खराब होने का डर सता रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी प्रशासन भी समस्या का समाधान नहीं कर रहा, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है। बताया जा रहा है कि एक व्यापारी का लाइसेंस निरस्त होने के बाद कई व्यापारी खरीदी प्रक्रिया से दूर हो गए, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ा है।

मंडी गेट पर धरना शुरू

पुलिस की समझाइश के बाद किसानों ने हाईवे से जाम समाप्त कर दिया, लेकिन उनका विरोध खत्म नहीं हुआ। आक्रोशित किसानों ने कृषि उपज मंडी के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। किसानों का कहना है कि वे कई दिनों से परेशानी झेल रहे हैं। बारिश और मौसम की अनिश्चितता के बीच खुले में पड़ी फसल खराब होने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने मंडी प्रशासन से तत्काल खरीदी शुरू कराने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। फिलहाल मंडी परिसर में किसानों का प्रदर्शन जारी है।

300 वर्ष पुराने जानकी रमण मंदिर की संपत्तियों की जांच की मांग, ग्रामीणों ने लगाए गबन के आरोप

जबलपुर। शहपुरा तहसील के पिपरिया कला क्षेत्र स्थित करीब 300 वर्ष पुराने जानकी रमण मंदिर के संचालन में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने एसडीएम शहपुरा मदन सिंह रघुबंशी को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की स्थापना वर्ष 1726 (संवत 1783) में बाबा रामदास द्वारा की गई थी और मंदिर के नाम पर करीब 30 एकड़ भूमि दर्ज है। पूर्व में 17-18 सदस्यीय समिति द्वारा मंदिर का संचालन किया जाता था, लेकिन वर्तमान में समिति के अधिकांश सदस्यों के निधन के बाद केवल तीन सदस्य ही शेष हैं। शिकायत में दिनेश गोटिया, शिवदयाल गोटिया और जगदीश पर मंदिर संपत्ति के दुरुपयोग, सामग्री बिक्री तथा बैंक खाते में जमा करीब 30 से 35 लाख रुपये के गबन का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने मंदिर के पुराने रजिस्टर, भूमि अभिलेख, आय-व्यय और बैंक खातों की जांच कराने, नई समिति गठित करने तथा खसरा नंबर 376 से संबंधित रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि मंदिर की संपत्ति और व्यवस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। शिकायत सौंपने वालों में पंडित पवन महलोनिया, ठाकुर विश्वेश्वर सिंह (राजा), पंडित मेघनाद उपम्मन, पंडित अरविंद महलोनिया, पंडित संजय उपम्मन, पंडित प्रेम शंकर पांडे, थम्मन सिंह ठाकुर (बब्लू), नारायण ठाकुर, ठाकुर खिलन सिंह, दिनेश छिरा, पंडित रामरतन महलोनिया, पंडित ऋषि महलोनिया, अनिल झारिया, राहुल साहू सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

गोदाम में आग लगने से लाखों की छति

सिहोरा। खितौला बस स्टेंड के पास स्थित गुरु कृपा ट्रेडर्स की गोदाम में अचानक आग लग जाने के लाखों रुपये की छति हुई है। संचालक राकेश पहारिया ने बताया रात्रि करीब 8.30 पर लगी आग से गोदाम में पेंट,काफी,किताबें एवं अन्य सामान रखा था जो जलकर राख हो गया।उन्होंने लगभग 5 लाख की छति होना तथा बताया है। ऊपर गोदाम में सैड का कार्य चल रहा था उसी दौरान यह घटना घटित हुई है।आग किस कारण से लगी है इसका पता नहीं चल पाया है। सूचना पर पहुंची नगर पालिका सिहोरा की फायर ब्रिगेड और नागरिकों की सूझबूझ से तत्काल आग पर काबू पा लिया ।

पेट्रोल भराने गुंडा टैक्स नहीं देने पर चलाए ताबड़तोड़ चाकू

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत अग्रवाल पेट्रोल पंप पर ब्लेदवबाग चौक पर बीती रात पैसों की मांग को लेकर दो युवकों पर चाकू से प्राणघातक हमला करने का मामला सामने आया है। बड़ी उखरी विजयनगर निवासी 24 वर्षीय कन्हैया रैकवार ने पुलिस को बताया कि रात करीब 11 बजे वह अपने दोस्त विनय रैकवार के साथ एक्टिवा से घर लौट रहा था। पेट्रोल पंप के पास यश ठाकुर और यश बेन नामक युवकों ने उन्हें रोक लिया और जबरन 500 रुपये की मांग की। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर यश ठाकुर ने कन्हैया की जांघों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। बीच-बचाव करने पर यश बेन ने विनय की बाईं जांघ पर चाकू मार दिया।

एमपी कांग्रेस आईटी सेल कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर फैसला सुरक्षित

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी पत्र वायरल मामले में सुनवाई पूरी

जबलपुर । राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी पत्र वायरल करने के मामले में भोपाल से गिरफ्तार मध्य प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल के तीन कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर मंगलवार को हाई कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस ने अपने-अपने हलफनामे प्रस्तुत किए। कोर्ट को बताया गया कि गिरफ्तारी करने वाले राजस्थान पुलिस के जांच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच चल रही है। वहीं मध्य प्रदेश पुलिस ने भी पूरे घटनाक्रम पर अपना विस्तृत जवाब पेश किया।याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस आईटी सेल से जुड़े निखिल, बिलाल और इनाम को अप्रैल में भोपाल से उठाने के बाद करीब दो दिन तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया तथा गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश नहीं किया गया। इसी आधार पर उनके परिजनों ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने तीनों युवकों के बयान दर्ज किए थे, जिनमें उन्होंने अवैध हिरासत का आरोप दोहराया था। इस पर कोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामला अवैध हिरासत का प्रतीत होने की टिप्पणी करते हुए भोपाल पुलिस कमिश्नर को शिकायत मानकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने और रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। साथ ही राजस्थान पुलिस से भी विस्तृत जवाब मांगा गया था। हालांकि तीनों कार्यकर्ताओं को पहले ही जमानत मिल चुकी है, लेकिन उनकी गिरफ्तारी और हिरासत की वैधता का मुद्दा अब भी न्यायिक परीक्षण के दायरे में है। मंगलवार को दोनों राज्यों का पक्ष सुनने के बाद हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

दीवार तोड़ नाले में लटकी कार

जबलपुर। मदनमहल क्षेत्र में मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एलआईसी रोड पर तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर एक मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले पर जाकर लटक गई। हादसे के समय मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से कार चला रही युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। युवती ने बताया कि वाहन चलाते समय गलती से ब्रेक की जगह उसका पैर एक्सीलेटर पर पड़ गया, जिससे कार की रफ्तार बढ़ गई और वह नियंत्रण खो बैठी। सूचना पर मदनमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि किसी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को नाले से बाहर निकाला गया।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, शतरंज-गतका-कराते में दिखाई प्रतिभा

जबलपुर। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत मंगलवार को शहर के विभिन्न खेल मैदानों पर रोमांचक मुकाबले आयोजित किए गए। शिक्षा विभाग की जिला खेल अधिकारी मधुमिता हाजरा ने बताया कि प्रतियोगिताओं में शतरंज, कराते और गतका जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सेंट थॉमस स्कूल में आयोजित गर्ल्स इंटर स्कूल शतरंज प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी हरसिमरत कौर ने अंडर-17 वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 में आद्या धुर्वे और अंडर-19 में अन्वेषा मिश्रा ने बाजी मारी। प्रतियोगिता के मुख्य ऑब्जर्वर मो. हाशिम रहे। प्रेमनगर स्थित दशमेश हॉल में आयोजित गतका प्रतियोगिता में जसराज सिंह सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं कराते प्रतियोगिता में बालिकाओं ने उत्कृष्ट कौशल दिखाते हुए विभिन्न भार वर्गों में जीत दर्ज की। अंडर-14 वर्ग में अशिता शर्मा, आराध्या गुप्ता, नमामि गुप्ता, नायशा बजाज, नुपुर काकदी, स्वाति उपाध्याय और आराध्या द्विवेदी ने अपने-अपने वर्ग में सफलता हासिल की। आयोजन के माध्यम से शहर के युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिला। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने लायक रही।

घर में बना रखा था अवैध रिफिलिंग सेंटर

जबलपुर। पनागर पुलिस ने सोमवार की सुबह पड़ाव मोहल्ला में रसोई गैस को वाहनों में रिफलिंग का भांडाफोड किया। यहां एक युवक अपने घर पर अवैध गैस रिफलिंग चला रहा था। पुलिस ने मौके से गैस सिलेंडर और आटो सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पड़ाव मोहल्ला पनागर निवासी बड्डू बर्मन के घर पर दबिश दी गई, यहां आरोपी बड्डू बर्मन इंडेन कम्पनी के एलपीजी गैस सिलेण्डर को तौल कांटा में रखकर गैस रिफलिंग मोटर पम्प के माध्यम से आटो क्रमांक एमपी 20 आर 7411 में लापरवाही पूर्वक गैस रिफलिंग करते दिखा। आटो चालक पुलिस को देखकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 गैस सिलेण्डर, जिसमें 1 सटक व नोजल लगा हुआ, 1 इलेक्ट्रानिक तौल कांटा, इलेक्ट्रिक मोटर पम्प तथा सवारी आटो क्रमांक एमपी 20 आर 7411 जब्त किया। पुलिस ने आरोपी बड्डू बर्मन के विरूद्ध धारा 287 बीएनएस तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

शादी का झांसा देकर 13 साल शोषण का आरोप, घमापुर थाने में शिकायत

जबलपुर। घमापुर थाना क्षेत्र में एक महिला ने शादी का झांसा देकर 13 वर्षों तक शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किए जाने का आरोप लगाया है। मामले में सामाजिक संगठन महादलित परिसंघ के जिलाध्यक्ष आकाश मलिक ने थाना प्रभारी को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पीड़िता की वर्ष 2013 में मदन महल निवासी विनोद गुप्ता से पहचान हुई थी। आरोप है कि शादी का भरोसा देकर आरोपी ने अलग-अलग स्थानों पर किराये के मकानों में उसके साथ संबंध बनाए। वर्ष 2021 में कांचघर क्षेत्र में भी संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। बाद में विवाह का दबाव बनाने पर आरोपी द्वारा दूरी बना लेने की बात शिकायत में कही गई है। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि पीड़िता लंबे समय से मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानी झेल रही है तथा उसके बच्चों के भविष्य पर भी संकट खड़ा हो गया है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि पीड़िता जब शिकायत लेकर थाने पहुंची तो महिला डेस्क पर उसकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। महादलित परिसंघ के जिलाध्यक्ष आकाश मलिक ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर आरोपों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान संगठन एवं अधिवक्ता वर्ग के सुमित सिंह ठाकुर, प्रशांत सिंह राजपूत, पीयूष चीनू, एडवोकेट मुकेश बिरहा, एडवोकेट संध्या पाठक, उत्कर्ष दोहरे, एडवोकेट रितेश राजपूत, एडवोकेट प्रहलाद, एडवोकेट आकाश ग्रानिया और एडवोकेट मुकेश चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पंचवटी में नाले की सफाई नहीं होने से बढ़ी परेशानी नागरिकों ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

भेड़ाघाट। पंचवटी क्षेत्र में नाले की समय पर सफाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि पिछले वर्ष नाले की सफाई के दौरान उसकी दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद नगर परिषद ने न तो दीवार की मरम्मत कराई और न ही इस वर्ष नाले की सफाई कराई। नाले में झाड़ियां, कचरा और गंदगी जमा होने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है तथा बीमारी फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय लोगों और नर्मदा भक्तों ने आरोप लगाया कि पंचवटी बस्ती का दूषित पानी बिना समुचित शोधन के सीधे नर्मदा नदी में मिल रहा है। उनका कहना है कि क्षेत्र में फिल्टर प्लांट का बोर्ड लगा है, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली स्पष्ट नहीं है। नागरिकों ने नगर परिषद भेड़ाघाट से नाले की तत्काल सफाई, क्षतिग्रस्त दीवार की मरम्मत तथा नर्मदा में जाने वाले दूषित पानी के शोधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

श्री बाला प्रसाद सोनकर- सिंधी केम्प निवासी श्री बाला प्रसाद सोनकर (पप्पू रायगढ़ वाले) का निधन हो गया है। वे श्रीमती लता सोनकर के पति, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के जीजा जी एवं आर्या सोनकर के पिताजी थे। अंतिम संस्कार करिया पाथर श्मशान घाट में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेमलता दुआ- कालीबाड़ी रोड गुप्तेश्वर निवासी श्री केवल कृष्ण दुआ की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता दुआ (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी बाई पटेल- ललपुर रोड गौरीघाट निवासी श्री जगदीश पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी बाई पटेल (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकास यादव- उडिया मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री विकास यादव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला देवी- सीओडी कॉलोनी निवासी श्री दीनानाथ की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजरानी- करनैल सिंह का बाड़ा बिलहरी निवासी श्री सोहन सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती राजरानी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती निर्मला डनायक- रामेश्वरम कॉलोनी उखरी रोड निवासी श्री प्रभाशंकर डनायक की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला डनायक (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. मीनू विश्वकर्मा- बेलबाग टोरिया निवासी श्री नीलेश विश्वकर्मा की पुत्री कु. मीनू विश्वकर्मा (06) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

सुश्री ममता दुबे- संजीवनी नगर दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री नारायण प्रसाद दुबे की पुत्री सुश्री ममता दुबे (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोहन लाल चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री मोहन

लाल चौधरी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती गायत्री विश्वकर्मा- लालमाटी चांदमारी ननिज जोनल कार्यालय के पास निवासी श्री पारसनाथ विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीना तिवारी- कांचघर दीपक डेयरी के पास निवासी श्री उमादत्त तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती मीना तिवारी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री इंद्र पाल- केंट पिगरी मंडला रोड निवासी श्री इंद्र पाल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकुमारी बंशकार- कृष्णा कॉलोनी बाई का बगीचा घमापुर निवासी श्री विनोद बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी बंशकार (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री गणेश प्रसाद तिवारी- गौरीघाट स्थित जैन मंदिर के निकट निवासी श्री गणेश प्रसाद तिवारी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीराम बाबा- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्रीराम बाबा (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री सुभाष चंद्र जैन- गल्ला मंडी निवाडग़ंज निवासी श्री सुभाष चंद्र जैन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र प्रसाद बंशकार- प्रेमसागर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद बंशकार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती बुधिया बाई- लालमाटी चांदमारी दुर्गा मंदिर के पास निवासी श्री सरमन लाल की धर्मपत्नी श्रीमती बुधिया बाई (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
फिक्स साइज:- ... से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- ... से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज ... से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

खबर संक्षेप

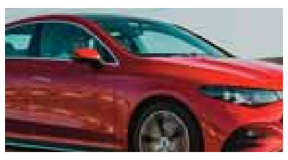

मर्सिडीज-बेंज ने पहली छमाही में रिकॉर्ड 9,768 वाहन बेचे

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने भारत में कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में अब तक की सबसे अधिक 9,768 वाहनों की बिक्री दर्ज की है। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी की इकाई मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अप्रैल-जून, 2026 की तिमाही में 4,637 वाहन बेचने के साथ ही रिकॉर्ड प्रदर्शन किया, जो इससे पिछले साल समान अवधि में बेची गईं 4,238 कार की बिक्री से 10 प्रतिशत अधिक है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शुरू की ईपीएफओ भुगतान सेवाएं

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ

एकीकरण के माध्यम से भविष्य निधि (पीएफ) भुगतान सेवाएं शुरू की हैं। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने मंगलवार को बयान में कहा कि इस एकीकरण के तहत अब प्रतिष्ठान ईपीएफओ मंच के माध्यम से सीधे पीएफ भुगतान शुरू कर सकेंगे और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के खुदरा तथा कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग मंचों के जरिये लेनदेन पूरा कर सकेंगे।

प्रीमियर एनर्जीज को 3,011 करोड़ रुपए के ठेके मिले

नई दिल्ली। सौर विनिर्माण क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज को वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सौर सेल और

मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए कुल 3,011 करोड़ रुपये के आर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रीमियर एनर्जीज ने बयान में कहा कि यह आर्डर उत्पादकों और मॉड्यूल विनिर्माताओं की ओर से दिए गए हैं। बयान के अनुसार, इन ऑर्डर के तहत कुल 1,846 मेगावाट क्षमता के सौर सेल और मॉड्यूल की आपूर्ति की जाएगी।

इंडियन होटल्स ने 20 नए होटल के लिए करार किए

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र की इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2026-27

की पहली तिमाही में 20 नए होटल के लिए करार किए और वर्ष 2030 तक 700 होटल का पोर्टफोलियो हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। टाटा समूह की कंपनी के पास फिलहाल 263 होटल परियोजनाओं की श्रृंखला है। अप्रैल-जून तिमाही में आईएचसीएल ने अपने विभिन्न ब्रांड के तहत 11 नए होटल भी खोले।

गांगुली बने इंश्योरटेक मंच इंश्योरेंसदेखो के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली को इंश्योरटेक के मंच 'इंश्योरेंसदेखो' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। आयोजकों ने प्रेस

विज्ञप्ति में कहा गया कि गांगुली की पहचान एक ऐसे कप्तान की रही है जो निडर होकर खेलें, अपनी टीम का साथ दिया और विजेताओं की एक पीढ़ी तैयार की..उनकी यह पहचान हमारे इस अभियान से मेल खाती है। आयोजकों ने कहा कि 'खुल कर खेलो' मंच पर मौजूद बीमा सलाहकारों के लिए इस अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा, '' इस साझेदारी को डिजिटल और प्रसारण मंचों पर शुरू किए जाने वाले नए टीवीसी अभियान के जरिये पेश किया जाएगा।''

कई शहरों में खाली होने लगे एटीएम, कैश की किल्लत पर आरबीआई सख्त

कई शहरों में लोगों को 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आज के समय में बैंक से जुड़े कई काम पहले के मुकाबले अब बहुत ही आसानी से हो जाते हैं, जहां पहले लंबी-लंबी लाइनों में लगकर लोग बैंक से पैसे निकाल पाते थे तो अब वहीं घर के आसपास मौजूद एटीएम से आसानी से कैश निकाला जा सकता है।

लेकिन अभी कुछ समय से देश के कई शहरों के एटीएम खाली मिलने की शिकायत सामने आ रही हैं। कई शहरों में लोगों को पिछले लगभग 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा है, जिसकी लगातार शिकायत भी की जा रही है। बढ़ती शिकायतों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। दूसरी ओर, बैंकर्स का कहना है कि शाखाओं में बनाए रखे जाने वाले कैश इन्वेंट्री के आंकड़े भ्रामक हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इन आंकड़ों में मैले, कटे-फटे और अनुपयुक्त नोट भी शामिल होते हैं, जिन्हें तुरंत एटीएम में लोड नहीं किया जा सकता। ऐसे में एटीएम के लिए उपलब्ध उपयुक्त करेंसी का वास्तविक स्टॉक, कुल दिखने वाले आंकड़ों से काफी कम हो सकता है। उद्योग जगत के अधिकारियों ने एटीएम बिजनेस में संरचनात्मक चुनौतियों की ओर भी इशारा किया। बैंकरों के अनुसार, एटीएम का संचालन तेजी से एक खर्चीला व्यवसाय बनता जा रहा है, जबकि एटीएम नेटवर्क को बनाए रखने और उसका विस्तार करने के लिए मिलने वाले प्रोत्साहन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं।

आरबीआई ने बैंकों से मांगा डेटा

सूत्रों ने बताया कि एटीएम में कैश की कमी को लेकर आरबीआई ने सभी बैंकों से टियर-2 और उससे छोटे शहरों में उपलब्ध कैश का पूरा ब्योरा मांगा है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि किस वजह के चलते जगहों-जगहों पर एटीएम में नकदी नहीं मिल रही है। इसके अलावा आरबीआई यह भी पता करने की कोशिश कर रहा है कि कहीं कुछ बैंकों ने कस्बों और छोटे शहरों में ज्यादा ही कम नकदी तो नहीं डाल दी है या फिर एटीएम में कैश समय पर रीलोड न किया गया हो, जिसकी वजह से यह दिक्कत हो रही हो। आरबीआई ने साफ किया है कि अगर ऐसा कुछ भी पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।

कैश मैनेजमेंट कंपनियों को भी नुकसान

एटीएम खाली रहने की इस समस्या का असर कैश मैनेजमेंट कंपनियों पर भी पड़ा है। बैंकों द्वारा एटीएम में डालने के लिए पर्याप्त नकदी की आपूर्ति न किए जाने के कारण इन कंपनियों को बिजनेस लॉस उठाना पड़ा है।

विशेषज्ञों की एक समिति ने मंत्रालय से की थी सिफारिश

सेवा उत्पादन सूचकांक को 60 दिन के अंतराल पर जारी करने की सिफारिश

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विशेषज्ञों की एक समिति ने क्षेत्रवार सूचकांक हर महीने तैयार करने और सेवा उत्पादन सूचकांक को संदर्भ महीने के 60 दिन के भीतर जारी करने की सिफारिश की है। सांख्यिकी मंत्रालय ने मई, 2025 में नीति आयोग की विशिष्ट फेलो देबजानी घोष की अध्यक्षता में सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति बनाई थी।

■ पिछले एक साल में समिति ने विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की

शिक्षा और उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों के अलावा, उत्पादन सूचकांक पर तकनीकी परामर्श में सेवा क्षेत्र से संबंधित मंत्रालयों/विभागों के सदस्य भी शामिल हैं। पिछले एक साल में, समिति ने आईएसपी तैयार करने की धारणा, तौर-तरीकों और परिचालन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया

सलाह-मशविरे की प्रक्रिया के तहत, 27 अप्रैल 2026 को आईएसपी तैयार करने के तरीके पर एक दृष्टिकोण पत्र सार्वजनिक किया गया था, जिसमें संबंधित पक्षों से राय और सुझाव मांगे गए थे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि लंबी चर्चा और बातचीत के बाद सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति (टीएसी-आईएसपी) की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है।

सूचकांक क्षेत्र की गतिशीलता को दर्शाता है

रिपोर्ट में एक सार्वभौमिक रुख अपनाने के पीछे की वजह भी बताई गई है, जो इस क्षेत्र की गतिशीलता को दर्शाती है। समिति ने समय पर जानकारी देने के लिए, क्षेत्रवार सूचकांक को हर महीने तैयार करने और जिस महीने का आंकड़ा है, उसके 60 दिन के अंदर आईएसपी जारी करने का सुझाव दिया। साथ ही, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में कम समय के बदलावों पर नजर रखने के लिए एक मजबूत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना करने लायक रूपरेखा भी देने की बात कही गयी है।

सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र

रिपोर्ट में कहा गया कि इसका मकसद उपयोगकर्ताओं को 14 जुलाई, 2026 को (परीक्षण) आईएसपी श्रृंखला जारी होने से पहले प्रस्तावित आईएसपी रूपरेखा को बेहतर ढंग से समझने और अपनाने में मदद करना है। सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से बढ़ने वाला और गतिशील हिस्सा है।

संगठित क्षेत्र के लिए आईपीएस की रूपरेखा प्रदान करती है

यह रिपोर्ट अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र के लिए मासिक आईएसपी तैयार करने को लेकर एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट आईएसपी तैयार करने के विभिन्न अवधारणा और तौर-तरीकों पर तकनीकी परामर्श समिति की चर्चाओं और सुझावों को पेश करती है। इसमें क्षेत्र का दायरा, सही आंकड़ा स्रोत की पहचान, कीमत 'डिफ्लेटर' का चयन, सूचकांक तैयार करने का तौर-तरीका और जानकारी जारी करने की रूपरेखा शामिल है।

सेवा क्षेत्र की माप में सुधार करने में मदद मिलेगी

यह भारत के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में लगभग 53 प्रतिशत का योगदान देता है, बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करता है और आर्थिक वृद्धि, निवेश और निर्यात का मुख्य चालक बनकर उभरा है। प्रस्तावित आईएसपी देश की सांख्यिकीय प्रणाली को मजबूत करने और सेवा क्षेत्र की माप में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोचीन शिपयार्ड के लिए निवेशकों की 2,900 करोड़ रुपए की बोली

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

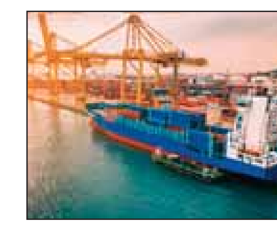

संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार कोचीन शिपयार्ड में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री के लिए 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां लगाईं। इससे उनके लिए आरक्षित हिस्से को उम्मीद से कहीं अधिक अभिदान मिला। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, गैर-खुदरा खरीदारों ने उनके लिए आरक्षित लगभग 59.66 लाख शेयरों के मुकाबले 2.10 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं।

■ संस्थागत निवेशकों ने सरकार की हिस्सेदारी बिक्री के लिए लगाई

निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव अरुणीश चावला ने ट्विटर पर लिखा, ''कोचीन शिपयार्ड लि. (सीएसएल) में बिक्री पेशकश (ओएफएस) को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और पहले ही दिन इसे 3.52 गुना अभिदान मिला। सरकार ने अतिरिक्त बोली आने पर उसे रखने के विकल्प के उपयोग का फैसला किया है। खुदरा निवेशक आठ जुलाई को बिक्री पेशकश के लिए बोली लगा सकते हैं।सांकेतिक मूल्य 1,414.97 रुपये पर, बोलियों की कुल मूल्य लगभग 2,900 करोड़ रुपये है। दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये, सरकार पोत निर्माण कंपनी सीएसएल में 1.32 करोड़ से अधिक शेयर यानी 5.04 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच रही है।

सीएसएल का शेयर टूटकर 1,448 पर हुआ बंद

सीएसएल का शेयर मंगलवार 3.75 प्रतिशत टूटकर 1,448.30 रुपये पर बंद हुआ।सरकार के पास अभी सीएसएल में 67.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार अब तक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, जीआईसी और आईआरएफसी में ओएफएस के जरिये हिस्सेदारी बेचकर कुल 18,561 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। सरकार ने पूरे वित्त वर्ष के लिएविनिवेश और परिसंपत्तियों को बाजार पर चढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये जुटाने का बजटीय लक्ष्य रखा है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री जून में 63 प्रतिशत बढ़ी : फाडा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री जून महीने के दौरान 63 प्रतिशत बढ़कर 3,06,220 इकाई के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही ईवी की वाहन बिक्री में हिस्सेदारी पहली बार 12 प्रतिशत से अधिक हो गई। उद्योग संगठन फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने एक बयान में कहा कि ईवी बिक्री में वृद्धि का नेतृत्व दोपहिया खंड ने किया जिसकी खुदरा बिक्री जून में 1,93,735 इकाई रही। यह पिछले साल के इसी महीने के 1,10,719 इकाई के मुकाबले 74.98 प्रतिशत अधिक है। यात्री वाहन खंड में इलेक्ट्रिक कारों की खुदरा बिक्री दोगुना से अधिक होकर 31,823 इकाई हो गई, जो जून, 2025 में

■ खुदरा बिक्री 3.06 लाख इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

15,318 इकाई थी। तिपहिया ईवी खंड की खुदरा बिक्री 27.38 प्रतिशत बढ़कर 77,448 इकाई रही, जो एक साल पहले के समान महीने में 60,802 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहन (सीवी) खंड में इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री 3,214 इकाई रही, जो जून, 2025 के 1,219 इकाई के मुकाबले 163.7 प्रतिशत अधिक है। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, जून, 2026 भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन के लिहाज से महत्वपूर्ण महीना रहा। इस दौरान 3,06,220 ईवी की खुदरा बिक्री हुई, जो हमारे रिकॉर्ड में अब तक का उच्चतम स्तर है और सालाना आधार पर करीब 63 प्रतिशत अधिक है।

तिपहिया ईवी वाहनों की बिक्री भी बढ़ी

अध्यक्ष ने कहा, कुल ईवी हिस्सेदारी पहली बार 12 प्रतिशत के पार पहुंच गई है। इसमें तिपहिया वाहनों का प्रमुख योगदान है, जहां 64 प्रतिशत से अधिक बिक्री अब इलेक्ट्रिक है जबकि दोपहिया खंड में यह आंकड़ा 10.6 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे स्पष्ट है कि विद्युतीकरण अब हाशिये से निकलकर मुख्यधारा में आ गया है।

वाहन कलपुर्जा उद्योग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान : एक्मा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय वाहन कलपुर्जा उद्योग चालू वित्त वर्ष में घरेलू मांग और मजबूत निर्यात के दम पर 8-10 प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है। उद्योग निकाय एक्मा ने मंगलवार को यह संभावना जताई। भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ (एक्मा) ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में उद्योग का कुल कारोबार 7.60 लाख करोड़ रुपये (85.9 अरब डॉलर) रहा, जो एक साल पहले के मुकाबले रुपये के संदर्भ में 12.7 प्रतिशत अधिक है। एक्मा के अध्यक्ष विक्रमपति सिंघानिया ने यहां संवाददाताओं से कहा, भारतीय वाहन कलपुर्जा उद्योग का मध्यम और दीर्घकालिक परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। जेके फेनर (इंडिया) के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सिंघानिया ने कहा कि बढ़ती घरेलू मांग, बुनियादी ढांचा आधारित आर्थिक वृद्धि, विनिर्माण निवेश में विस्तार, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिये वैश्विक एकीकरण और भारत से बढ़ती वैश्विक खरीद इस क्षेत्र के लिए बड़े अवसर पैदा कर रहे हैं।

■ चालू वित्त वर्ष में घरेलू मांग निर्यात बेहतर रहने की संभावना

मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में आई गिरावट

बाजार की चार दिन से जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 104 अंक फिसला

एजेंसी ▸▸ मुंबई

एशियाई बाजारों में कमजोरी और चार दिन की तेजी के बाद मुनाफावसूली हावी होने से स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 104 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 32 अंक का नुकसान रहा। विश्लेषकों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में खरीदारी से बाजार का नुकसान सीमित रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स बिकवाली के दबाव में 104.35 अंक गिरकर 78,180.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 379.85 अंक चढ़कर 78,664.92 अंक तक चला गया था। वहीं निफ्टी भी 31.65 अंक फिसलकर 24,398.70 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही चार दिन से जारी तेजी का दौर थम गया। सेंसेक्स और निफ्टी पिछले चार सत्रों में दो प्रतिशत से अधिक चढ़कर सोमवार को दो महीने से ज्यादा के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। मंगलवार को सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट में सर्वाधिक 12.42 प्रतिशत की गिरावट रही।कंपनी की जून तिमाही की आय वृद्धि बाजार के अनुमान से कम रहने के बाद इसमें भारी बिकवाली देखी गई।

■ आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार का नुकसान सीमित रहा

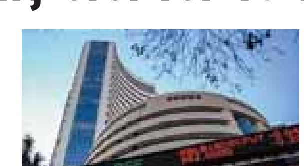

इन शेयरों में रहा नफा- नुकसान

इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, एचसीएल टेक में 3.08 प्रतिशत की बढ़त रही जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाइटन, इटर्नल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) चढ़कर बंद हुए।

अमारा पार्टनर्स ने करमतारा में किया 75 करोड़ निवेश

नई दिल्ली। निजी इक्विटी कंपनी अमारा पार्टनर्स ने बिजली पारेषण क्षेत्र की कंपनी करमतारा इंजीनियरिंग के आईपीओ-पूर्व चरण में लगभग 75 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू एवं विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे तथा ट्रैकर कलपुर्जों, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात 'प्रोफाइल' और 'फास्टनर' सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है। करमतारा इंजीनियरिंग ने सार्वजनिक घोषणा में कहा कि उसने छह जुलाई को अमारा पार्टनर्स ग्रोथ फंड-1 को 310 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 24,19,355 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयर (सीसीपीएस) आवंटित किए हैं।

सोना 1,400 रुपए टूटा, चांदी भी कमजोर

सोना टूटकर 1.49 लाख रुपए प्रति दस ग्राम

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश की राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने का दाम 1,400 रुपये टूटकर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि चांदी 200 रुपये फिसल गई। रुपये में मजबूती और कमजोर वैश्विक रुख के चलते कीमती धातुओं पर दबाव पड़ा। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,400 रुपये गिरकर 1,49,250 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) रह गई। सोमवार को इसका भाव 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी का दाम भी 200 रुपये टूटकर 2,39,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर समेत) रह गया, जो पिछले सत्र में 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही क्योंकि फेडरल रिजर्व की जून बैठक के ब्यौरे और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के दूसरे दौर के जारी होने से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इन दोनों से सोने की कीमतों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।''

■ चांदी 200 रुपए फिसलकर 2,39 .800 रुपए किलो

सीमित दायरे में रहने की संभावना

मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा, ''विदेशी कारोबार में हाजिर सोना कम कारोबार कर रहा है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास जहाजों पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में मामूली उछाल आया है।'' उन्होंने परिदृश्य के बारे में कहा कि कीमती धातुओं के अल्पावधि में सीमित दायरे में रहने की संभावना है।

सरकार ने स्पष्ट किया, फिलहाल एथेनॉल ब्लेंडिंग को मौजूदा ई-20 से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा

सरकार ने खारिज की ई-25 पेट्रोल लाने की बात, ई-20 पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में जल्द ही 'ई-25 पेट्रोल' (25 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल) लांच किए जाने की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल एथेनॉल ब्लेंडिंग को मौजूदा ई-20 के स्तर से आगे बढ़ाने पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। भविष्य में ऐसा कोई भी कदम पूरी तरह से वैज्ञानिक परीक्षणों और तकनीकी सत्यापन के आधार पर ही उठाया जाएगा। सरकारी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे ई-20 पेट्रोल को लेकर जनता को घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। व्यापक परीक्षण और मूल्यांकन के बाद देश में पिछले ढाई साल से भी अधिक समय से इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब वाहनों के परफॉर्मेंस और माइलेज पर एथेनॉल मिक्स पेट्रोल के असर को लेकर सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर चर्चाएं तेज हो गई थीं।

■ भविष्य में कोई भी कदम वैज्ञानिक परीक्षणों और तकनीकी सत्यापन के आधार पर उठाया जाएगा

पानी की बर्बादी और चावल के इस्तेमाल पर सरकार की सफाई

मंत्रालय ने उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा जा रहा था कि 1 लीटर एथेनॉल बनाने में 10,000 लीटर पानी खर्च होता है। सरकार ने साफ किया कि एथेनॉल बनाने के लिए केवल उसी सरप्लस (अतिरिक्त) चावल का इस्तेमाल किया जाता है, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षाकी जरूरतों को पूरा करने के बाद बच जाता है।

करोड़ों वाहन पहले से ही चल रहे हैं एथेनॉल फ्यूल पर

रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का काम बेहद चरणबद्ध तरीके से किया गया है। देश में करीब 20 करोड़ पेट्रोल-चालित दोपहिया वाहन और लगभग 20 लाख पेट्रोल-चालित चौपहिया वाहन पहले से ही बिना किसी समस्या के एथेनॉल-मिश्रित ईंधन पर चल रहे हैं। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में सरकार ने एथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर एक 10-सूत्रीय स्पष्टीकरण जारी किया था। इसमें कहा गया था कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथेनॉल का मिश्रण पूरी तरह से वैज्ञानिक अध्ययनों, वैश्विक अनुभवों और नियामक सुरक्षा उपायों द्वारा समर्थित है।

मंत्रालय ने कुछ और अहम तथ्य सामने रखे

एथेनॉल डिस्टिलरीज को 1 लीटर एथेनॉल बनाने के लिए आमतौर पर केवल 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड वॉटर की जरूरत होती है। साथ ही, ये डिस्टिलरीज पानी को रीसायकल करने के लिए 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' सिस्टम अपना रही हैं। इस प्रोग्राम के तहत सप्लाई होने वाले कुल एथेनॉल में मक्के की हिस्सेदारी अब 40 प्रतिशत से अधिक हो गई है। मक्के की खेती में धान के मुकाबले काफी कम सिंचाई की जरूरत होती है और सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर इसे बढ़ावा दे रही है।

चिंतन

ट्रंप का फीफा पर दबाव बनाना असामान्य कदम

पिछले करीब डेढ़ साल से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में टैरिफ, अर्थव्यवस्था, व्यापार, शांति, भू-राजनीति, सैन्य हस्तक्षेप और रणनीतिक दबाव से उथल-पुथल मचा रखी है। हाल का मामला इन सबसे अलग है। अब ट्रंप ने खेल के मैदान में भी एंट्री मारकर दुनियाभर के खेल संघों को चौंका दिया है। उन्होंने फीफा पर दबाव डालकर अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगा एक मैच का प्रतिबंध (निलंबन) रद्द करवा दिया। इसके लिए ट्रंप ने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो से व्यक्तिगत रूप से बात की। हालांकि अमेरिकी टीम को बेल्जियम ने 3-1 से करारी मात दी और वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई तक नहीं कर पाई। देखा जाए तो यह प्रकरण अपने आप में एक अजूबा है। सामान्यतः किसी भी देश के खिलाड़ी के लिए मैच में रेफरी का फैसला आने के बाद उसे चुनौती दी जाती है और फिर फीफा का निर्णायक मंडल पूरे मामले की समीक्षा कर अपना निर्णय देता है। स्थापित प्रक्रिया का यही उद्देश्य होता है कि खेल के नियम सभी टीमों और खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू हों तथा किसी भी तरह के राजनीतिक या बाहरी दबाव का प्रभाव निर्णयों पर न पड़े। यदि किसी शक्तिशाली देश का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सीधे हस्तक्षेप कर फैसले बदलवाने लगे तो खेलों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। ऐसा पहली बार है जब किसी देश के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से हस्तक्षेप कर अपने खिलाड़ी का निलंबन हटवाया है। फीफा ने भले ही इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताने का प्रयास किया हो, लेकिन दुनिया भर के खेल विशेषज्ञों और खेल संघों के बीच इस घटनाक्रम को लेकर असहजता दिखाई दी है। फीफा लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि वह राजनीति से स्वतंत्र संस्था है। कई देशों के फुटबॉल महासंघों पर सरकारी हस्तक्षेप के आरोप में प्रतिबंध तक लगाए जा चुके हैं। ऐसे में यदि किसी महाशक्ति के राष्ट्रपति के हस्तक्षेप को अलग नजरिए से देखा जाता है तो दोहरे मानदंडों की बहस तेज होना स्वाभाविक है। मैदान पर खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन से होती है, न कि उसके देश की राजनीतिक ताकत से। यदि किसी खिलाड़ी को यह संदेश मिले कि राजनीतिक प्रभाव से खेल संबंधी फैसले बदले जा सकते हैं, तो इससे खेल भावना को आघात पहुंचेगा। हालांकि घटनाक्रम का खेल परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा। अमेरिका बेल्जियम से हार गया और बालोगुन का मैदान पर उतरना भी टीम को आगे नहीं ले जा सका। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि किसी भी खेल में अंतिम फैसला खिलाड़ियों का प्रदर्शन ही करता है, न कि राजनीतिक दबाव। जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं और इन्हें स्वीकार करना ही खेल भावना की असली पहचान है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब आने वाले वर्षों में अमेरिका कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने जा रहा है। विशेष रूप से लॉस एंजिल्स ओलंपिक को लेकर दुनिया की निगाहें अमेरिका पर टिकी हैं। ऐसे में यदि राजनीतिक हस्तक्षेप की धारणा मजबूत होती है तो अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं की निष्पक्षता और मेजबान देश की भूमिका दोनों पर सवाल उठ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि सरकारें खेलों के विकास, खिलाड़ियों की सुविधाओं और खेल ढांचे को मजबूत करने तक अपनी भूमिका सीमित रखें तथा मैदान के फैसले खेल संस्थाओं और नियमों पर ही छोड़ दें। खेल तभी खेल बने रहेंगे, जब उन पर राजनीति की छाया हावी न हो।

मुद्दा
ममता कुशवाहा

हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

खेल महाकुंभ की पर्यावरणीय चुनौती

फुटबॉल को दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल माना जाता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं, सपनों और उत्साह का प्रतीक है। विश्व कप जैसे आयोजनों के दौरान पूरा विश्व एक साझा उत्सव में डूब जाता है, लेकिन खेलों की चमक-दमक और उत्साह के पीछे एक ऐसा पक्ष भी छिपा है, जिस पर लंबे समय तक पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। यह पक्ष है पर्यावरण पर पड़ने वाला उसका प्रभाव। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

ऐसे समय में जब प्रत्येक क्षेत्र से पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जा रही है, तब खेल जगत भी इससे अछूता नहीं रह सकता। खेलों के विशाल आयोजन, जिनमें लाखों दर्शक और हजारों खिलाड़ी शामिल होते हैं, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वर्ष 2026 का फीफा विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में चल रहा है। यह पहली बार होगा जब विश्व कप में 48 टीमें भाग लेंगी। पहले की तुलना में अधिक टीमें, अधिक मैच और अधिक शहर इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। कुल 16 शहरों में 104 मैच खेले जाएंगे। स्वाभाविक रूप से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, अधिकारियों, पत्रकारों और दर्शकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करनी होगी। यही वह प्रमुख कारण है जिसके चलते कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि की आशंका व्यक्त की जा रही है। कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत हवाई यात्रा होती है। विश्व कप जैसे आयोजनों में लाखों लोग विमानों के माध्यम से हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं। जब टीमें एक देश से दूसरे देश और एक शहर से दूसरे शहर जाती हैं, तब ईंधन की खपत और कार्बन उत्सर्जन तेजी से बढ़ता है। वर्ष 2026 के इस विश्व कप में तीन देशों के अनेक शहरों को मेजबानी दी गई है। इससे यात्राओं की दूरी और संख्या दोनों में वृद्धि होगी। यही कारण है कि शोधकर्ताओं का मानना है कि यह आयोजन पर्यावरणीय दृष्टि से अब तक का सबसे भारी विश्व कप साबित हो सकता है। दरअसल, खेल आयोजनों का पर्यावरणीय प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं होता। स्टेडियमों के निर्माण और रखरखाव में भी बड़ी मात्रा में ऊर्जा और संसाधनों का उपयोग किया जाता है। विशाल स्टेडियमों को रोशन करने, वातानुकूलित रखने, सुरक्षा व्यवस्था संचालित करने और प्रसारण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारी बिजली की आवश्यकता होती है। यदि यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त हो रही है, तो उसका सीधा संबंध कार्बन उत्सर्जन से जुड़ जाता है। आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। यह एक

विशाल वैश्विक उद्योग बन चुका है। अरबों डॉलर के निवेश, प्रायोजन और व्यावसायिक हित इसके साथ जुड़े हुए हैं। फुटबॉल क्लब, प्रसारण कंपनियां और बहुराष्ट्रीय कंपनियां खेल आयोजनों को एक बड़े आर्थिक अवसर के रूप में देखती हैं। जब आर्थिक लाभ पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर हावी होने लगता है, तब समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। यही चिंता शोधकर्ताओं ने भी व्यक्त की है कि फुटबॉल का बढ़ता व्यावसायीकरण और आयोजनों का निरंतर विस्तार पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। आज कल जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेलों पर भी पड़ रहा है। बढ़ता तापमान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। कई देशों में अत्यधिक गर्मी के कारण मैचों का समय बदलना पड़ा है। कुछ स्थानों पर मौसम की अनिश्चितता के कारण प्रतियोगिताओं को स्थगित करना पड़ा। वर्षा, तूफान और गर्म हवाएं खेल आयोजनों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। अर्थात जिस जलवायु संकट को खेल उद्योग अनजाने में बढ़ा रहा है, वही संकट अब खेलों के अस्तित्व के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। वैज्ञानिक आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बना देते हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति से पहले यह स्तर लगभग 280 पीपीएम था, जबकि आज यह 430 पीपीएम से अधिक पहुंच चुका है। यह वृद्धि केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि पृथ्वी के बदलते पर्यावरण का संकेत है। बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता में वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक क्षेत्र को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने की आवश्यकता है। फुटबॉल और अन्य खेल संगठनों ने हाल के वर्षों में पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं की घोषणाएं अवश्य की हैं। कई संगठनों ने कार्बन न्यूट्रल बनने, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने की योजनाएं प्रस्तुत की हैं। कुछ स्टेडियम सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ स्थानों पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। यदि आयोजन लगातार बड़े और अधिक विस्तृत होते जाएंगे, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे। इस तरह भविष्य के खेल आयोजनों के लिए एक नई सोच की आवश्यकता है। आयोजकों को ऐसे मॉडल अपनाने होंगे जिनमें यात्रा की दूरी कम हो, स्थानीय संसाधनों का अधिक उपयोग हो और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी जाए। दर्शकों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्टेडियमों के निर्माण में पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का प्रयोग बढ़ाना होगा। साथ ही आयोजनों के आकार और विस्तार को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि खेल जगत अपनी लोकप्रियता का उपयोग पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने के लिए करे। फुटबॉल खिलाड़ियों और खेल सितारों का प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है। यदि वे जलवायु संरक्षण का संदेश देंगे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद मिल सकती है। खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का शक्तिशाली साधन भी बन सकता है। फीफा विश्व कप 2026 को लेकर उठी कार्बन उत्सर्जन की चिंता हमें एक व्यापक सच्चाई की ओर संकेत करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेलों की चमक के साथ पर्यावरणीय चेतना का प्रकाश भी उतना ही प्रखर हो, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित पृथ्वी पर अपने सपनों का खेल खेल सकें।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंथन
सोनम लववंशी

मां की गोद से डे-केयर तक ... क्या सुरक्षित है बचपन

किसी भी समाज का भविष्य उसके संसद भवनों, शेयर बाज़ारों या कॉर्पोरेट टावरों में नहीं, उन नन्हें हाथों में पलता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यही कारण है कि किसी राष्ट्र की सभ्यता का सबसे बड़ा पैमाना यह नहीं होता कि उसकी अर्थव्यवस्था कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, बल्कि यह होता है कि उसके सबसे मासूम नागरिक कितने सुरक्षित हैं। जब दो-तीन वर्ष का एक बच्चा, जो बोलकर अपना दर्द भी बता नहीं सकता, उसी स्थान पर प्रताड़ित होने लगे जहां उसे सुरक्षा और स्नेह मिलना चाहिए, तब ये सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं रहती, पूरे समाज के नैतिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। बेंगलुरु के एक कॉर्पोरेट परिसर स्थित डे-केयर सेंटर से सामने आए कथित दुर्व्यवहार के वीडियो ने पूरे देश को झकझोर दिया है। वीडियो में छोटे बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद पुलिस ने कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। बाल अधिकार संस्थाओं ने हस्तक्षेप किया और संबंधित डे-केयर केंद्र को बंद करना पड़ा। यह कार्रवाई आवश्यक थी, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि यदि यह वीडियो सामने नहीं आता, तो क्या उन बच्चों की पीड़ा कभी व्यवस्था तक पहुंच पाती? क्या हमारे संस्थागत तंत्र की संवेदनशीलता अब केवल वायरल वीडियो पर निर्भर हो गई है? भारत तेज़ी से बदल रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, महानगर फैल रहे हैं और लाखों महिलाएं कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे में डे-केयर अब सुविधा नहीं, सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की बात करती है।

कॉर्पोरेट जगत 'समावेशी कार्यस्थल' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' के दावे करता है। इस पूरे विमर्श में सबसे अहम सवाल अक्सर छूट जाता है कि जब माता-पिता कार्यस्थल पर होंगे, तब उनके छोटे बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 के तहत 50 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में क्रेच सुविधा का प्रावधान किया गया। दूसरी ओर केंद्र सरकार पालना योजना के माध्यम से आंगनवाड़ी-सह-क्रेच व्यवस्था का विस्तार कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में 14,599 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच स्वीकृत किए जा चुके हैं और 2,448 क्रेच संचालित हैं। उद्देश्य स्पष्ट है कामकाजी महिलाओं को सहयोग और छोटे बच्चों को सुरक्षित देखभाल उपलब्ध कराना। लेकिन यहीं सबसे बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। यदि योजनाएं हैं, कानून हैं और संस्थाएँ भी हैं, तो फिर अभिभावकों का भरोसा बार-बार क्यों टूट रहा है? इसका उत्तर केवल किसी एक कर्मचारी की क्रूरता में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कमजोरी में छिपा है जहां डे-केयर खोलना अपेक्षाकृत आसान है, पर उसकी गुणवत्ता, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पुलिस सत्यापन और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था अब भी बिखरी हुई है। बच्चों की सुरक्षा केवल भवन, खिलौनों और रंगीन दीवारों से सुनिश्चित नहीं होती; वह प्रशिक्षित और संवेदनशील मानव संसाधन से सुनिश्चित होती है। यूनिसेफ और प्रारंभिक बाल विकास से जुड़े वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि जीवन के पहले पांच वर्ष बच्चे के मस्तिष्क और व्यक्तित्व के विकास के लिए सबसे निर्णायक होते हैं। इसी दौर में मिला प्रेम, सम्मान और सुरक्षा उसके पूरे जीवन की दिशा तय करते हैं।

इसके विपरीत भय, अपमान और हिंसा उसके भावनात्मक विकास पर गहरा प्रभाव छोड़ सकते हैं। इसलिए डे-केयर केवल बच्चों को कुछ घंटों तक रखने की जगह नहीं होता यह भविष्य गढ़ने का स्थान है। यदि वही स्थान भय का पर्याय बन जाए, तो उसका नुकसान केवल एक परिवार नहीं, पूरा समाज उठाता है। बेंगलुरु की घटना को किसी एक शहर या एक कंपनी की समस्या मानकर भुला देना आसान होगा। कठिन काम यह स्वीकार करना है कि यह घटना हमारी नीतियों, हमारी निगरानी व्यवस्था और हमारी सामाजिक प्राथमिकताओं की कमियों को उजागर करती है। अंततः किसी भी राष्ट्र का भविष्य संसद की बहसों, आर्थिक सर्वेक्षणों या कॉर्पोरेट मुनाफ़ों में नहीं लिखा जाता। वह उन नन्हे कदमों में आकार लेता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यदि हम उस भरोसे की रक्षा नहीं कर सके, तो इतिहास हमारी आर्थिक उपलब्धियों से अधिक हमारी नैतिक विफलताओं को याद रखेगा। क्योंकि किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी परीक्षा उसके बच्चों की मुस्कान होती है। यदि वही मुस्कान भय में बदल जाए, तो विकास की सबसे चमकदार इमारतें भी भीतर से खोखली साबित होती हैं।

(लेखिका शोधार्थी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राम सब घट मेरा साइयां

संकलित
दर्शन

पूरे संसार में राम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है। कबीर ने कहा है-'राम सब घट मेरा साइयां'... राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में हैं। सदा सर्वदा सबके हृदय में रहेंगे, लेकिन हमारे स्वार्थ, हमारे हेतु, हमारी मानसिकताओं के कारण कभी-कभी हम राम को साधन बना बैठते हैं। इसलिए हम राम को सही रूप में नहीं समझ पाते। प्रत्येक व्यक्ति में यदि हमें सिया राम के दर्शन होने लगें तो तमाम भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। जातीय आधार पर भेदभाव काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसके लिए धर्माचार्यों को आगे आना होगा। धार्मिक क्षेत्र हो, राजनीतिक या फिर सामाजिक क्षेत्र, अंतिम व्यक्ति पूज्य होना चाहिए। अगर अंतिम व्यक्ति आप तक नहीं पहुंच पा रहा है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस तक पहुंचें। भारतीय दर्शन में इहलोक और परलोक की बात आती है। इहलोक और परलोक का कल्याण करने की बात मेरी दृष्टि में इह यानी अपने संसार के साथ-साथ दूसरों का भी कल्याण हो, ऐसा प्रयास करना ही इहलोक और परलोक को सुधारना है। दूसरों के कल्याण की भावना का क्षेत्र बहुत व्यापक है। हम व्यापक व विराट की संतान हैं, इसलिए दूसरों के कल्याण का भारतीय सोच पूरे विश्व के कल्याण का सोच है। जब हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, तो दुनिया के सभी देशों के कल्याण की बात करते हैं।

मानवता संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लड़के ने इनकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। गंभीर परिणाम भुगतने पढ़ेंगे। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा- साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

सटाका

आज की पाती

डिजिटल तकनीक का करें सही उपयोग

आज बच्चों के सामने सबसे बड़ा खतरा केवल इंटरनेट का बढ़ता उपयोग नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित और असुरक्षित उपयोग है। डिजिटल तकनीक ने शिक्षा, ज्ञान और संवाद के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही बच्चों का बचपन साइबर खतरों की गिरफ्त में आता जा रहा है। मोबाइल स्क्रीन पर बीतने वाला बढ़ता समय उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। डिजिटल युग से बच्चों को दूर रखना समाधान नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार, तकनीकी कंपनियां, विद्यालय, अभिभावक और समाज यदि मिलकर प्रयास करें, तो ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जहां बच्चे इंटरनेट के उपभोक्ता नहीं, बल्कि सुरक्षित, जागरूक, सम्मानित और सशक्त नागरिक बनकर देश के भविष्य को नई दिशा दें।

– मनोज शर्मा, करनाल

ट्रेंड

सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पीएम मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना गर्व की बात है। यह भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरी दोस्ती और दुनिया में भारत के बढ़ते सम्मान का एक और प्रमाण है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय बाल विकास मंत्री

जनता को विकल्प दें

मोदी जी कृपया जनता को विकल्प दें। देश के हर पेट्रोल पंप पर ई10, ई20 और ई0 उपलब्ध होने चाहिए। यह फैसला जनता का होना चाहिए कि वे अपनी गाड़ी में कौन सा पेट्रोल डलवाना चाहते हैं, सरकार का नहीं।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

जवाबदेही तय नहीं

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मुद्दा देशभर के गांवों तक पहुंच गया है और इसे लेकर सभी लोगों में व्यापक आक्रोश है। भाजपा-आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने मिलकर एकतरफा तरीके से मंदिर ट्रस्ट का गठन किया, लेकिन किसी की भी जवाबदेही तय नहीं की गई।
- अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

तेल कंपनियों को लाभ

दुनिया भर में कच्चे तेल के दाम गिरने से पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी कमी आई है और दूसरे देशों की जनता को तेल के घटे दामों के रूप में लाभ मिला है लेकिन इसके विपरीत भारत में भाजपा सरकार दाम नहीं घटा रही है और सरकार कंपनियों को लगातार फायदा पहुंचाने में लगी है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

ईंधन भंडार घटने से पूरे क्यूबा में बिजली आपूर्ति हुई ठप

ईंधन भंडार में लगातार कमी और जर्जर होती बिजली वितरण व्यवस्था के बीच सोमवार को पूरे क्यूबा में बिजली गुल हो गई। करीब एक करोड़ की आबादी वाले इस द्वीपीय देश में बिजली अपूर्ति ठप होने की जानकारी सरकारी बिजली कंपनी 'इलेक्ट्रिक यूनियन' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दी। कंपनी ने कहा कि बिजली बाधित होने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय ने बताया कि बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। क्यूबा में इस वर्ष जनवरी से ही ईंधन का गंभीर संकट बना हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्यूबा को तेल बेचने वाले या उसकी आपूर्ति करने वाले देशों पर शुल्क लगाने की चेतावनी दिए जाने के बाद से देश का आर्थिक और वित्तीय संकट और गहरा गया है। ईंधन संकट के कारण सार्वजनिक परिवहन लगभग ठप हो गया है, वहीं अस्पतालों में हजारों निर्धारित सर्जरी भी रद्द करनी पड़ी हैं। ऊर्जा मंत्री विसेंटे दे ला ओ लेवी ने बताया कि बिजली गुल होने के कुछ ही घंटों बाद देशभर में छोटे-छोटे विद्युत तंत्र (माइक्रोसिस्टम) चालू कर दिए गए थे। उन्होंने कहा, 'हम जटिल स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो हमारे ऊपर लगाए गए ऊर्जा प्रतिबंधों के कारण और गंभीर हो गई है।

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं – लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है – एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा – 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

दुनिया भर में प्रसिद्ध कुछ ऐसे ब्रांडेड एक्सेसरीज, जिनके पीछे छिपी हैं अनोखी कहानियां

फैशन की दुनिया में कुछ एक्सेसरीज ऐसी होती हैं, जिन्हें पाना हर किसी का सपना होता है। ये न केवल अपनी डिजाइन और गुणवत्ता के लिए जानी जाती हैं, बल्कि उनके पीछे की कहानियां भी बहुत दिलचस्प होती हैं। इन एक्सेसरीज की खासियत इन्हें अन्य सामानों से अलग बनाती है और इन्हें एक खास पहचान देती है। आइए आज हम आपको 5 ऐसी मशहूर एक्सेसरीज के बारे में बताते हैं, जिनके पीछे की कहानियां जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

गुच्ची बैग

गुच्ची एक ऐसा नाम है, जो अपने शानदार उत्पादों के लिए मशहूर है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि गुच्ची बैग की शुरुआत एक छोटे से कारखाने से हुई थी? यह कारखाना इटली के फ्लोरेंस शहर में स्थित था और यहां पहले चमड़े के उत्पाद बनाए जाते थे। धीरे-धीरे गुच्ची बैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनियाभर में पहचान बनाई। आज गुच्ची बैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं।

रोलेक्स की घड़ी

रोलेक्स की घड़ियां दुनिया भर में समय बताने के साथ-साथ स्टाइल का प्रतीक भी बन गई हैं। इनकी खासियत सिर्फ समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि इनके पीछे एक लंबी कहानी है। रोलेक्स की शुरुआत 1905 में लंदन से हुई थी, जब हंस विल्सडॉर्फ नामक एक युवा उद्यमी ने इस ब्रांड की शुरुआत की थी। उन्होंने सबसे पहले पेरिस में अपनी घड़ियों को बेचना शुरू किया और फिर धीरे-धीरे रोलेक्स ने अपनी पहचान बनाई।

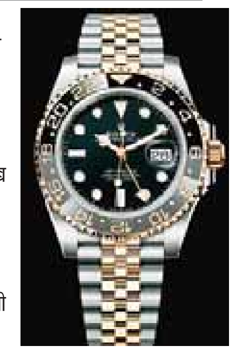

चैनल हैंडबैग

चैनल हैंडबैग फैशन की दुनिया में एक अहम स्थान रखता है। इस ब्रांड की शुरुआत कोको चैनल ने 1910 में फ्रांस में की थी। उनके द्वारा बनाए गए पहले हैंडबैग बहुत सरल दिखते थे, लेकिन उनकी गुणवत्ता बेहतरीन थी। धीरे-धीरे इन हैंडबैग ने अपनी अनोखी डिजाइन और गुणवत्ता के कारण दुनिया भर में पहचान बनाई। आज चैनल हैंडबैग एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। ये न केवल फैशन, बल्कि इतिहास का भी हिस्सा हैं।

डोल्से एंड गबबाना के चश्मे

डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे अपने अनोखे डिजाइन और गुणवत्ता के लिए मशहूर हैं। इनकी शुरुआत 1980 में इटली में हुई थी, जब डोमेनिको डोल्से और स्टेफानो गब्बाना ने यह ब्रांड खोला था। डोल्से एंड गब्बाना के चश्मे ने जल्द ही अपनी पहचान बनाई और आज ये एक पहचान का प्रतीक बन चुके हैं। इन एक्सेसरीज की कहानियां हमें सिखाती हैं कि सफलता केवल गुणवत्ता और डिजाइन पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मेहनत और समर्पण भी जरूरी है।

दुनिया का सबसे खूबसूरत कॉलेज, क्लासरूम लगता है परियों का देश

वारसॉ। दुनिया भर में कई विश्वविद्यालय हैं जो अपनी पढ़ाई के स्तर के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन पोलैंड का व्रोकलॉ विश्वविद्यालय अपनी भव्य और मनमोहक वास्तुकला के कारण अलग ही जगह रखता है। इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत कॉलेजों में शुमार किया जाता है। यहां के क्लासरूम, हॉल और इमारतें देखकर ऐसा लगता है मानो कोई परी कथा जीवंत हो गई हो। कॉलेज के छात्र यहां क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं। व्रोकलॉ विश्वविद्यालय पोलैंड के व्रोकलॉ शहर में स्थित है। इसकी स्थापना 1702 में हुई थी और यह पोलैंड के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। लेकिन, इसकी प्रसिद्धि सिर्फ उम्र या पढ़ाई के कारण नहीं है। इसकी इमारतें गोथिक, बारोक और रेनेसां शैली का अद्भुत मिश्रण हैं।

क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं छात्र

आर्ट का बेहतरीन फॉर्म

लाल ईंटों की भव्य इमारतें, ऊंची-ऊंची छतें, रंगीन ग्लास वाली खिड़कियां, नक्काशीदार स्तंभ और विशाल लाइब्रेरी देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। छात्र बताते हैं कि इतनी सुंदर जगह पर पढ़ाई करना खुद में एक अनोखा अनुभव है। क्लासरूम इतने आकर्षक हैं कि पढ़ते-पढ़ते ध्यान भटक जाता है। यूनिवर्सिटी का मुख्य बिल्डिंग, ऑडिटोरियम और आंतरिक हॉल इतने शानदार हैं कि पर्यटक भी इन्हें देखने के लिए खासतौर पर आते हैं। कई लोग इसे 'परियों का महल' कहकर पुकारते हैं।

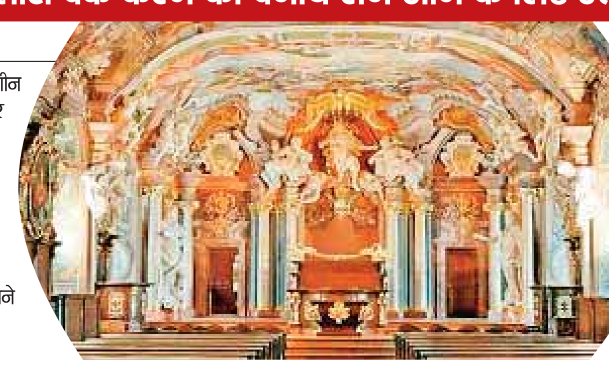

पढ़ाई भी शानदार

पोलैंड में शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहद अच्छी मानी जाती है। व्रोकलॉ यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग, साइंस, ह्यूमैनिटीज, लॉ और मेडिसिन जैसे कई कोर्स पढ़ाए जाते हैं। यहां कम फीस, अच्छी फैसिलिटी और विश्व स्तरीय शिक्षा मिलती है। यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र यहां पढ़ने आते हैं। भारतीय छात्रों के लिए भी यह यूनिवर्सिटी आकर्षक विकल्प है। कई भारतीय यहां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं। वे बताते हैं कि कैंपस की सुंदरता मन को शांत रखती है और पढ़ाई में मदद करती है। भारत के जर्जर कॉलेज भवनों की तुलना में यहां का माहौल बिल्कुल अलग है। यूनिवर्सिटी के आसपास का इलाका भी बेहद खूबसूरत है। व्रोकलॉ शहर को पोलैंड का वेनिस भी कहा जाता है, क्योंकि यहां नदियां और पुरानी इमारतें बहुतायत में हैं।

रोचक खबरें

यहां समुद्र में फेंक दी जाती है लाखों-करोड़ों की वाइन, सालों तक पानी के अंदर है सड़ती

मैड्रिड। वैसे तो दुनिया के कई हिस्सों में वाइन बनाई जाती है, लेकिन स्पैनिश वाइन का अपना ही मजा है। वाइन बनाने वाले देश स्पेन में एक अनोखा ट्रेंड चल रहा है। कई कंपनियां अपनी महंगी वाइन को समुद्र के अंदर फेंक देती हैं। लाखों-करोड़ों रुपए की बोतलें पानी के नीचे सालों तक रहती हैं और फिर निकालकर महंगे दामों में बेची जाती हैं। कंपनियां खास बोतलों को मजबूत क्रेट्स में पैक करके समुद्र की गहराई में डुबो देती हैं। वहां अंधेरा, उच्च दबाव और लगातार हलचल रहती है। कंपनियों का मानना है कि अंधेरी गहराई से रोशनी नहीं पहुंचती, जिससे वाइन का स्वाद बेहतर बनता है। साथ ही पानी की हलचल बोतल को हिलाती रहती है, जिससे टेक्चर स्मूद और रिच होता है। इसके अलावा समुद्र का नमक और प्रेशर वाइन को यूनिक फ्लेवर देता है। कुछ साल बाद बोतलें निकाली जाती हैं। इन बोतलों पर खास सर्टिफिकेट लगाया जाता है कि ये समुद्री वृद्ध या पानी के नीचे परिपक्व हैं। समुद्र से निकाली गई वाइन सामान्य वाइन से कई गुना महंगी बिकती है। कुछ बोतलें तो लाखों रुपए में बिक जाती हैं। वाइन कलेक्टर्स और शौकीन इन्हें खास मानते हैं। लेकिन, वाइन एक्सपर्ट्स अभी भी इस बात पर पूरी तरह यकीन नहीं कर पाए हैं। कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि पानी के अंदर रखने से वाइन में कुछ केमिकल चेंज होते हैं जो स्वाद को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन, कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह ज्यादातर मार्केटिंग ट्रिक है। समुद्र में रखने से बोतलें क्षतिग्रस्त भी हो सकती हैं।

दुनिया की सबसे रंगीन चिड़ियां शरीर पर मौजूद हैं कई रंग

नई दिल्ली। प्रकृति की गैलरी में कुछ पक्षी ऐसे हैं जिन्हें देखकर लगता है कि कलाकार ने सारे रंग खर्च कर दिए हैं। ऐसा ही एक पक्षी है कोकोनट लोरीकीट। इसे दुनिया की सबसे रंगीन चिड़ियों में से एक माना जाता है। इसके पंखों पर नीला, हरा, लाल, पीला, नारंगी और बैंगनी रंगों का ऐसा कमाल का मेल है कि इसे देखकर आंखें ठहर जाती हैं। कोकोनट लोरीकीट का शरीर चमकीले हरे रंग का होता है जबकि सिर और छाती लाल-नारंगी, पंखों के किनारे नीले और पीले निशान वाले होते हैं। ये रंग ना सिर्फ सुंदरता के लिए बल्कि जंगल में छिपने और साथियों को आकर्षित करने में भी मदद करते हैं। घने जंगलों और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में ये आसानी से छिप जाते हैं, लेकिन उड़ते समय उनके रंग चमक उठते हैं। सामान्य तोतों की तरह यह बीज नहीं खाता। इसके बजाय यह फूलों का नेक्टर (रस) पीने में माहिर है। इसकी जीभ ब्रश की तरह होती है जिसके सिरे पर छोटे-छोटे बाल जैसे रेशे हैं, यह जीभ फूल में डालकर रस को चूस लेती है। इसके अलावा यह फल, नारियल का रस और कुछ कीड़े भी खा लेता है। नाम के मुताबिक यह कोकोनट (नारियल) के फूलों और फलों का बहुत शौकीन है। कोकोनट लोरीकीट ऑस्ट्रेलिया, न्यू गिनी, इंडोनेशिया और सोलोमन द्वीप समूह में पाया जाता है। ये जोड़ों या छोटे झुंडों में रहते हैं। ये बेहद चहकने वाले और सक्रिय पक्षी हैं। दिन भर फूलों से फूलों पर उड़ते रहते हैं। ये घोंसले पेड़ों के खोखले हिस्सों या चट्टानों की दरारों में बनाते हैं। मादा लोरीकीट दो से तीन अंडे देती है। माता-पिता दोनों मिलकर अंडों को सेते हैं और बच्चों को खिलाते हैं। छोटे बच्चे शुरू में बिना पंखों वाले और कमजोर होते हैं, लेकिन जल्दी ही मां-बाप की तरह रंगीन बन जाते हैं।

चेतावनी

सिर्फ तेज हवा कसूरवार नहीं, चौंका देगी वजह

बारिश आते ही क्यों ताश के पत्तों की तरह ढह रहे हैं भारी-भरकम पेड़?

मुंबई। बारिश की बूंदें जब राहत बनकर बरसती हैं, तो कोई नहीं सोचता कि सड़क किनारे छांव देने वाला पेड़ अचानक किसी की मौत का कारण भी बन सकता है! मानसून की भारी बारिश के बीच बीते एक हफ्ते में तीन जिंदगियां जिनमें एक 11 साल का बच्चा भी शामिल था पेड़ गिरने की वजह से हमेशा के लिए खत्म हो गईं। बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, मात्र एक ही दिन में 142 जगहों पर पेड़ या उनकी शाखाएं टूटकर गिरीं। यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। आखिर क्यों हमारे शहरों के रक्षक कहे जाने वाले ये पेड़ अचानक बारिश हवा आते ही गिरने लगते हैं? क्या इसके पीछे सिर्फ हवा ही कारण है?

तो क्या सिर्फ तेज हवाएं गिरा रही हैं पेड़?

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि तेज आंधी के कारण से पेड़ गिरते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि असल कहानी कुछ और ही है। स्वस्थ और मजबूत पेड़ सिर्फ हवा के झोंकों से कभी नहीं गिरता। पेड़ असल में तब उखड़ते हैं जब उनकी जड़ें या तने पहले से ही कमजोर हो चुके हों। लगातार होने वाली बारिश से जमीन की मिट्टी पूरी तरह पानी सोख लेती है और दलदल जैसा रूप ले लेती है। इससे जड़ों पर मिट्टी की पकड़ ढीली हो जाती है। ऐसे में जब तेज हवाएं पेड़ के ऊपरी हिस्से से टकराती हैं, तो कमजोर हो चुकी मिट्टी पेड़ का वजन नहीं संभाल पाती और पूरा का पूरा पेड़ जड़ समेत उखड़ जाता है। ऊंचे पेड़ों के साथ यह खतरा और ज्यादा होता है क्योंकि उनकी लंबाई के कारण जड़ों पर प्रेशर कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।

शहरीकरण बना सबसे बड़ा विलेन

पेड़ों के गिरने के पीछे कई कारण हैं, इनमें एक शहरीकरण भी है। शहरों में कंक्रीट का जाल, बिना प्लानिंग के निर्माण कार्य, सड़कों को चौड़ा करना, केबल और पाइपलाइनों के लिए की जाने वाली खुदाई और फुटपाथों का कंक्रीटीकरण पेड़ों की जड़ों को बुरी तरह डैमेज कर रहा है। फुटपाथों पर कंक्रीट बिछने के कारण मिट्टी तक ऑक्सीजन और पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे पेड़ अंदर ही अंदर खोखले और कमजोर हो रहे हैं।

शहरों में क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

भारत के तेजी से बढ़ते शहर आज पेड़ों के लिए खतरा बन चुके हैं। सड़कों के किनारे लगे पेड़ों को कंक्रीट के छोटे-छोटे गड्ढों में कैद कर दिया गया है, जिससे उनकी जड़ें फैल नहीं पातीं. बिना फैली जड़ों के ये पेड़ भारी तूफानों को झेलने में शक्तिशाली नहीं हो पाते हैं। दूसरी तरफ, क्लाइमेट चेंज के कारण अब कम समय में बहुत भारी बारिश और बेहद तेज हवाएं चलने लगी हैं।

खुला 1700 साल पुराना राज

काहिरा। पुरातत्वविदों के हाथों बड़ी कामयाबी लगी है। उन्होंने बाइजेंटाइन युग का प्राचीन शहर खोज निकाला है। यह शहर मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में मिला, जो अच्छी तरह संरक्षित हालत में था। पुरातत्वविदों को खुदाई में सिक्के, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े और औजार भी मिले। इसके अलावा, अलेक्जेंड्रिया के पास मरीना अल-अलेमैन में 18 प्राचीन कब्रें भी खोजी गई हैं। इनमें से कई कब्रें चट्टान काटकर बनाई गई थीं, जबकि कई कब्रें चूने पत्थर की बनी थीं। साथ ही, मिट्टी के बर्तन और ग्रेनाइट सारकोफैगस भी मिले।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो प्राचीन शहर खोजा गया, वह व्यवस्थित तरीके से बनाया गया था। उसमें सड़कों का बढ़िया जाल बनाया गया था। उसमें उत्तर-दक्षिण दिशा की मुख्य सड़कें पूर्व-पश्चिम सड़कों से काटती हुई मिलीं, जो खुले चौकों और सार्वजनिक स्थानों का निर्माण करती हुई दिखीं. यह सर्वोच्च पुरातत्व परिषद के महासचिव हिशाम अल-लीथी ने दी।

किलेबंद ढांचा और कई घर भी आए नजर

मसऊद ने बताया कि खुदाई में मोटी रक्षात्मक दीवारों वाला एक मजबूत किलेबंद ढांचा और कई घर भी मिले। उन घरों में स्वागत कक्ष और मेहराबदार छतें थीं। इनमें से एक घर तिसौस का था, जो एक चर्च डीकन का भी काम करता था। पुरातत्वविदों ने ब्रेड ओवन, रसोई, पिसाई के औजार और बाइजेंटाइन सम्राटों के चित्र वाले कांस्य सिक्के भी खोजे, जिन पर लैटिन शिलालेख और ईसाई प्रतीक अंकित थे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, खोजे गए स्वर्ण सिक्कों का समूह रोमन सम्राट कॉन्स्टैंटियस द्वितीय के शासनकाल (337-361 ई.) का माना जा रहा है। इस्लामिक, कॉप्टिक और यहूदी पुरातत्व विभाग के प्रमुख दिया जहरान के मुताबिक, उन्हें करीब 200 मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े मिले हैं। जिनका इस्तेमाल लेखन सामग्री के रूप में किया जाता था। इन टुकड़ों को ऑस्ट्राका कहा जाता था। उन पर व्यावसायिक लेन-देन, पत्राचार और दैनिक जीवन से जुड़े दूसरे विवरण अंकित थे।

48 कब्रों की भी हुई खोज

पुरातत्वविदों ने मरीना अल-अलेमैन पुरातत्व स्थल पर प्राचीन कब्रें भी खोजीं, जो भूमध्यसागरीय शहर अलेक्जेंड्रिया से करीब 100 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मंत्रालय के अनुसार, वहां पर 11 चट्टान काटकर बनाई गई कब्रें मिलीं, जिनकी औसत गहराई 8 मीटर थी। साथ ही, 7 सतही चूने पत्थर की कब्रें भी मिलीं. इसके साथ ही इस स्थल पर कुल खोजी गई कब्रों की संख्या 48 हो गई है। वहां पर पुरातत्वविदों को मिट्टी के बर्तन, एम्फोरा, लैंप, प्लेट, वेदियां और चूने पत्थर के बेसिन मिले। मिशन प्रमुख इमान अब्देल-खालिक ने बताया कि उन्हें 2.5 मीटर लंबा एक ग्रेनाइट सारकोफैगस भी मिला, जिसमें कंकाल के अवशेष थे। सारकोफैगस के पास प्लास्टर से बनी स्फिंक्स मूर्ति के अवशेष मिले हैं।

चौथी शताब्दी के बाद लुप्त हो गया था शहर

कुछ मृतकों के कंकालों के मुंह में चार स्वर्ण टुकड़े रखे गए थे, जिसे 'स्वर्ण जिह्वा' कहा जाता है। यह उस युग की अंतिम संस्कार संबंधी मान्यताओं से जुड़ी प्रथा थी। मरीना अल-अलेमैन मिस्र के उत्तरी तट पर अल-अलेमैन शहर के पास स्थित पुरातत्व स्थल है, जिसकी खोज 1986 में हुई थी। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह प्राचीन ग्रीको-रोमन बंदरगाह शहर ल्यूकास्पिस था, जो दूसरी शताब्दी में बसाया गया था और चौथी शताब्दी तक समृद्ध रहा. उसके बाद विभिन्न वजहों से वह शहर लुप्त होकर जमीन में दफन हो गया।

सफेद-भूरा नहीं, ये है दुनिया के सबसे खूबसूरत अंडे

नई दिल्ली। आपने अंडे अक्सर सफेद या भूरे रंग के ही देखे होंगे। भारत में मुर्गी पालन के फार्म अंडे ज्यादातर सफेद होते हैं, जबकि देसी मुर्गियों के अंडे हल्के भूरे रंग के। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया भर में कुछ पक्षी ऐसे अंडे देते हैं जिन्हें देखकर आंखें ठहर सी जाती हैं? ये अंडे इतने खूबसूरत और अनोखे होते हैं कि कई बार लोग इन्हें पॉलिश किए गए रंगीन पत्थर समझ बैठते हैं।

प्रकृति की इस अनोखी कृति ने ना सिर्फ सुंदरता का खजाना दिया है, बल्कि जीव विज्ञान के कई रहस्य भी छिपाए हैं। आज हम आपको प्रकृति के कुछ ऐसे अंडों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बाद में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। ये अंडे बेहद खूबसूरत दिखते हैं। पहली बार में तो लोगों को यकीन ही नहीं होता है कि ये कोई आर्ट वर्क नहीं, बल्कि अंडे हैं।

मां का खूबसूरत खजाना

सबसे चर्चित अंडों में से एक है ग्रेट तिनामु का अंडा। यह मध्य और दक्षिण अमेरिका का पक्षी है। इसका अंडा गहरे बैंगनी-नीले रंग का होता है, जो चमकदार और लगभग चमकीला दिखता है। ये अंडे इतने आकर्षक होते हैं कि इन्हें देखने वाले पर्यटक और प्रकृति प्रेमी हैरान रह जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह रंग छिपाव के लिए नहीं, बल्कि संभवतः नर पक्षी को आकर्षित करने या अंडों की पहचान के लिए विकसित हुआ है। अमेरिकन रॉबिन के अंडे भी कम चर्चित नहीं है। ये चमकीले नीले रंग के होते हैं जिन पर कभी-कभी हल्के धब्बे भी दिखते हैं। इनके नीले रंग का कारण बिलिवर्डिन नामक पिगमेंट है, जो पित्त में पाया जाता है।

रोबिन मां अपने घोंसले को पत्तियों और कीचड़ से बनाती है, जिसके बीच ये नीले अंडे बेहद खूबसूरत लगते हैं। यह रंग शिकारियों से बचाव में भी मदद करता है, क्योंकि नीला रंग जंगल की छाया में घुल-मिल जाता है। लिस्ट में इमू के अंडे भी शामिल है। प्रकृति का एक अनोखा तोहफा हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस बड़े पक्षी के अंडे गहरे हरे रंग के होते हैं, जिन पर नक्काशीदार जैसी बनावट होती है। ये अंडे बड़े आकार के होते हैं और इनका रंग समय के साथ थोड़ा बदल सकता है। इमू अंडे का हरा रंग भी बिलिवर्डिन पिगमेंट से आता है। मादा इमू अंडे देने के बाद नर इमू 8 हफ्तों तक इन्हें सेता है। इस दौरान वह भोजन भी नहीं खाता और सिर्फ अंडों की रक्षा करता है।

हैरान करता है प्रकृति का चमत्कार

इनके अलावा कई अन्य पक्षी भी अनोखे अंडे देते हैं। उदाहरण के लिए कॉमन म्यूर के अंडे नाशपाती के आकार के होते हैं, जो चट्टानों पर घूमने पर भी गिरते नहीं हैं। इन पर काले-भूरे पैटर्न होते हैं जो हर अंडे पर अलग-अलग होते हैं, जिससे मां पक्षी अपनी संतान को आसानी से पहचान लेती है। ईस्टर्न ब्लूबर्ड के अंडे हल्के नीले होते हैं, जबकि कुछ प्रजातियों के अंडे लाल, गुलाबी या यहां तक कि काले धब्बों वाले भी होते हैं।

ये रंग क्यों बनते हैं?

पक्षियों के अंडों के रंग और पैटर्न मुख्य रूप से दो पिगमेंट्स से आते हैं- प्रोट्रोपोर्फिरिन (लाल-भूरा) और बिलिवर्डिन (नीला-हरा)। ये पिगमेंट्स अंडे की खोल पर जमा होकर अलग-अलग डिजाइन बनाते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ये रंग कई उद्देश्यों के लिए विकसित हुए हैं, जिसमें छिपाव यानी जंगल या घास में अंडे छिपे रहना शामिल है। इसके अलावा मां पक्षी अपने अंडों को दूसरों से अलग पहचान सके, इसे संरक्षण मिल सके भी शामिल है। कुछ रंग परजीवियों या बैक्टीरिया से बचाते हैं। वहीं, कुछ मामलों में नर पक्षी को आकर्षित करने के लिए अंडे रंगीन होते हैं।

भारत में भी मिलते हैं अनोखे अंडे

भारत में मोरनी के अंडे हल्के भूरे-पीले होते हैं, जबकि कुछ जंगली पक्षी जैसे कोयल के अंडे अन्य पक्षियों के घोंसलों में मिलते-जुलते होते हैं, ताकि वे उन्हें अपना समझकर से सकें। हिमालय क्षेत्र में कुछ पक्षियों के अंडे हरे-नीले रंग के पाए जाते हैं।

आंख फड़कना रोकने के चक्कर में खुद को किया अंधा!

बीजिंग। चीन में एक पुरानी कहावत बहुत मशहूर है कि बाईं आंख फड़के तो पैसा आए, दाईं फड़के तो मुसीबत आए। बस इसी डर से ले काफी ज्यादा परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि दाहिनी आंख का फड़कना उसके लिए कोई बुरा संकेत है। कुछ बड़ा अनहोनी होने वाली है। उसने पहले आंखों को आराम दिया, गर्म कपड़े से सेंक भी लगाई, पर फड़कना बंद ही नहीं हुआ। चीन में कई बुजुर्ग तो ये भी मानते हैं कि पलक पर सफेद कागज की पट्टी चिपका दो तो फड़कना रुक जाता है। ले ने ये सब नहीं किया। उसने सीधा अपनी आंख के आसपास जोर-जोर से थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। एक दिन नहीं, दो दिन नहीं, पूरे तीन दिन तक वो ऐसा करता रहा। नतीजा ये हुआ कि फड़कना तो रुक गया, लेकिन उसकी आंखों की रोशनी जाने लगी। पहले साइड से दिखना बंद हुआ। उसे लगा शायद थकान है। फिर धीरे-धीरे सामने भी धुंधला दिखने लगा। जब हालत ज्यादा खराब हुई तो वो डॉक्टर के पास भागा।

जांच में पता चला कि उसकी रेटिना अपनी जगह से खिसक गई है, जिसे मेडिकल भाषा में रेटिनल डिटैचमेंट कहते हैं। डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी की। किस्मत अच्छी थी कि ऑपरेशन के बाद उसकी आंखों की रोशनी वापस आ गई। लेकिन सोचिए, जरा सी लापरवाही और अंधविश्वास की वजह से वो हमेशा के लिए अंधा भी हो सकता था। डॉक्टरों का कहना है कि हमारी रेटिना बहुत ही नाजुक होती है। उसकी मोटाई 0.3 मिलीमीटर से भी कम है, यानी कागज से भी पतली। अगर आप आंख पर तेज थप्पड़ मारते हैं तो उसका झटका सीधा पुतली और रेटिना तक पहुंचता है। इससे रेटिना फट सकती है या अपनी जगह से हट सकती है। और एक बार रेटिना डैमेज हो गई तो रोशनी जाना तय है।

शरीर का सिग्नल है पलकों का फड़कना

ले ने इस पूरे मामले पर अभी तक कुछ नहीं बोला है। शायद वो खुद भी शर्मिंदा होगा कि एक छोटी सी बात के लिए उसने अपनी आंख दांव पर लगा दी। डॉक्टर बताते हैं कि ज्यादातर केस में पलकों का फड़कना कोई अपशगुन-वपशगुन नहीं होता। ये बस शरीर का सिग्नल है। जब हम बहुत देर तक मोबाइल या लैपटॉप देखते हैं, नींद पूरी नहीं होती, या टेंशन ज्यादा ले लेते हैं, तो आंखें फड़कने लगती हैं। आमतौर पर अच्छी नींद लेने से, स्क्रीन टाइम कम करने से और स्ट्रेस कम करने से ये अपने आप ठीक हो जाता है। हां, अगर फड़कना एक हफ्ते से ज्यादा खिंच जाए, या फिर गाल और होंठ के आसपास भी होने लगे, तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। तब न्यूरोलॉजिस्ट या आई स्पेशलिस्ट को दिखाना जरूरी है। चीन में ऐसा पहले भी हो चुका है। हुनान प्रांत की एक महिला की बाईं आंख तीन साल तक फड़कती रही. पर वो डॉक्टर के पास नहीं गई क्योंकि उसे लगता था कि बाईं आंख फड़कना तो लकी होता है, पैसा आएगा. नतीजा ये हुआ कि जून तक उसकी आधी चेहरे की मसल्स खिंचने लगीं. डॉक्टरों ने बताया कि उसे हेमिफेशियल स्पाज्म हो गया था।

छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाने के नियम सख्त: नदी-आबादी और स्कूलों से रखनी होगी दूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब उद्योग लगाने के लिए स्थान का चयन पहले की तुलना में अधिक सख्त नियमों के तहत करना होगा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) ने उद्योगों की स्थापना के लिए नए 'साइटिंग क्राइटेरिया' (स्थान चयन मानदंड) अधिसूचित कर दिए हैं। इसके तहत उद्योगों को नदियों, तालाबों, आबादी, स्कूलों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों और इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से न्यूनतम निर्धारित दूरी बनाए रखना अनिवार्य होगा। यह आदेश वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 तथा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। इसका उद्देश्य उद्योगों के कारण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना है।

जल स्रोतों से इतनी दूरी जरूरी

राजस्व अभिलेखों के अनुसार किसी भी सतही जल स्रोत (बाढ़ क्षेत्र, एचएफएल अथवा रेड लाइन) की सीमा से उद्योगों की न्यूनतम दूरी तय की गई है। रेड श्रेणी के उद्योग - 500 मीटर से अधिक दूरी। ऑरेंज श्रेणी के उद्योग : अपशिष्ट जल उत्पन्न करने वाले उद्योग- 75 मीटर से अधिक। अपशिष्ट जल उत्पन्न नहीं करने वाले उद्योग - 30 मीटर से अधिक। ग्रीन श्रेणी के उद्योग- 30 मीटर से अधिक दूरी।

क्या होगा असर

नए मानदंडों से जल स्रोतों, आबादी और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के निकट प्रदूषणकारी उद्योग स्थापित करने पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया में स्थान चयन को लेकर स्पष्ट और एकरूप नियम लागू हो जाएंगे, जिससे भविष्य में पर्यावरणीय विवादों और जन-आपत्तियों को भी कम करने में मदद मिलने की संभावना है।

आबादी, स्कूल और धार्मिक स्थलों के लिए अलग नियम

रिहायशी क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों, पूजा स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों तथा इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से भी न्यूनतम दूरी निर्धारित की गई है। रेड श्रेणी- 500 मीटर। ऑरेंज श्रेणी - 200 मीटर। ग्रीन श्रेणी - 100 मीटर।

हैकाथॉन विजेताओं को पुलिस कप्तान ने किया पुरस्कृत, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को सौंपी डिजिटल सुरक्षा की जिम्मेदारी

सेफ क्लिक 2.0: हैकाथॉन से साइबर अपराध पर प्रहार की तैयारी

जबलपुर। बढ़ते साइबर अपराधों के बीच जबलपुर पुलिस ने 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान को जनभागीदारी से मजबूत करने की पहल की है। मध्य प्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में साइबर हैकाथॉन आयोजित किया गया। इसमें इंजीनियरिंग कॉलेजों और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के साइबर वॉलेंटियर्स की 21 टीमों ने ऑनलाइन ठगी, डार्क वेब गतिविधियों और फर्जी बैंक खातों की पहचान जैसे गंभीर विषयों पर तकनीकी मॉडल प्रस्तुत किए। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

हैकाथॉन में जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज, ज्ञान गंगा इंजीनियरिंग कॉलेज, हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज, लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। 'टीम वासिलिएड्स' ने डार्क वेब पर संदिग्ध अवैध गतिविधियों की जियोफेंसिंग के लिए तैयार मॉडल के आधार पर पहला स्थान हासिल किया। टीम में सयामन लाल, यश नामदेव, प्रवीण रजक और उत्कर्ष कुशवाहा शामिल रहे। म्यूल बैंक खातों की पहचान के मॉडल पर 'टीम ट्रेलब्लेजर्स' को दूसरा और 'टीम फिन म्यूल हंटर्स' को तीसरा स्थान मिला।

इन्फ्लूएंसर्स के जरिए डिजिटल सुरक्षा का संदेश

हैकाथॉन के बाद कप्तान उपाध्याय ने शहर के 25 से 30 सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स की बैठक ली। उन्हें अभियान की जानकारी देते हुए साइबर अपराधों से बचाव संबंधी रील और वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रसारित करने के निर्देश दिए गए। उद्देश्य यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं और आम नागरिकों तक फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, निवेश ठगी और सोशल मीडिया हैकिंग से बचाव का संदेश तेजी से पहुंचे।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में एएसपी सिटी आयुष जाखड़, एएसपी ग्रामीण अनु बेनीवाल, एएसपी क्राइम जितेंद्र सिंह, साइबर डीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों में डॉ. आज्ञा मिश्रा, प्रोफेसर पूजा दुबे, डॉ. सिद्धार्थ भालेराव और प्रोफेसर अमित कुरारिया ने भी सहभागिता की।

मॉल से गांव तक चला साइबर रथ

अभियान के तहत कृष्ण अवतार मॉल की बड़ी स्क्रीन पर साइबर सुरक्षा संबंधी वीडियो क्लिपिंग चलाई गई, जिससे करीब 15 हजार लोग जागरूक हुए। रांझी, खमरिया और औद्योगिक क्षेत्रों में साइबर रथ के माध्यम से लगभग चार हजार नागरिकों को जानकारी दी गई। कुंडम के सीएम राइज स्कूल में 400 विद्यार्थियों, विजय नगर में लाइफ लाइन फाउंडेशन की 100 महिलाओं, पुलिस लाइन में 200 खिलाड़ियों, पनागर बाजार में 500 लोगों और बरेला स्थित मंगलायतन विश्वविद्यालय में 250 विद्यार्थियों व शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के उपाय बताए गए।

40 हजार तक पहुंची जागरूकता

पुलिस के अनुसार विभिन्न थाना क्षेत्रों में चौपाल, नुक्कड़ नाटक, वीडियो स्क्रीनिंग, पंपलेट वितरण और साइबर शपथ के जरिए एक दिन में करीब 40 हजार लोगों तक अभियान पहुंचाया गया। पुलिस ने अपील की है कि संदिग्ध कॉल, लिंक, फाइल अथवा अधिक रिटर्न के निवेश प्रस्तावों पर भरोसा न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट पर शिकायत दर्ज कराएं।

नशे के खिलाफ जनजागरूकता जरूरी, दवा नियमों की जानकारी आमजन तक पहुंचे : ड्रग इंस्पेक्टर

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन द्वारा मदन महल में नशा मुक्ति एवं दवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने नशीली दवाओं, प्रतिबंधित दवाओं, कोडीन युक्त सिरप, इंजेक्शन, मेडिकल स्टोर संचालन के नियम, नकली एवं एक्सपायरी दवाओं की पहचान तथा एंटीबायोटिक के दुरुपयोग सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होलसेल दवा विक्रेता फुटकर दवा बिक्री नहीं कर सकते और दवा नियमों का पालन अनिवार्य है। उन्होंने अवैध दवा बिक्री संबंधी शिकायत के लिए मोबाइल नंबर 88199 04545 भी जारी किया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय वाधवानी ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है, जिसके लिए जनजागरूकता और कानून का प्रभावी पालन आवश्यक है। कार्यक्रम में नागरिकों एवं संगठन पदाधिकारियों ने ड्रग इंस्पेक्टर से 34 जनहित से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनमें बिना पर्चे दवा बिक्री, मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट की उपस्थिति, नशीली दवाओं की रोकथाम, नकली दवाओं पर कार्रवाई और शिकायत प्रक्रिया जैसे विषय शामिल रहे। ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार जैन ने नागरिकों से अवैध दवा कारोबार की सूचना देने और युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक जैन, एडवोकेट भावना निगम, डॉ. मुकेश जायसवाल, एडवोकेट आशीष त्रिपाठी, एडवोकेट अमित खत्री, एडवोकेट विवेक शुक्ला, डॉ. स्नेहा मेथवानी, डॉ. अशोक मेथवानी, डॉ. कमल विश्वास, डॉ. चंद्रेश जैन एवं डॉ. श्रीकांत साहू सहित चिकित्सक, अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छह सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण के बाद एमपी-पीजीसीएल को मिले प्रशिक्षित सिविल इंजीनियर

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपी-पीजीसीएल) के 10 नवनियुक्त कनिष्ठ अभियंता (सिविल) ने राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान , नागपुर में छह सप्ताह का विशेष तकनीकी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण, संधारण, कंक्रीट टेक्नोलॉजी, मटेरियल टेस्टिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, कार्य मापन तथा आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षुओं ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर एवं कोराडी स्थित 2×600 मेगावाट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत इकाइयों का औद्योगिक भ्रमण कर निर्माण कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव भी प्राप्त किया।समापन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) दीपक कश्यप ने बताया कि कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह एवं डायरेक्टर टेक्निकल के मार्गदर्शन में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक तिवारी तथा अधीक्षण अभियंता (सिविल) बी.के. कुशवाहा भी उपस्थित रहे। डॉ. तिवारी ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष और उत्तरदायी अभियंता ही भविष्य की ऊर्जा परियोजनाओं की सफलता का आधार हैं।

मिशन लाईफ के तहत स्वच्छता रैली व पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जबलपुर। नगर निगम के संभाग क्रमांक-11 के वार्ड क्रमांक-65 में मिशन लाईफ एवं राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान की शुरुआत शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सिविल लाइन से साईं मंदिर तक निकाली गई स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण रैली से हुई। रैली में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं, MY Bharat के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने स्वच्छ वायु, पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।रैली के बाद 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद श्याम कनौजिया, संभागीय नोडल अधिकारी डॉ. अरुण शुक्ला, डॉ. मीनाक्षी मेरावी, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. अजय कुमार ठाकुर, सुश्री साक्षी मरावी, सुश्री उमा धुर्वे, सुश्री रुपाली, सुरेश रजक एवं सुधीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में एनसीसी, एनएसएस के स्वयंसेवक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने पौधारोपण कर स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त जबलपुर के निर्माण के लिए पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता गतिविधियों में निरंतर सहभागिता का संकल्प लिया।

'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर जनजागरूकता अभियान के तहत थाना जीआरपी जबलपुर ने सेंट थॉमस हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, क्यूआर कोड स्कैम और साइबर बुलिंग जैसे साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड तथा सीवीवी किसी के साथ साझा नहीं करने और सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई कि वे सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही बताया गया कि साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। थाना जीआरपी जबलपुर ने विद्यार्थियों से अपील की कि "सोच-समझकर करें क्लिक, तभी रहेगा आपका डिजिटल जीवन सुरक्षित।"

ईओडब्ल्यू ट्रैप के बाद पूर्व क्षेत्र बिजली कंपनी की बड़ी कार्रवाई, दोनों अधिकारियों का हुआ तबादला

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर की ट्रैप कार्रवाई में रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किए गए दो अधिकारियों के खिलाफ त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए उनका स्थानांतरण कर दिया है। कंपनी ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल) प्रहलाद मर्सकोले का चालू प्रभार निरस्त कर उन्हें कार्यपालन अभियंता (सिविल) कार्यालय, रीवा तथा कार्यपालन अभियंता (सिविल) चंद्रशेखर मेहरा का चालू प्रभार समाप्त कर उन्हें सहायक अभियंता (सिविल), अधीक्षण अभियंता कार्यालय, शहडोल में पदस्थ किया है। दोनों अधिकारियों को तत्काल नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।गौरतलब है कि 29 जून 2026 को ईओडब्ल्यू जबलपुर ने रामपुर स्थित कंपनी मुख्यालय में ट्रैप कार्रवाई कर दोनों अधिकारियों को कथित रूप से निर्माण कार्य के लगभग 10 लाख रुपये के बिल भुगतान के एवज में रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता और कदाचार के मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी तथा पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति बनाए रखने के लिए नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

महापौर अन्नू ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

15 अगस्त को होगा भारत माता मंदिर का लोकार्पण

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि राष्ट्र और भारत माता सर्वोपरि हैं तथा इसी भावना के साथ शहर में लगभग पौने दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे भारत माता मंदिर का भव्य लोकार्पण 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया जाएगा। उन्होंने निगमाध्यक्ष, एमआईसी सदस्यों, पार्षदों और अधिकारियों के साथ मंदिर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया।

महापौर ने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह परियोजना शहर की आस्था और गौरव से जुड़ी है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान निगमाध्यक्ष रिंकू विज, एमआईसी सदस्य विवेकराम सोनकर, दामोदर सोनी, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर एवं श्रीमती सोनिया रंजीत सिंह, अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, सहायक आयुक्त श्रीमती शिवांगी महाजन, उद्यान अधिकारी मनीष तड़से, सहायक यंत्री श्रीमती दीप्ति भनारिया तथा उपयंत्री सौरभ चौकसे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

आपदा कंट्रोल रूम 24×7 सक्रिय रखें

जबलपुर। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने लोककर्म, जलप्रदाय, अमृत योजना, सीएम हेल्पलाइन एवं आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संभाग स्तर पर आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने, नाला-नालियों की युद्धस्तर पर सफाई कराने तथा आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट रखने के आदेश दिए।

बैठक में निगमायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का एल-1 और एल-2 स्तर पर ही संतुष्टिपूर्ण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही जलप्रदाय व्यवस्था में लीकेज सुधारकर टेल-एंड तक पेयजल पहुंचाने, अमृत योजना के तहत सीवरेज एवं उद्यान विकास कार्यों में तेजी लाने तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने अगले तीन माह तक वार्ड स्तर पर पर्यावरण संरक्षण एवं पानी बचाओ अभियान चलाने की घोषणा करते हुए कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं होगा तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

एमपी ट्रांसको के साइबर जागरूकता कार्यक्रम में डिजिटल सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के शक्ति भवन मुख्यालय में "साइबर सिक्योर 2026 अभियान के तहत साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश साइबर पुलिस जोन, जबलपुर की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती उमाकांती आर्मो के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने पावर सेक्टर में बढ़ते साइबर खतरों, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल, ई-मेल और सुरक्षित डिजिटल लेनदेन के प्रति अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया।

साइबर विशेषज्ञ एवं सब-इंस्पेक्टर मोहित पांडे ने ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा में साइबर सुरक्षा की अहम भूमिका बताते हुए साइबर अपराध की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग पर जोर दिया। वहीं विशेषज्ञ राज शर्मा ने एआई युग में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों, प्रमाणित वेबसाइटों के उपयोग और संचार साथी ऐप की उपयोगिता की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसएलडीसी के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता, एमपी ट्रांसको के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव सहित लगभग 150 कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कल्पना धुर्वे ने किया तथा सभी प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

भारतीय ज्ञान परंपरा से ही संभव है पर्यावरण संरक्षण का स्थायी समाधान : डॉ. अतुल कोठारी

जबलपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, महाकौशल प्रांत एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम ग्रुप में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "पर्यावरण संरक्षण में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका" का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए और जल, वृक्ष तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और जीवन दर्शन ही वर्तमान पर्यावरणीय चुनौतियों का स्थायी समाधान प्रस्तुत करते हैं।

संगोष्ठी की अध्यक्षता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेश वर्मा ने की। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, भारतीय भाषाओं के महत्व पर बल देते हुए सभी को मातृभाषा में हस्ताक्षर करने का संकल्प दिलाया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक संजय स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व बताया।

कार्यक्रम में आर.के. करसोलिया, डॉ. राजेंद्र कुरारिया, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अल्केश चतुर्वेदी सहित अनेक शिक्षाविद, कुलपति, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण डॉ. पटेल ने दिया तथा अंत में डॉ. योगेश मोहन दुबे ने आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में जल संरक्षण, जैव विविधता, भारतीय कृषि परंपरा, पंचमहाभूत एवं सतत विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।

CHANGE OF NAME

I, **ARUNA PK** (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No **15732840M** Rank **HAV** Name **VIJAYAN J** presently, residing at **VILL PIRAYIRI, PO THIRUNELLAYI, TEH- PALAKKAD,DISTT-PALAKKAD (KERALA)-678004** I, have changed of my name from **ARUNA PK** (Name as per my Husband, Army service records) to **ARUNA P K** (name as per my **AADHAR CARD NO. 6401 7692 5487, PAN CARD NO. FCCPK6497Q)** vide affidavit dated **01/07/2026** formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME-ARUNA P K
INCORRECT NAME-ARUNA PK

नाम परिवर्तन सूचना

I, KAILAS SOMNATH KHAIRNAR / ALKABAI KAILAS KHAIRNARis legally FATHER & MOTHER of ARMY NO- 15746059X, Rank-L/NK, Name-KHAIRNAR RAHUL KAILAS presently residing at Vill- CHIKHALOHAL, POST-CHIKHALOHAL, Teh - MALEGAON, Distt-NASHIK,State- MAHARASHTRA, PIN - 423205. शपथपूर्वक नि.लि. कथन करता हूँ करती हू कि हमारे बेटे के सर्विस रिकार्ड में हमारा नाम KHAIRNAR KAILAS (पिता) & ALAKABAI (माता) दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि हमारे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में हमारा नाम KAILAS SOMNATH KHAIRNAR (पिता) & ALKABAI KAILAS KHAIRNAR (माता) दर्ज हैं। जो कि सही है यह कि हमारे नाम को पढा व सुना एंव हमारे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं 38AA580965, 38AA580966 दिनांक 07-07-26 नोटरी जबलपुर म.प्र. ।

गलत नाम	पिता - KHAIRNAR KAILAS माता - ALAKABAI
सही नाम	पिता - KAILAS SOMNATH KHAIRNAR माता - ALKABAI KAILAS KHAIRNAR

खबर संक्षेप

सैमसंग गैलेक्सी ए27 5जी की बिक्री शुरू

गुरुग्राम। सैमसंग ने भारत में अपने नए गैलेक्सी ए27 5जी स्मार्टफोन की बिक्री शुरू कर दी है। यह

स्मार्टफोन अब सैमसंग के एक्सक्लूसिव स्टोर्स, पार्टनर रिटेल आउटलेट्स, सेमसंग डॉटकाम और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। यह तीन मेमोरी वेरिएंट्स 6जीबी+128जीबी, 8जीबी+128जीबी और 8जीबी+256जीबी में उपलब्ध है। इसकी शुरुआती कीमत 28,999 रुपये रखी गई है।

रसना का जम्पिन का 1-लीटर फैमिली पैक पेश

नई दिल्ली। इंस्टेंट बेवरेज निर्माता रसना ने अपने रेडी-टू-ड्रिंक पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए

जम्पिन का नया 1-लीटर टैट्रा पैक फैमिली पैक देशभर में लांच किया है। कंपनी का लक्ष्य प्रीमियम फ्रूट नेक्टर श्रेणी में बढ़ती मांग का लाभ उठाते हुए लगभग 1,000 करोड़ रुपए के बाजार अवसर को हासिल करना है। नया फैमिली पैक अधिक फ्रूट कंटेंट, 10 विटामिन और मिनरल्स से भरपूर है।

आयात में कमी और कमजोर बुआई से खाद्य तेलों में तेज उछाल

सोयाबीन-सरसों तेल सहित सभी खाद्य तेल 5 से 6 रुपए प्रति किलो तक महंगे

ऊंची कीमतों का असर भी घरेलू बाजार पर साफ दिखाई दे रहा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

खाद्य तेलों की कीमतों में एक बार फिर तेजी का दौर शुरू हो गया है। आयातित खाद्य तेलों की उपलब्धता में कमी, मानसून की देरी से तिलहनी फसलों की बुआई प्रभावित होने और उत्पादन को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण सोयाबीन, सरसों, मूंगफली, सूरजमुखी (सनफ्लावर) और पाम ऑयल सहित लगभग सभी प्रमुख खाद्य तेलों के दामों में 5 से 6 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापारियों का मानना है कि यदि आयात और घरेलू आपूर्ति की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है।

फाइल फोटो

तेल ब्रोकर रमाकांत तिवारी के अनुसार राजधानी भोपाल के स्थानीय थोक जिंस बाजार हनुमानगंज और जुमेराती में खाद्य तेलों के भाव लगातार मजबूत बने हुए हैं। वर्तमान में सोयाबीन तेल 155 से 156 रुपए प्रति किलो, मूंगफली तेल 180 से 185 रुपए, सरसों तेल 185 से 190 रुपए, सनफ्लावर ऑयल 200 से 205 रुपए, पाम ऑयल 155 से 156 रुपए तथा वनस्पति घी 170 से 175 रुपए प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा है। ब्रोकर तिवारी ने कहा कि इस वर्ष कई क्षेत्रों में मानसून की देरी के कारण तिलहनी फसलों की बुआई का रकबा अपेक्षा से कम रहा है। इससे आगामी महीनों में घरेलू उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। बाजार में आयातित खाद्य तेलों की सीमित उपलब्धता और ऊंची कीमतों का असर भी घरेलू बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है।

तेजी का असर आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर : पाली

होटल, रेस्टोरेंट , खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जुड़े कारोबारी और भोपाल होटल - रेस्टोरेंट व्यवसायी एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली एवं प्रेमनारायण यादव ने कहाकि बढ़ती कीमतों का असर आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर भी पड़ने लगा है। लागत बढ़ रही है, जबकि खुदरा बाजार में भी खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार तेजी दर्ज की जा रही है।

बाजार का रुख मजबूत बना हुआ है प्रेमनारायण ने कहा

प्रेमनारायण यादव ने कहा कि कमजोर मानसून की स्थिति को देखते हुए भारत में खाद्य तेलों की मांग और आयात बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल बाजार का रुख मजबूत बना हुआ है और निकट भविष्य में कीमतों में नरमी के संकेत नहीं दिख रहे हैं। जिससे पाम तेल को अतिरिक्त मजबूती मिल सकती है।

खाद्य तेलों के दामों में और वृद्धि की संभावना

तेल व्यापारी अपूर्व पवैया के अनुसार भारत खाद्य तेलों की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। ऐसे में वैश्विक बाजार में आपूर्ति प्रभावित होने या कीमतें बढ़ने का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। यदि मानसून की स्थिति में सुधार नहीं हुआ और आयात सामान्य स्तर पर नहीं पहुंचा तो त्योहारी सीजन से पहले खाद्य तेलों के दामों में और वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

केवल ब्लड सैंपल से कैंसर की पहचान

रिलायंस की स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज को मिला अत्याधुनिक तकनीक के लिए भारतीय पेटेंट

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज को ऐसी अत्याधुनिक तकनीक के लिए भारतीय पेटेंट प्राप्त हुआ है, जो केवल ब्लड सैंपल के माध्यम से कैंसर की शुरुआती पहचान और उसके संभावित स्रोत का पता लगाने में सक्षम है। इस तकनीक से भविष्य में कैंसर की समय रहते पहचान कर मरीजों को बेहतर और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। इसमें जीनोम सीक्वेंसिंग, बायोलॉजिकल डेटा एनालिसिस और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता कैंसर से जुड़े डीएनए पैटर्न में होने वाले सूक्ष्म बदलावों की पहचान करना है, जिससे बीमारी का शुरुआती चरण में पता लगाया जा सकता है। स्ट्रैंड लाइफ साइंसेज के सीईओ रमेश हरिहरन ने कहा कि यह पेटेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित लिक्विड बायोप्सी तकनीक के विकास में एक अहम उपलब्धि है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031

सीयूईटी 2026 के अंतर्गत स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण आरंभ

शैक्षणिक सत्र: 2026-27

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ निम्नलिखित कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी (यूजी) -2026 परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म आमंत्रित करता है:

स्नातक (यूजी) कार्यक्रम			
बी.वॉक.	• रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट • बायोमेडिकल साइंसेज • इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट	इंटीग्रेटेड कार्यक्रम	• बी.एससी. एम.एससी. इन केमेस्ट्री • बी.एससी.एम.एससी. इन मेथेमेटिक्स • बी.एससी. एम.एससी. इन फिजिक्स
• बी.एससी. (ऑनर्स) इन साइकोलॉजी			

महत्त्वपूर्ण तिथि

ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	17 जुलाई, 2026
पंजीकरण लिंक	https://cuhcuet.samarth.edu.in/

विस्तृत विवरण के लिए www.cuh.ac.in देखें। कुलसचिव

ज्योतिष शास्त्र में डॉ.गिरीश को पीएचडी उपाधि

भोपाल। डॉ. गिरीश राजौरिया ने ज्योतिषशास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें यह प्रतिष्ठित उपाधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मध्य प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मांगुभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई। डॉ. गिरीश राजौरिया की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुरुगप्पा ग्रुप की महत्वपूर्ण उपलब्धि

सीजी सेमी ने सानंद में शुरू किया व्यावसायिक उत्पादन

एजेंसी ▶▶ गुजरात

मुरुगप्पा ग्रुप की कंपनी सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड, रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के संयुक्त उद्यम सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड ने गुजरात के सानंद स्थित अपने जी1 आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) संयंत्र में व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने की घोषणा की है। यह कदम भारत के सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित रहे। अगस्त 2025 में उद्घाटित जी1 संयंत्र की अधिकतम उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 30 करोड़ यूनिट है। उद्घाटन के बाद कंपनी ने उपकरणों की स्थापना, उत्पादन प्रक्रिया को स्थिर करने, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, ग्राहकों से आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने तथा गुणवत्ता संबंधी सभी तैयारियां पूरी कीं। कंपनी केंद्र और गुजरात सरकार के सहयोग से अगले पांच वर्षों में 7,600 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कर जी1 और जी2 नामक दो ओएसएटी संयंत्र विकसित कर रही है। फिलहाल जी1 में उत्पादन शुरू हो चुका है। जबकि जी2 संयंत्र निर्माणाधीन है। इसके चालू होने के बाद कंपनी की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

सेरेंटिका का बिजली आपूर्ति के लिए एसईसीआई से करार

नई दिल्ली। सेरेंटिका रिन्यूएबल्स ने 600 मेगावाट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना से बिजली आपूर्ति के लिए भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा प्रदाता सेरेंटिका रिन्यूएबल्स ने एसईसीआई की एफडीआरई-7 'एपीसोड पीक' निविदा के तहत 600 मेगावाट क्षमता आवंटन के लिए एसईसीआई के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रुपया 48 पैसे मजबूत होकर 94.95 प्रति डालर पर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 48 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 (अस्थायी) पर रहा। वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की धारणा में सुधार और होर्मुज जलडमरूमध्य से अधिक आवाजाही के कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है। वि दे शी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सऊदी अरब की ओर से एशियाई ग्राहकों के लिए अगस्त महीने के लिए कच्चे तेल के आधिकारिक बिक्री मूल्य (ओएसपी) में प्रति बैरल 11 डॉलर की कटौती की गई।

छत्तीसगढ शासन वन विभाग, सामान्य वनमंडल खैरागढ़
काष्ठागार ठेलकाडीह का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विवरण

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामान्य वनमंडल खैरागढ़ अधिनस्थ अस्थायी डिपो ठेलकाडीह में उपलब्ध नया एवं पुराना ईमारती काष्ठ का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमंडल एवं अस्थायी डिपो ठेलकाडीह से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक - 16.07.2026 नीलाम समय - सुबह 9.00 से

प्रजाति	नया वनोपज (काष्ठ)			पुराना वनोपज (काष्ठ)		
	घ.मी.	बल्ली (नग)	डेंगरी (नग)	घ.मी.	बल्ली(नग)	डेंगरी (नग)
सागौन	158.463	194	1961	374.075	972	11045
बीजा	77.845	62	0	86.507	147	0
साजा	71.443	285	0	25.659	0	0
धावड़ा	81.611	156	0	9.563	0	0
हल्दु मुंडी	16.912	69	0	24.623	8	0
तिन्सा	41.077	81	0	32.109	0	0
शीशम	0.857	0	0	0	0	0
खम्हार	0	0	0	0.865	0	0
कसही	24.555	0	0	34.286	0	0
भिरहा	42.455	0	0	0	0	0
घाटा	1.343	0	0	3.539	0	0
सलिहा मोदे	3.233	0	0	0	0	0
अन्य	58.399	665	332	0	0	0
योग	578.193	1512	2293	591.226	1127	11045

ठेलकाडीह डिपो के औद्योगिक बांस नया

1	औद्योगिक बांस	2 मी. एवं 1 मी. साईज	274.080 नो.टन

ठेलकाडीह डिपो के औद्योगिक बांस पुराना

1	औद्योगिक बांस	2 मी. एवं 1 मी. साईज	7.000 नो.टन

ठेलकाडीह डिपो के पुराना जलाऊ चट्टा

1	जलाऊ चट्टा	मिश्रित	07 चट्टा

पिपरिया डिपो के नया जलाऊ चट्टा मिश्रित

1	जलाऊ चट्टा	मिश्रित	459 चट्टा

चंगुर्दा डिपो के नया जलाऊ चट्टा

1	जलाऊ चट्टा	459 चट्टा	185 चट्टा

चंगुर्दा डिपो के पुराना जलाऊ चट्टा

1	जलाऊ चट्टा	मिश्रित	52 चट्टा

खैरागढ़ नर्सरी के नया जलाऊ चट्टा

1	जलाऊ चट्टा	मिश्रित	487 चट्टा

खैरागढ़ नर्सरी के पुराना जलाऊ चट्टा

1	जलाऊ चट्टा	मिश्रित	501 चट्टा

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है। 4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रताओं द्वारा 30 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

262701930/6 वन मण्डल अधिकारी, खैरागढ़ वनमंडल खैरागढ़

वॉलमार्ट वृद्धि ने एमपी के एमएसएमई को दिए विकास और डिजिटल विस्तार के नए अवसर

इंदौर। वॉलमार्ट वृद्धि ने आईडियाज टू इम्पैक्ट फाउंडेशन (आई2आई) और मध्य प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग के सहयोग से 'वॉलमार्ट वृद्धि एमएसएमई कनेक्ट 2026' का आयोजन किया। कार्यक्रम में 600 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों, उद्योग प्रतिनिधियों और विभिन्न संस्थाओं ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य छोटे एवं मध्यम उद्यमों को डिजिटल तकनीक अपनाने, बाजार से जोड़ने और कारोबारी विकास के नए अवसर उपलब्ध कराना रहा। वॉलमार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनवीश गुप्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश का एमएसएमई इकोसिस्टम आर्थिक विकास और

रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वहीं प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप ने कहा कि 'समृद्ध योजना' के माध्यम से 2047 तक एक करोड़ एमएसएमई स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें वॉलमार्ट वृद्धि जैसी साझेदारियां अहम भूमिका निभा रही हैं। वर्ष 2019 से संचालित इस कार्यक्रम के तहत अब तक देशभर में 1.15 लाख से अधिक एमएसएमई को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि 2028 तक 1.70 लाख उद्यमों को सहयोग देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राशिफल

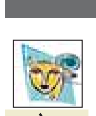
मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती

मिथुन आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय

धनु आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते है।

मकर माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

रिन्यूएबल एनर्जी में उत्कृष्ट योगदान के लिए कोट्यार्क के सीएमडी शाह सम्मानित

एजेंसी ▶▶ वडोदरा

रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कोट्यार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर गौरांग रमेशचंद्र शाह को रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में उनके उल्लेखनीय नेतृत्व और योगदान के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 26 जून, 2026 को लंदन स्थित पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर के हाउस ऑफ कॉमन्स में आयोजित एक भव्य समारोह में अंतरराष्ट्रीय अतिथियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया। अवॉर्ड साइटेशन के अनुसार गौरांग शाह को बायोफ्यूल उत्पादन को बढ़ावा देने, सस्टेनेबल एनर्जी समाधान विकसित करने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता तथा रिन्यूएबल एनर्जी उद्योग में नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।कंपनी की ओर से एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर भाविनी शाह और होल-टाइम डायरेक्टर ध्रुति शाह भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में गौरांग रमेशचंद्र शाह ने कहा कि उपलब्धि पूरे कोट्यार्क परिवार के समर्पण और मेहनत का परिणाम है।

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /08/जुलाई 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

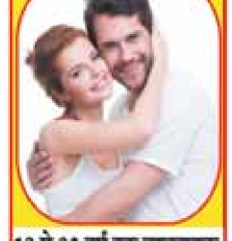

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.IT. NO./PWD-08/PRO No 372 **तृतीय निविदा सूचना** Dated- 07/07/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन-लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_518881_1 Dt.- 08/07/2026	माँ खेरमाई वार्ड अंतर्गत धीरज सोनकर से नंदू खटीक तक झारिया डॉ के घर के सामने संजू साहू के घर के सामने दीपचन्द्र सोनकर वाली शुक्रवारी बजरिया से मिलन मिश्रा तक एवं लोकी श्रीवास्तव वाली गली में नाली निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह रू 4.22	2000/- 4222/-	22/07/2026
2.	2026_UAD_518881_2 Dt.- 08/07/2026	माँ खेरमाई वार्ड अंतर्गत शुक्रवारी बजरिया से मिलन मिश्रा तक, लोकी श्रीवास्तव की गली में एवं रघु महाराज वाली गली से अशोक सेन वाली गली तक सड़क का सीमेंटीकरण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	04 माह रू 4.23	2000/- 4233/-	

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय यंत्री/ कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर पालिक निगम, जबलपुर

शब्द पहेली - 6280

बाएं से दाएं
1. उपासना करना-6
5. अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9. चाह, इच्छा-3
10. अधिकार, आरोप-2
11. निर्दय, हिंसक-4
12. आंदोलन-2
14. सज्जन, सभ्य-4
15. स्मृति, अविस्मरण-2
17. रूखा, रसहीन-3
19. गुप्तचर-4
21. संकट मोचक, नायक-5
24. चुगली करना-5
27. नेता पथ प्रदर्शक-4
29. प्रेम चाहत-3
31. एक ग्रह-2
32. अर्नगल प्रलाप-4
33. नौकर, सेवक-2
35. उद्विग्न, आतुर-4
36. अर्कोदिय-2
38. दीपक, दिया-3
39. बोलने के लिये कहना-2
40. एक मुस्लिम महीना-4
41. [illegible] करना-3,3

ऊपर से नीचे
1. सहिष्णुता, उदारता-6
2. थोड़ा, कम-2
3. कपड़ों के टुकड़े-4
4. असफल-3
5. राजी करना-3
6. वजन, वाक्या-2
7. अनाथ, बेवारिस-4
11. वैधव्य-4
13. राजा की पत्नी-2
16. टूटना-4
18. पावक (अंग्रेजी-3)
19. खबरी, खबर देने वाला-4
20. हमारा पड़ोसी देश-2
22. घूमना-3
23. श्रावण-2
25. खतरनाक, खौफनाक-4
26. पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28. अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29. हमले का जवाब देना, प्रतिशोध-4
30. कभी-2
32. जन्म, प्राप्त होना-4
34. मास्टर ब्लास्टर-3
37. भीगा हुआ-2
39. टैक्स, [illegible]-2

शब्द पहेली- 6279 का हल

सूडोकू बवाल - 6290

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 6289 का हल

नए सितारों से सजी 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर जारी...

मुंबई। फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर सामने आ चुका है। इसमें सस्पेंस है, थ्रिल है और एक्शन भी है। मर्डर मिस्ट्री और लव ट्रायएंगल सहित इस फिल्म में कई दिलचस्प ट्विस्ट हैं। इस फिल्म में आर्य कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास जैसे नए कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का निर्देशन इंद्र दास ने किया है। इसे एसएस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ ने प्रोड्यूस किया है। रहूं मैं तेरे रूबरू' 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मंगलवार को रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर में आज की तकनीक और इंटरनेट की दुनिया के जीवन पर हो रहे नकारात्मक असर को दिखाने की भी कोशिश की गई है।

लाइफ Style

कृति
मैंने करवा लिए एग्ज फ्रीज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक्टर कृति सेनन ने बताया है कि उन्होंने अपनी फिल्म 'मिमी' की तैयारी के दौरान अपने एग्स फ्रीज करवाने का फैसला किया था। उन्होंने इसे अपने लिए लिए गए 'सबसे समझदारी भरे' फैसलों में से एक बताया है।

हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि यह फैसला फिल्म के लिए उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन (शारीरिक बदलाव) के समय के साथ मेल खाता था, इसलिए यह प्रोसेस करवाने का यह सबसे सही मौका था। 35 साल की एक्ट्रेस ने बताया कि एग फ्रीजिंग से अक्सर ब्लोटिंग (पेट फूलना) और हार्मोनल बदलाव होते हैं। चूंकि उन्हें 'मिमी' फिल्म में अपने रोल के लिए वजन बढ़ाना था, इसलिए उन्हें लगा कि यही सही समय है जब वे यह प्रोसेस करवा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने एक व्यक्ति से बात की थी, जिन्होंने मुझे बताया कि अगर आप कर सकती हैं, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी चीज है। यह सबसे अच्छा तोहफा है जो आप खुद को दे सकती हैं। यह बात मेरे दिमाग में रही। फिर, जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है'। एक्ट्रेस ने इस प्रोसेस के इमोशनल और फिजिकल असर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि इस प्रोसेस की वजह से काफी हार्मोनल बदलाव हुए और इसे करवाते समय उन्हें कई तरह की भावनाएं महसूस हुईं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका मानना है कि जिंदगी के बड़े फैसले समाज की उम्मीदों के बजाय अपनी निजी तैयारी के आधार पर लिए जाने चाहिए।

हॉलीवुड मसाला

पार्टी रॉक एंथम के लिए थीं मशहूर

लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश सिंगर लॉरेन बेनेट का 37 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह 'पार्टी रॉक एंथम' में अपनी परफॉर्मेंस और जीएलआर की फाउंडिंग मेंबर के तौर पर जानी जाती थीं। उनके बैंड के साथियों ने एक भावुक बयान में उनके निधन की पुष्टि की। बैंड ने उनके जीवन व योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। लॉरेन बेनेट ने अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत 2006 में यूनाइटेड किंगडम में 'द एक्स फैक्टर' के तीसरे सीजन से की थी।

लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी 52 ब्लू...

नई दिल्ली। एक्ट्रेस नेहा धूपिया अपनी पहली इंटरनेशनल फीचर फिल्म '52 ब्लू' के प्रीमियर के लिए तैयार हैं। यह फिल्म मशहूर लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा है। इसका यूरोपियन प्रीमियर 9 जुलाई को बीएफआई साउथबैंक में होगा। नेहा की शानदार परफॉर्मेंस के लिए फिल्म को पॉजिटिव फीडबैक मिला है। दर्शकों और रिव्यूअर्स, दोनों ने ही फिल्म की इमोशनल गहराई की तारीफ की है, जिससे '52 ब्लू' इस साल फेस्टिवल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली स्क्रीनिंग में से एक बन गई है। नेहा धूपिया ने इस खास पल के बारे में बात करते हुए अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा ''52 ब्लू' मेरे लिए हमेशा एक बेहद खास फिल्म रहेगी क्योंकि यह मेरा पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है।

ताज जीतने के 50 साल पूरे, मनाया जश्न

नई दिल्ली। पूर्व ब्यूटी क्वीन नफीसा अली ने मिस इंडिया का ताज जीतने के 50 साल पूरे होने की खुशी मनाई है। इस खुशी में नफीसा ने सोशल मीडिया पर कई पुरानी तस्वीरें साझा की हैं और इसके साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। नफीसा ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई पुरीनी तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों के साथ नफीसा ने कैप्शन में लिखा, '50 साल पहले मुझे 'मिस इंडिया' का ताज पहनाया गया था।' उन्होंने 1976 में यह खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने टोक्यो में हुए 'मिस इंटरनेशनल 1976' कॉम्पिटिशन में भारत का नाम रोशन किया था और वहां वह सेकंड रनर-अप रही थीं। 69 साल की नफीसा अली ने 2018 में स्टेज 3 के पेट और ओवरी के कैंसर से जंग लड़ी और उसे हराया। अप्रैल 2026 में उन्होंने अपनी सर्जरी के निशान और कीमोथेरेपी की बातें भी फैंस के साथ साझा की थीं।

इंसानों व कुत्तों के बीच रिश्ते की कहानी

मुंबई। अमित राय अपनी अगली फिल्म 'ओह माय डॉग' लेकर आ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'ओह माय गॉड 2' का निर्देशन किया था। उनकी नई फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में इंसानों और कुत्तों के बीच बिना शर्त प्यार और वफादारी की एक कहानी की झलक दिखती है। टीजर की शुरुआत अमिताभ बच्चन के मशहूर गाने 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों, एक किस्सा सुनो' से होती है, जो तुरंत पुरानी यादें ताजा कर देता है। साथ ही कहानी की मासूमियत, अपनापन और इमोशनल गहराई को खूबसूरती से दिखाता है। यह फिल्म 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'ओह माय डॉग' में माही राय, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल शर्मा, राजेश कुमार, पवन मल्होत्रा, सुलक्षणा बरुआ और विजय मिश्रा नजर आएंगे।

टीवी मसाला

पति के 10 अफेयर हों तो भी उन्हें कभी नहीं छोड़ूंगी : सुनीता

नई दिल्ली। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप सच या सजा' में नजर आ रही हैं और साथ ही अपने बयानों से जमकर सुर्खियां भी बटोर रही हैं। इसी शो के दौरान सुनीता ने अपने पति गोविंदा को लेकर एक ऐसी बात कही है, जिसे सुनकर इस शो के होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख भी दंग रह गए। उन्होंने कहा है कि चाहे उनके पति गोविंदा के दस महिलाओं के साथ संबंध ही क्यों न हों, वह उन्हें कभी नहीं छोड़ेंगी। सुनीता ने यह बात नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप सच या सजा' में कही, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इस शो में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आईं अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने सुनीता के उन पुराने बयानों पर बात की। इस पर सुनीता भड़क गईं और उन्होंने शिल्पा से कहा कि लोगों को पहले उनकी जगह रहकर देखना चाहिए, उसके बाद ही कोई राय बनानी चाहिए। सुनीता ने कहा, 'जब यह सब आपके साथ होगा, तब आपको समझ आएगा कि मैं किस दौर से गुजरी हूं। यह मेरी जिंदगी है और मैं जो चाहूंगी, वही करूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'गोविंदा मेरा पति है, अगर वह 10 जगह भी अफेयर करेंगे, तो भी मैं उसे नहीं छोड़ूंगी। मैं अपनी आखिरी सांस तक उससे प्यार करूंगी।' बाद में सुनीता ने शो के दूसरे कंटेस्टेंट राम कपूर से भी शिल्पा शिंदे की शिकायत की। उन्होंने गुस्से में कहा, 'शिल्पा मुझे उकसा रही है।

शिवांगी को रोता देख आग-बबूला हुए हर्षद

नई दिल्ली। शो 'लॉकअप 2' इन दिनों झगड़ा, विवादों की वजह से चर्चा में है। इस रियलिटी शो में हाल ही में एक बड़ा हंगामा हुआ। इंफ्लुएंसर श्रेया

कालरा की वजह से एक्ट्रेस शिवांगी जोशी फूट-फूटकर रोईं। शिवांगी को ऐसे देखकर उनके दोस्त और पुराने को-एक्टर हर्षद चोपड़ा का पारा चढ़ गया। हर्षद श्रेया से लड़ने के लिए शो में दौड़ पड़े थे। 'लॉकअप 2' के वायरल वीडियो में हर्षद चोपड़ा के सामने शिवांगी रो रही हैं। वह बताती हैं कि उन्होंने श्रेया से सच में पूछा कि क्या उनकी तबियत खराब है। इस पर श्रेया ने शिवांगी के साथ बदतमीजी से बात की। इससे वह दुखी हो गईं और हर्षद चोपड़ा और आकांक्षा चमोला के सामने रोने लगीं। यह देखकर हर्षद गुस्से में श्रेया को तलाशने के लिए दौड़ पड़े। ऐसे में शिवांगी और आकांक्षा ने हर्षद को किसी तरह से रोका। इस दौरान काफी शोर-शराबा हुआ, जिसे सुनकर बाकी प्रतियोगी भी एक जगह पर आ गए।

आवारापन 2 का पहला गाना जुनून रिलीज
सुबोध ने दी है आवाज....

मुंबई। आवारापन 2 के निर्माताओं ने मंगलवार को इमरान हाशमी की फिल्म का पहला गाना जुनून रिलीज कर दिया है। इस गाने के बोल शहीद कादरी ने लिखे हैं और मिथुन ने कंपोज किया है। इस गाने को गायक सुबोध शर्मा ने गाया है। इस गाने में इमरान हाशमी से लेकर दिशा पाटनी और श्रेया सरन की खास झलक देखने को मिली। फिल्म 'आवारापन 2', 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी और दिशा पटानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में श्रेया सरन का भी अहम रोल है। इमरान ने इंस्टाग्राम पर अपने इस गाने को साझा किया और कैप्शन में लिखा, 'इस आवारापन के जुनून में होना है तबाह।'

एक यूजर ने लिखा, 'इस गाने की रचना थोड़ी 'सैयारा' से मिलती जुलती लग रहा है' दूसरे यूजर ने लिखा, 'श्रेया सरन के पुराने सींस को देखकर अच्छा लगा।' एक और यूजर ने लिखा, 'आवारापन के गानों की बात ही अलग थी' एक यूजर ने इमरान के लिए लिखा, 'अक्खा बॉलीवुड एक तरफ और इमरान हाशमी एक तरफ'। एक और यूजर ने लिखा, 'शिवम वापस आ गया है'। एक और यूजर ने लिखा, 'इस फिल्म को कोई नहीं रोक सकता, पहले दिन ही हिट हो जाएगी'।

1975 में बैन कर दी गई थी फिल्म सिक्किम 1971

नई दिल्ली। आज हम आपको बताने जा रहे हैं एक ऐसी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के बारे में जिसका काफी ज्यादा ऐतिहासिक महत्व है। यह फिल्म तब बनी जब सिक्किम भारत का हिस्सा भी नहीं था। इसे बनाया था लीजेंडरी फिल्ममेकर सत्यजीत रे ने। इस फिल्म की रिलीज के बाद इस पर विवाद हो गया और भारत सरकार ने इसे बैन कर दिया। लोग इस फिल्म का नाम तक भूल गए थे, लेकिन फिर साल 2010 में इसे फिर से रिलीज किया गया और इस मूवी ने तहलका मचा दिया।

सत्यजीत रे साहब ने खोल दी पोल : बात साल 1971 की है जब सिक्किम के राजा ने उस दौर के आइकॉनिक फिल्ममेकर रहे सत्यजीत रे से विनती की, कि वह उनके ऊपर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाएं। क्योंकि ,सत्यजीत रे साहब सच्ची और पक्की फिल्ममेकिंग में मानते थे, इसलिए उन्होंने सिक्किम के तत्कालीन राजा के राज्य के बारे में लगभग सब कुछ दिखा डाला। यानि उन्होंने इस डॉक्यूमेंट्री में उनके राज्य की अच्छाइयां और बुराइयां तो दिखाई हीं, साथ ही

साथ विदेशी पर्यटकों की हालत और राजसी परिवार और आम लोगों की जिंदगी में कितना फर्क है यह भी दिखाया।

भारत सरकार ने लगा दिया था बैन : कहानी में ट्विस्ट तब आया जब साल 1975 में सिक्किम राज्य भारत का हिस्सा बन गया। सिक्किम 22वें राज्य के तौर पर भारतीय गणराज्य का हिस्सा बना और जब इतना सारा राजनीतिक उठापटक चल रहा था, तो इस बीच सत्यजीत रे की यह डॉक्यूमेंट्री विवादों में घिर गई। सरकार ने इसे बैन कर दिया और लोग मानने लगे कि यह फिल्म पूरी तरह नष्ट कर दी गई है। सरकार ने भी राहत की सांस ली, वक्त बीतता गया और फिर कई दशक बाद ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट को एक डैमेज्ड प्रिंट मिला। इस प्रिंट में क्या था?

साल 2010 में फिर से हुई रिलीज

इस प्रिंट में सत्यजीत रे की वही डॉक्यूमेंट्री थी, जिसने उस दौर में तहलका मचा दिया था। एकेडमी फिल्म आर्काइव ने दोबारा इस पूरी फिल्म को रीस्टोर किया और फिर साल 2010 में सरकार ने इस पर लगाया गया बैन हटा दिया। यानि अब अगर आप चाहें तो इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म को बेधड़क देख सकते हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर यह फिल्म थी कौन सी? तो इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का नाम था 'सिक्किम 1971'। इसका टाइटल काफी सीधा सा रखा गया था और लेकिन इसका कॉन्टेंट काफी डीप था।

पुरुष समाज का दर्द दिल किया है बयां, हर किसी की आंखें कर दी थीं नम

रफी ने गाया था यह दर्द भरा गीत, कल्ट क्लासिक है 56 साल पुराना गाना

नई दिल्ली। *सिनेमा जगत के महान गायक के तौर पर आज भी मोहम्मद रफी को जाना जाता है। अपने सुनहरे सिंगिंग करियर के दौरान उन्होंने हर किस्म के गीतों को आवाज दी थी और उन्हें अमर किया था। लेकिन, सैड सॉन्ग के मामले में रफी साहब एक अलग दर्जे के सिंगर के तौर पर पहचाने जाते थे। इसी आधार पर आज हम आपको मोहम्मद रफी द्वारा गाया एक ऐसे कल्ट क्लासिक सैड सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सबसे सर्द भरे गीत के तौर भी जाना जाता है।*

किसने तैयार किया गाना

बात की जाए फिल्म हीर रांझा के ये दुनिया ये महफिल की मेकिंग की तो मोहम्मद रफी की गायिकी के अलावा इसकी धुनों को मशहूर संगीतकार मदन मोहन अपने धुनों पर तैयार किया था, जबकि इसके लिरिक्स को कैफी आजमी गीतकार ने लिखा था। इस तरह से ये कल्ट क्लासिक सैड सॉन्ग रेडी हुआ था।

1970 में रिलीज हुई थी हीर रांझा

जब मोहम्मद रफी सैड सॉन्ग गाते थे, तो मानों ऐसा लगता कि उन्होंने सच में अपने दिल का दर्द आवाज में उतार के रख दिया है। उनकी आवाज से गाने की खूबसूरती और बढ़ जाती थी, जिसे सुनने के बाद दिल और आंखें भरा आती थी। ऐसा ही करिश्मा रफी साहब ने साल 1970 में रिलीज होने वाली फिल्म हीर रांझा के एक गीत के लिए किया था।

राज कुमार पर फिल्माया गया गाना

जब उन्होंने ये दुनिया ये महफिल... गीत गाया था। अभिनेता राज कुमार पर फिल्माया गया मोहम्मद रफी का ये गाना आज भी बॉलीवुड के बेस्ट एवर सैड सॉन्ग के तौर पर जाना जाता है। इस गाने को सुनने के बाद यकीनन तौर पर आपकी भी आंखें भर आएंगी। कुल मिलाकर कहा जाए तो पुरुष समाज का दर्द दिल बयां करने के लिए रफी साहब के ये दुनिया ये महफिल को जाना जाता है। इस वजह से ये हर किसी का फेवरेट भी माना जाता है। अगर आप भी मोहम्मद रफी के गानों को सुनना पसंद करते हैं तो यकीनन तौर पर आपकी प्लेलिस्ट में ये दर्द भरा गीत जरूर शामिल होगा।

स्पेन की अभेद्य दीवार सिमोन, 6 'क्लीन शीट', बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

गोलकीपर उनाई ने 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने रिकॉर्ड को किया मजबूत

स्पेन ने स्विट्जरलैंड के 5 क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा

आर्लिंगटन। स्पेन ने फीफा विश्व कप में रक्षात्मक मजबूती का नया इतिहास रचते हुए लगातार 6 मैचों में 'क्लीन शीट (बिना गोल खाए मुकाबला समाप्त करना)' का विश्व रिकॉर्ड बना दिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल पर 1-0 की जीत के साथ स्पेन ने यह उपलब्धि हासिल की। वहीं गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने विश्व कप रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। स्पेन ने इस उपलब्धि के साथ 1990 में इटली और 2006-10 के दौरान स्विट्जरलैंड के लगातार पांच क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्पेन का यह सिलसिला 2022 विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से शुरू हुआ था।

सिमोन ने बनाया नया रिकॉर्ड

मौजूदा विश्व कप में स्पेन ने ग्रुप चरण के पहले मैच में केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। इसके बाद टीम ने लगातार चार मुकाबलों में विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया और क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नॉकआउट चरण के पहले मुकाबले में ही ऑस्ट्रिया पर 3-0 की जीत के दौरान 517 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड इटली के महान गोलकीपर वाल्टर जेंगा के नाम था, जिन्होंने 1990 विश्व कप में लगातार पांच क्लीन शीट के साथ 517 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल नहीं करने दिया था।

16 साल बाद क्वार्टर फाइनल में स्पेन, पुर्तगाल को 1-0 से हराया

अर्लिंगटन। मिकेल मेरिनो ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मेरिनो को गिराने पर रेफरी ने फाउल का फैसला सुनाया। पुर्तगाल के बर्नार्डो सिल्वा बहस करने लगे, तभी मेरिनो ने गेंद वापस ली, उसे अपने साथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाया और आखिर फेरान टोरेस से पास लेकर गोलकीपर डियोगो कोस्टा को आसानी से छकाकर गोल दाग दिया।स्पेन ने 2010 में अपना एकमात्र विश्व कप खिताब जीतने के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला शुक्रवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में बेल्जियम से होगा। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेरिनो 85वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने जल्द ही अपना वह जलवा दिखा दिया, जिसकी बदौलत आर्सेनल ने इस साल 20 से अधिक वर्षों में अपना पहला प्रीमियर लीग खिताब जीता था।

तालियों के बीच विदाई
अधूरा रह गया रोनाल्डो का सपना

अर्लिंग्टन। विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो जब मैदान से बाहर जा रहे थे तो दर्शकों ने तालियां बजाई, जिसका उन्होंने हाथ हिला कर आभार भी व्यक्त किया लेकिन उनके चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। अपना छठा और आखिरी विश्व कप खेल रहे 41 वर्षीय सुपरस्टार रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना राउंड ऑफ 16 के मैच में पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी स्पेन से 1-0 की हार के साथ टूट गया। उन्हें मैच के पहले हाफ में गोल करने का एकमात्र मौका मिला था लेकिन सर्वाधिक लंबे समय तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड बनाने वाले गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार छलांग लगाकर उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। रोनाल्डो लगातार छह विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा गोल (146) और सर्वाधिक मैच खेलने वाले (233) खिलाड़ी रोनाल्डो का फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर करियर यहीं पर समाप्त हो गया। अपने करियर में कई खिताब जीतने वाले रोनाल्डो इस तरह से कभी विश्व कप विजेता नहीं बन पाए।

मेजबान अमेरिका का सफर खत्म, बेल्जियम ने दी मात

सिएटल। चार्ल्स डी केटेलेरे ने दो गोल किए और एक गोल करने में मदद की, जिससे बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और मेजबान टीम की अपनी घरेलू धरती पर अंतिम आठ में पहुंचने की उम्मीद को खत्म कर दिया। इस मैच में अमेरिका की रक्षापंक्ति की कमजोरी भी उजागर हो गई, जिसका बेल्जियम ने पूरा फायदा उठाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण पिछले मैच में लाल कार्ड मिलने के बावजूद इस मैच में खेलने वाले अमेरिका के स्टार फॉरवर्ड फोलारिन बालोगुन की मौजूदगी से उसकी टीम को मजबूती मिली थी लेकिन वह कोई कमाल नहीं दिखा पाए। केटेलेरे ने पहले हाफ में अपने दोनों गोल (नौवें और 33वें मिनट) रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर किए। इस बीच मलिक टिलमैन ने 31वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके अमेरिका को बराबरी दिलाई थी लेकिन बेल्जियम ने जवाबी हमला करते हुए 61 सेकंड बाद ही फिर से बढ़त हासिल कर ली। बेल्जियम की तरफ से यह गोल हैंस वानाकेन ने 57वें मिनट में किया। रोमेलु लुकाकू ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में बेल्जियम का अंतिम गोल दागा।

खबर संक्षेप

इंडिया आने की बना रहा हूं योजना : जोकोविच

नई दिल्ली। मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने कहा, मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।

नहीं रहे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज जादरान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज शापूर जादरान का 38 साल की उम्र में निधन हो गया। वह एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी 'हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस'

(एचएलएच) से पीड़ित थे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जादरान ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 44 एकदिवसीय और 36 टी20 मैच खेले। एचएलएल एक 'हाइपर-इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम' है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। मंगलवार को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने उनके निधन की घोषणा की। एसीबी ने 'एक्स' पर लिखा, 'बहुत दुख और अफसोस के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान के निधन पर शोक व्यक्त करता है।'

फेरी ने किया उलटफेर, दिमित्रोव को रोमांचक मुकाबले में हराया

फेरी ने पहली बार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| लंदन

घरेलू दर्शकों के चहेते आर्थर फेरी ने शानदार वापसी करते हुए विंबलडन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने पूर्व विश्व नंबर-3 ग्रिगोर दिमित्रोव को रोमांचक मुकाबले में 7-5, 3-6, 4-6, 6-4, 7-6 (10-7) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह ग्रैंड स्लैम के इतिहास में पहली बार था जब पुरुष एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल (अंतिम-16) या उससे आगे के दौर में दो वाइल्ड कार्ड खिलाड़ियों का आमना-सामना हुआ।

यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरपूर रहा और विंबलडन के इतिहास में यादगार मैचों में शामिल हो गया। दिमित्रोव ब्रिटेन के तीसरे नंबर के खिलाड़ी आर्थर फेरी के खिलाफ दो सेट से एक की बढ़त पर थे और चौथे सेट में दो बार सर्विस ब्रेक की बढ़त भी बना चुके थे। लेकिन 4-3 और 15-0 की बढ़त के बाद दिमित्रोव लगातार 11 अंक गंवा बैठे। उनके खेल में आए इस अप्रत्याशित गिरावट का फायदा उठाकर फेरी ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

23 वर्षीय फेरी ने किया कौशल का प्रदर्शन

सेंटर कोर्ट पर अपने पहले ही मुकाबले में 23 वर्षीय फेरी ने उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता, कौशल और साहस का प्रदर्शन किया। निर्णायक सेट के टाई-ब्रेक में उन्होंने पहला ही मैच प्वाइंट भुना लिया, जब दिमित्रोव का बैकहैंड नेट में जा फंसा। फेरी अब पुरुष एकल ड्रॉ में बचे एकमात्र ब्रिटिश खिलाड़ी हैं। वह ओपन युग में विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले केवल छठे ब्रिटिश पुरुष खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एंडी मरे, टिम हेनमैन, रोजर टेलर, ग्रेग रुसेडस्की और कैमरून नॉरी ने हासिल की थी।

अब कोबोली से होगा सामना

फेरी इससे पहले कभी किसी ग्रैंड स्लैम में दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। अब उनका सामना फ्रेंच ओपन (रोलां गैरो) के उपविजेता फ्लावियो कोबोली से होगा, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनॉर को 7-5, 7-6 (4), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फेरी की शीर्ष-100 में एंट्री पहले ही तय हो चुकी थी। बड़े मौकों पर जिस आत्मविश्वास और संयम के साथ उन्होंने प्रदर्शन किया, उससे यह संकेत मिला कि पेरिस में जन्मे इस खिलाड़ी, जिन्हें 'क्रॉस-चैनल फेरी' भी कहा जाता है, की विश्व रैंकिंग भविष्य में और ऊंची जा सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ जीत के करीब वेस्टइंडीज

एजेंसी ▶▶| नार्थ साउंड

टेस्ट सीरीज

जस्टिन ग्रीव्स की श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 325 गेंदों में खेली गई संघर्षपूर्ण 180 रन की पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने मैच पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी और टीम चार वर्षों में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने के बेहद करीब पहुंच गई है।

श्रीलंका के 9 विकेट पर 549 रन पर पारी घोषित के जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 499 रन पर सिमटी, जिससे वह केवल 50 रन पीछे रही। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 92 रन बना लिए थे। पहली पारी में शतक लगाने वाले लाहिरू उदारा खाता खोले बिना ही आउट हो गए, जबकि निशान फर्नांडो 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। स्टंप्स के समय दिनेश चांदीमल 40 और कमिंदु मेंडिस 30 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हो चुकी है। श्रीलंका की कुल बढ़त अब 142 रन की हो गई है।

विमेंस हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी फातिमा सना

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना को 'विमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट' खेलने की अनुमति दी है। फातिमा सना 'विमेंस हंड्रेड' में बर्मिंघम फीनिक्स का हिस्सा हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले हंड्रेड के शुरुआती दो मुकाबलों में सना उपलब्ध नहीं रहेंगी। श्रीलंका के खिलाफ 28 जुलाई को वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद वह हंबनटोटा से सीधे इंग्लैंड रवाना होंगी और टूर्नामेंट के बाकी मैचों में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी। 24 वर्षीय

फातिमा सना हाल ही में हंड्रेड में चुनी जाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। बर्मिंघम फीनिक्स ने उन्हें वाइल्डकार्ड ड्राफ्ट के जरिए ऑस्ट्रेलिया की लूसी हैमिल्टन के स्थान पर न्यूनतम 15,000 पाउंड के अनुबंध पर अपनी टीम में शामिल किया था। सना ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए और 16 रन देकर तीन विकेट भी लिए।

महिला क्रिकेट

टी20 रैंकिंग में पांचवीं बार टॉप पर पहुंची बेथ मूनी

एजेंसी ▶▶| दुबई

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 47.60 की औसत के साथ 238 रन बनाने वालीं बेथ मूनी महिला बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

मूनी इस संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर रहीं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड सीतवीं बार खिताब जिताने में अहम योगदान दिया। ऐसा पांचवीं बार है, जब मूनी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर पहुंची हैं। उनसे ज्यादा समय तक दुनिया की नंबर 1 बल्लेबाज रहने का रिकॉर्ड सिर्फ कैरन रॉल्टन के नाम है।

मूनी हमवतन वोल को पछाड़ा- मूनी (785 रेटिंग) ने एक पायदान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया की हमवतन जॉर्जिया वोल (779 रेटिंग) को पछाड़ दिया है, जो अब दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट (771 रेटिंग) को भी एक पायदान का नुकसान हुआ है, जो अब तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं, उनके बाद चौथे स्थान पर हेली मैथ्यूज (754) और पांचवें पायदान पर भारत की स्मृति मंधाना (746) हैं।

तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंची ताजमिन ब्रित्ज- ताजा रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वालों में साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रित्ज शामिल हैं, जो तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गई हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या एफ-एमएफजी-200 बीवीसीएम-सोलर, दिनांक 04.07.2026, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार -811214 द्वारा निविदा सं. एफ-एमएफजी-200 बीवीसीएम-सोलर के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि बाबत केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान माध्यम जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के द्वारा भुगतान करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रिसीट, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान करने की अनुमति नहीं है। **कार्य का नाम :** 200 बीवीसीएम के निर्माण के लिए, अनेक्सर ए के क्रम संख्या 1 से 20 के तहत सिंगल सेट में चोरी-रोधी व्यवस्था सहित विभिन्न आइटमों, लाइट व पंखे के साथ सोलर सिस्टम की आपूर्ति, फिटमेंट और आरंभ तथा अनेक्सर-बी के क्रम संख्या 1 से 2 के तहत अंदर के केबिन के फ़र्श पर पॉलीमाइन एपॉक्सी रेज़िन फ़्लोरिंग एवं केबिन-इंटीरियर में फ्लीट ग्राफ़िक्स फ़िल्म। **कार्य स्थल:** पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, मुंगेर (बिहार), पिन-811214, **विज्ञापित मूल्य:** रु. 6,93,63,304/-, **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट प्रणाली । **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 00.00, **बोली प्रतिभूति:** रु.13,87,300/-, **समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 31.07.2026 को 15.00 बजे। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 07.07.2026 को 15.00 बजे। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ से निविदा का संपूर्ण विवरण देखा जा सकता है:** (**www.er.indianrailways.gov.in** के साथ हाइपरलिंक्ड **www.ireps.gov.in**) एवं उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को। MISC-94/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

कैलिफोर्निया और टेक्सास में खेला जा रहा टी20 एमएलसी का चौथा सत्र

फुटबॉल के बीच अमेरिका में क्रिकेट की दस्तक

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

फुटबॉल विश्व कप के कारण इन दिनों अमेरिका में फुटबॉल का जुनून सिर चढ़कर बोल रहा है, लेकिन इसके साथ ही क्रिकेट भी तेजी से अपनी जगह बना रहा है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

देश की पहली पेशेवर टी20 प्रतियोगिता मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का चौथा सत्र इन दिनों कैलिफोर्निया और टेक्सास में खेला जा रहा है। माना जा रहा है कि 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और एमएलसी के विस्तार से अमेरिका में इस खेल को नई पहचान मिलेगी।

एमएलसी में खेल रहे बड़े क्रिकेटर

एमएलसी में दुनिया के कई बड़े क्रिकेटर खेल रहे हैं। इनमें रविचंद्रन अश्विन, फाफ डु प्लेसिस, केशव महाराज, सुनील नारायण, मार्कस स्टोइनिस, कुसल परेरा, रचिन रवींद्र, हारिस रऊफ, उन्मुक्त चंद और जेसन होल्डर जैसे नाम शामिल हैं।

पांच वर्षों में क्रिकेट का तेजी से हुआ विकास

भारत को 2012 में अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले पूर्व कप्तान उन्मुक्त चंद अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ने के लिए 2021 में अमेरिका चले गए थे। एलए नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले उन्मुक्त चंद ने कहा, '2021 में यहां आने के बाद पिछले पांच वर्षों में क्रिकेट का तेजी से विकास हुआ है। हर साल कुछ नया देखने को मिल रहा है। इस वर्ष हमें लॉस एंजिलिस में क्रिकेट का समर्पित स्टेडियम भी मिल गया है।' पिछले सप्ताह एलए नाइट राइडर्स ने कैलिफोर्निया के पोमोना में एक नए क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया, जिसे अमेरिका में क्रिकेट का स्थायी केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दुष्कर्म पीड़िता के मामले में हाई कोर्ट का बड़ा सवाल

कानून ने डाक्टरों को अधिकार दिया है, फिर अदालत का चक्कर क्यों ?

चिकित्सकीय स्तर पर ही निर्णय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि पीड़िताओं को राहत के लिए अदालतों का चक्कर न लगाना पड़े- हाई कोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता के गर्भसमापन की अनुमति देने के साथ स्वास्थ्य तंत्र को आईना दिखाया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने साफ कहा कि जब एमटीपी एक्ट, 1971 24 सप्ताह तक की गर्भावस्था में निर्धारित परिस्थितियों में चिकित्सकों को निर्णय लेने का अधिकार देता है, तब हर मामले में जिला न्यायालय या हाई कोर्ट की अनुमति लेने की परिपाटी आखिर क्यों अपनाई जा रही है। अदालत ने इसे संवेदनशील मामलों में अनावश्यक देरी का कारण माना।

दरअसल, मंडला जिले की 17 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता 10 सप्ताह की गर्भवती थी। मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में गर्भसमापन को संभव बताया, हालांकि पीड़िता की कम उम्र और स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए प्रक्रिया मेडिकल कालेज में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में कराने की अनुशंसा की। पीड़िता और उसकी मां की लिखित सहमति के बाद हाई कोर्ट ने गर्भसमापन की अनुमति दे दी। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता अजय ओझा ने पक्ष रखा।

अदालत ने निर्देश दिए कि पूरी प्रक्रिया विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी में हो, पीड़िता को समुचित चिकित्सा और पोस्ट-आपरेटिव देखभाल मिले तथा भ्रूण का डीएनए नमूना सुरक्षित रखकर आपराधिक प्रकरण में साक्ष्य के रूप में संरक्षित किया जाए।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश

नियमित व्याख्याता की नियुक्ति से गेस्ट फैकल्टी की सेवा खत्म नहीं होगी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि किसी कालेज में नियमित व्याख्याता की नियुक्ति हो जाने मात्र से गेस्ट फैकल्टी की सेवा समाप्त नहीं की जा सकती। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने कहा कि यदि अन्य कालेजों में रिक्त पद उपलब्ध हैं तो संबंधित गेस्ट फैकल्टी को वहां समायोजन का अवसर देना होगा। यदि वह वैकल्पिक पदस्थापना स्वीकार नहीं करती है, तभी शासन सेवा समाप्ति की कार्रवाई कर सकता है। रीवा निवासी सुमन वर्मा की याचिका में बताया गया कि जिस कालेज में वह गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यरत थीं, वहां नियमित व्याख्याता भावना डेहरिया की नियुक्ति हो गई है, जिससे उनकी सेवा समाप्त होने की आशंका पैदा हो गई। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि प्रदेश के अनेक शासकीय महाविद्यालयों में अब भी रिक्त पद हैं। ऐसे में सीधे सेवा समाप्त करना न्यायसंगत नहीं होगा। सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के पूर्व न्याय दृष्टांत का भी हवाला दिया गया। सभी पक्षों पर विचार करने के बाद अदालत ने शासन को वैकल्पिक पदस्थापना का अवसर देने का निर्देश देते हुए याचिकाकर्ता को राहत प्रदान की।

बाल-बाल बचे कर्मचारी, नवीनीकरण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

डीआरएम कार्यालय की फॉल्स सीलिंग गिरी

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय में मंगलवार शाम बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कार्यालय के हॉल क्रमांक-ई की फॉल्स सीलिंग अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। घटना के समय कई कर्मचारी अपनी सीटों पर बैठकर काम कर रहे थे। तेज आवाज के साथ छत का हिस्सा गिरने से कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि कोई कर्मचारी इसकी चपेट में नहीं आया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसे ने हाल ही में कराए गए भवन के निर्माण और नवीनीकरण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि कुछ महीने पहले ही इस हिस्से का निर्माण कार्य पूरा हुआ था, लेकिन पहली बारिश का असर भी भवन नहीं झेल सका। इससे निर्माण में घटिया सामग्री और मानकों की अनदेखी किए जाने की आशंका गहरा गई है।

घटना के बाद कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। उनका कहना है कि यदि भवन का एक हिस्सा इस तरह अचानक गिर सकता है तो अन्य हिस्सों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। कर्मचारियों ने पूरे भवन का तकनीकी निरीक्षण कराने और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

यह हादसा रेलवे जैसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

तीखी बहस के बाद बढ़ी तारीख

प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई 13 जुलाई तक टली

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के समक्ष मंगलवार को प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को सूचित किया गया कि महाधिवक्ता प्रशांत सिंह स्वयं इस संवेदनशील मामले में सरकार का पक्ष रखना चाहते हैं। लेकिन इंदौर से जबलपुर की यात्रा में होने के कारण वे समय पर न्यायालय नहीं पहुंच सके। सरकार के अनुरोध पर एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच के ने मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई निर्धारित कर दी। सरकार की ओर से समय मांगे जाने का सामान्य वर्ग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज शर्मा ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार तेजी से विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) की तैयारी कर रही है।।पिछली रात ही विधानसभा से 15 विभागों के प्रमोशन आदेश जारी किए जा चुके हैं।अधिवक्ता शर्मा ने कोर्ट को याद दिलाया कि पूर्व में महाधिवक्ता ने मौखिक आश्वासन दिया था कि अंतिम निर्णय तक डीपीसी नहीं होगी। जब इस दावे का विरोध हुआ, तो उन्होंने कोर्ट में वह वीडियो दिखाने तक की पेशकश कर दी। उन्होंने मांग की कि अगली तारीख तक सरकार को किसी भी प्रकार के प्रमोशन आदेश जारी करने से रोका जाए। दूसरी ओर, अजाक्स की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर ठाकुर ने सामान्य वर्ग की मांग का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के रिकॉर्ड में ऐसा कोई लिखित न्यायिक आदेश मौजूद नहीं है, जिससे सरकार को प्रमोशन प्रक्रिया आगे बढ़ाने से रोका गया हो। रिकॉर्ड में केवल वही बातें महत्वपूर्ण हैं जो विधिवत दर्ज हैं। हालांकि, सरकारी अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस बिंदु पर कोई मत नहीं दिया है और महाधिवक्ता ही अगली सुनवाई में विस्तृत तथ्य व दलीलें पेश करेंगे।

ईओडब्लयू ने खोला 6 लाख के गबन का खेल

किसानों से लगान के नाम पर पटवारी ने की ठगी

जबलपुर। किसानों से राजस्व वसूली के नाम पर कथित धोखाधड़ी कर सरकारी खजाने को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले पटवारी पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्लयू) जबलपुर ने शिकंजा कस दिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी पटवारी ने किसानों से फोन-पे के माध्यम से राशि जमा कराई और बदले में फर्जी सरकारी चालान थमाकर करीब 6 लाख रुपये का गबन कर डाला। ईओडब्लयू जबलपुर द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि सिवनी के तत्कालीन पटवारी अरण कुमार सनोडिया पिता सरमन लाल सनोडिया के खिलाफ अपराध क्रमांक 83/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

फर्जी चालान से खुला भ्रष्टाचार का मामला

मामले का खुलासा एकता कॉलोनी सिवनी निवासी राजकुमार साहू की शिकायत के बाद हुआ। शिकायत में बताया गया कि पटवारी ने ऑनलाइन भुगतान के नाम पर राशि जमा कराई और 30 अगस्त 2024 की तारीख का चालान दिया। जब चालान की सरकारी पोर्टल पर जांच कराई गई तो उसका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद यह साफ हुआ कि चालान फर्जी था और राशि सरकारी खाते में जमा होने के बजाय निजी उपयोग में चली गई। इसी तरह रामकुमार कुशवाहा को भी 89 हजार 550 रुपये का फर्जी चालान थमाए जाने का मामला सामने आया। शिकायतों के बाद तत्कालीन एसडीएम सिवनी ने जिला कोषालय अधिकारी से चालानों का सत्यापन कराया, जिसमें दोनों चालान सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं पाए गए। इसके बाद पटवारी को निलंबित कर दिया गया था।

जांच में सामने आए गबन के नए मामले

विभागीय जांच के दौरान पटवारी के खिलाफ और भी गंभीर तथ्य सामने आए। पहला मामलाः भू-स्वामी सुनील नाहर से फोन-पे के जरिए 44 हजार 856 रुपये लिए गए। इसके बदले 6 हजार 300 रुपये और 32 हजार 001 रुपये के दो चालान दिए गए। जांच में पाया गया कि 32 हजार 001 रुपये के चालान के एवज में सरकारी पोर्टल पर केवल 21 हजार 300 रुपये ही जमा दर्ज थे। इस तरह 17 हजार 256 रुपये की राशि का अंतर सामने आया। दूसरा मामलाः शीतल चंद भूरा के नाम पर 5 लाख 04 हजार रुपये का चालान जारी किया गया, लेकिन जांच में यह चालान भी फर्जी निकला और उसका कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं मिला। ईओडब्लयू की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पटवारी ने सुनियोजित तरीके से राजस्व राशि में हेराफेरी कर शासन को लगभग 6 लाख रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाई। ईओडब्लयू ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316(5), 337, 336(3), 340(2) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(सी) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जांघ में चाकू मारकर की थी हत्या आरोपित को आजीवन कारावास

जबलपुर। रांझी क्षेत्र में युवक की चाकू मारकर हत्या करने के करीब पांच वर्ष पुराने मामले में जिला अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश बृजेश सिंह की अदालत ने आरोपित

संजय थापा को हत्या के अपराध में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और दो हजार रुपये अर्थदंड व आर्म्स एक्ट के तहत दो वर्ष के कठोर कारावास व एक हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन के अनुसार सात नवंबर, 2021 की रात रोहित थापा पर रांझी स्थित मामा किराना स्टोर्स के पास संजय थापा ने चाकू से हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल रोहित ने अस्पताल ले जाते समय अपने भाई सुमित थापा को हमलावर का नाम बताया। सिटी अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर रांझी थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच निरीक्षक विजय सिंह परस्ते ने की और पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर न्यायालय में आरोप-पत्र पेश किया। प्रकरण में विशेष लोक अभियोजक स्मिता ठाकुर ने पैरवी की। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपित को दोषसिद्ध मानते हुए आजीवन कारावास का दंड सुनाया।

सामान खुर्दबुर्द करने पर मामला दर्ज

सूने मकान में तोड़फोड़ कर कब्जा

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र के ग्राम महगवां काशी में सूने मकान में घुसकर तोड़फोड़ करने, कब्जा करने और कीमती सामान खुर्दबुर्द करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम महगवां काशी निवासी 46 वर्षीय सुनील खरोदा ने शिकायत दर्ज कराई कि पड़ोस में रहने वाले नंदकिशोर तिवारी और दिनेश तिवारी ने उसके सूने मकान में घुसकर तोड़फोड़ की और कब्जा कर लिया। जब वह घर पहुंचा तो बिजली मीटर क्षतिग्रस्त मिला और मकान का मुख्य गेट हटाकर दीवार खड़ी कर दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण, गृहस्थी का सामान, कपड़े, बर्तन, सीलिंग फैन, सेटअप बॉक्स और साइकिल को खुर्दबुर्द कर दिया गया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामले में धारा 316(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना के बाद से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरु कर दी। जल्द ही आरोपियों को थाने में तलब किया जाएगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आयेंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ठेकेदार से मांग रहा था रिश्वत, लोकायुक्त ने कार्यालय में दबोचा

40 हजार की रिश्वत लेते पनागर नगर परिषद का उपयंत्री ट्रैप

जबलपुर। नगर परिषद पनागर में भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार को नगर परिषद पनागर के उपयंत्री शुभम जैन को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी उपयंत्री ठेकेदार से लंबित भुगतान और फिक्स डिपॉजिट की राशि जारी करने के एवज में रिश्वत मांग रहा था।

लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटले के अनुसार जबलपुर निवासी ठेकेदार राजेंद्र कुमार सतनामी ने लोकायुक्त से शिकायत की थी कि वर्ष 2024-25 में उसे नगर परिषद पनागर की स्वास्थ्य शाखा में कीटनाशक सामग्री सप्लाई का ठेका मिला था। करीब 9 लाख 75 हजार रुपए के इस ठेके के तहत सामग्री सप्लाई करने के बाद उसे दो किस्तों में भुगतान प्राप्त हो चुका था।

शिकायतकर्ता का आरोप था कि भुगतान प्रक्रिया पूरी करने और कार्यालय में जमा 48 हजार रुपए की फिक्स डिपॉजिट राशि वापस करने के लिए उपयंत्री शुभम जैन द्वारा 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। लगातार दबाव से परेशान होकर ठेकेदार ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस से की।

शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें आरोपी द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद 40 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। मंगलवार को लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाकर नगर परिषद पनागर कार्यालय में जैसे ही उपयंत्री शुभम जैन ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया। इस मामले में नगर परिषद के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी अभिलाष रजक की भूमिका भी सामने आई है। लोकायुक्त पुलिस दोनों आरोपियों के संबंध में आगे की जांच कर रही है। लोकायुक्त पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी), 13(2) तथा बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रेप दल में निरीक्षक जितेंद्र यादव, निरीक्षक बृज मोहन नरवरिया सहित लोकायुक्त की टीम शामिल थी।

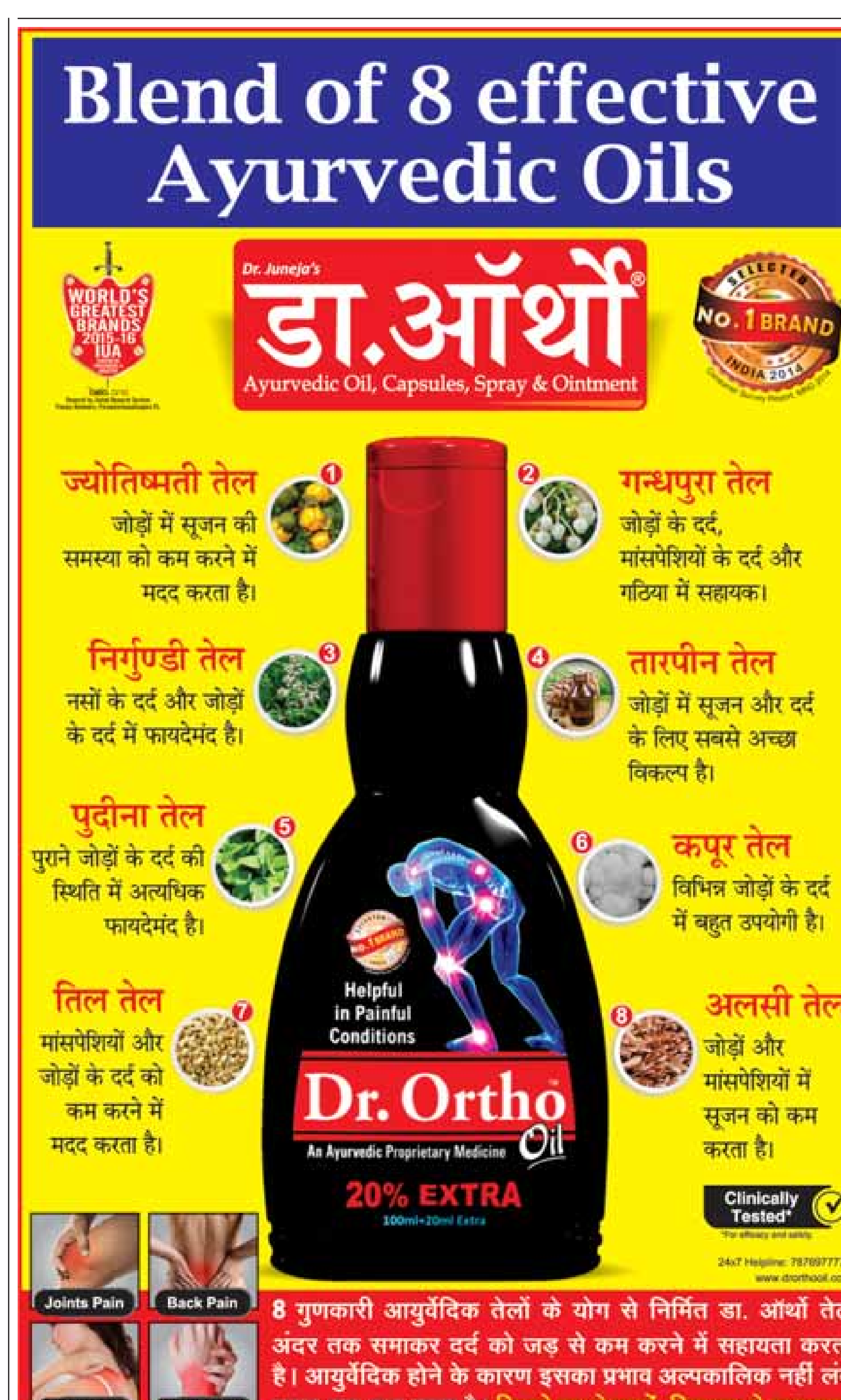

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240